विकसित भारत समाचार

शुक्रवार, 25 नवंबर, 2022

सत्यमेव जयते

असम सरकार

असम के गौरव, भारत की अनुप्रेरणा

लाचित बरफुकन की 400वीं जन्म जयंती समारोह

असम में शासन करने वाला आहोम राजवंश 600 वर्षों तक अपराजेय रहा। आहोम ने अपने असाधारण सेनानायक लाचित बरफुकन के कुशल नेतृत्व में मुगलों को 1671 के ऐतिहासिक सराईघाट के युद्ध में पराजित किया था।

समापन समारोह

मुख्य अतिथि

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

"वीर लाचित बरफुकन एक असाधारण नेता और निपुण सेनापति थे। असम की अतुलनीय सभ्यता-संस्कृति की सुरक्षा के क्षेत्र में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे देश के शौर्य और अखंडता के एक अद्वितीय प्रतीक हैं।"

नरेन्द्र मोदी

स्थान	दिनांक
विज्ञान भवन, नई दिल्ली	25 नवंबर 2022 समय : सुबह 10 बजे

LIVE

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, असम के सोशल मीडिया एकाउंट पर उपलब्ध होगा।

Exclusive/DIPR/11-2022

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, असम द्वारा प्रचारित। हमें अनुसरण करें /@diprassam https://dipr.assam.gov.in/

असम वार्ता सब्सक्राइब करने के लिए 8287912158 में Assam लिखकर व्हाट्सएप करें।

-- Janasanyog /D/16845/ 22

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. Ñ 94350-48866,**
94018-06952

एएफपीसीएसएल ने की असम में पावर टिलर सब्सिडी योजना शुरू

गुवाहाटी। असम फार्मर प्रोड्यूसर को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष कुमर गौरव ने घोषणा करते हुए कहा कि असम के गरीब किसानों को 85,000 सब्सिडी मूल्य के 3000 पावर टिलर दिए जाएंगे। केवल 1,30,000 रुपए किसानों को भुगतान करना है। गठित समिति यह सुनिश्चित करेगी कि लाभार्थी और असम किसान उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड के व्यक्ति के बीच कोई नकद लेनदेन नहीं होना चाहिए। केवल आपूर्ति करने वाले डीलर को ही पावर टिलर की डिलीवरी और संबंधित वित्तीय लेनदेन करने की अनुमति है। आगे अध्यक्ष ने कहा कि हमने रीपर, कॉर्न हार्वेस्टर, पोटैटो सीडर, सीडर, रोटावेटर आदि कृषि यंत्रों पर इसी तरह का लाभ किया है। किसान सदस्यों के समिति 360 विकास को सुनिश्चित करेगी और उम्मीद है कि माननीय असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में जिस तरह से असम का विकास हो रहा है, उसमें असम फार्मर प्रोड्यूसर को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड भी पूरी तरह योगदान देगी।

पूसीरे ने असम के महान सेनापति वीर लाचित को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (विभास)। अहोम सेना के प्रमुख सेनापति वीर लाचित बरफूकन की 400वीं जयंती को याद करने के लिए पूसीरे ने पूसीरे के मुख्यालय और सभी मंडलों में 21 से 24 नवंबर, 2022 तक लाचित दिवस मनाया। पूसीरे के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता और अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर वीर लाचित बरफूकन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूसीरे मुख्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और विभिन्न संघों एवं यूनियनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। पूसीरे मुख्यालय परिसर में डॉ भूपेन हजारिका सभा गृह में वीर लाचित बरफूकन की जीवनी और वीरतापूर्ण कार्यों पर एक प्रदर्शनी लगाई गई। पूसीरे के सभी मंडलों में भी दीप जलाकर वीर लाचित बरफूकन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर इस अवसर को चिह्नित किए। इस अवसर पर भारत स्काउट

एवं गाइड, पूसीरे के सदस्यों ने पूसीरे मुख्यालय और सभी मंडलों में वीर लाचित बरफूकन के सराईघाट लड़ाई के दौरान वीरता से संबंधित नाटक का मंचन किए। सैंड आर्टिस्ट रॉबिन बर द्वारा वीर लाचित बरफूकन की जीवनी को चित्रित करने के लिए सैंड पेंटिंग का प्रदर्शन किए गया। पूसीरे के रेलवे स्कूलों में प्रभात फेरी, निबंध, ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस अवसर पर रंग भवन, मालीगांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। वीर लाचित बरफूकन एक महान सैन्य नेता और असमिया समाज के एक अनुकरणीय व्यक्ति थे। उन्हें 1671 में सराईघाट की लड़ाई में आक्रमणकारी मुगलों के खिलाफ जीत के लिए अहोम साम्राज्य की सेनाओं का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने धर्म या अपनी महिमा के लिए लड़ाई नहीं लड़ी, बल्कि उन्होंने अपनी भूमि, अपने लोगों के लिए लड़ाई लड़ी और इसी ने उन्हें मुगलों के खिलाफ लड़ाई जीतने में प्रेरित किए। इस अवसर पर पूसीरे के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता ने विशाल और बेहतर सुसज्जित मुगल सेनाओं को असम से बाहर खदेड़ने में अहोम सेना के प्रमुख सेनापति वीर लाचित बरफूकन की भूमिका का उल्लेख किए। महाप्रबंधक ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत का असम मुगल अधीनता से मुक्त रहने के लिए वीर लचित बरफूकन का ऋणी है।

एपीएमयू ने मेघालय को ईंधन की आपूर्ति रोकी

गुवाहाटी (विभास)। असम में पेट्रोलियम कर्मचारियों के शीर्ष निकाय ने बृहस्पतिवार को कहा कि असम से जा रहे वाहनों पर हमले की खबरों के बाद इसने मेघालय में ईंधन के परिवहन को रोक दिया है। इससे पहले असम-मेघालय सीमा पर हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई थी। इसी हिंसा की पृष्ठभूमि में वाहनों पर कथित हमले हुए हैं। असम पेट्रोलियम मजदूर यूनियन (एपीएमयू) ने आईओसी, एचपीसीएल, और बीपीसीएल समेत सभी पीएसयू तेल विपणन कंपनियों को अलग-अलग पत्र भेज कर टैंकरों में ईंधन नहीं भरे जाने के यूनियन के फैसले के बारे में अवगत कराया। गुवाहाटी स्थित आईओसी के पूर्वोत्तर मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस तरह का पत्र मिलने की पुष्टि की है। हालांकि, नुमालीगढ़ रिफाइनरी के प्रवक्ता ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को अब तक पत्र नहीं मिला है। बीपीसीएल इस रिफाइनरी से अपने उत्पाद मेघालय भेजता है। एचपीसीएल अधिकारियों से इस संबंध में अब तक कोई टिप्पणी नहीं मिली है। एपीएमयू ने पत्र में मेघालय में असम के नंबर प्लेटों वाले वाहनों पर हमले की ओर इशारा किया है। इसमें कहा गया है, पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति के लिये..हमारे सदस्य वहां जाने से डर रहे हैं। संगठन ने इस बात पर बल देकर कहा कि मौजूदा स्थिति में ट्रांसपोर्टरों के साथ-साथ उत्पादों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है।

सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

चराईदेव (हि.स.)। चराईदेव जिला मुख्यालय शहर सोनारी के टिमन में हुई सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह तेज रफ्तार एक बोलेरो पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। बोलेरो पिकअप (एएस-33सी-0301) तिनसुकिए से सोनारी सामान लेकर जा रहा था। अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद सड़क के किनारे पलट गया। हादसे में वाहन चालक अजय दिहिंगिया और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन को किरान की मदद से थाने ले गई। पुलिस ने इसके साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

रंजीत बोरा के हत्यारों की जानकारी देने वाले को दो लाख रुपए इनाम की घोषणा

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी पुलिस ने रंजीत बोरा के हत्यारों की जानकारी देने वाले को दो लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। गुवाहाटी पुलिस ने एक ट्वीट में कहा कि गुवाहाटी पुलिस ने एक घोषणा की। रंजीत बोरा के हत्यारों की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 2 लाख का इनाम, जिनकी 21 नवंबर को पंजाबी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्यारों के बारे में जानकारी रखने वाला कोई भी व्यक्ति व्हाट्सएप पर 6026901247 नंबर पर विवरण साझा कर सकता है। पुलिस ने कहा कि मुखबिरों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। पूरबी डायरी के वितरक-रंजीत बोरा को उस कार के अंदर गोली मार दी गई थी जब वह पैसे जमा करने के लिए असम के गुवाहाटी में एक बैंक जा रहे थे। गोली लगने के बाद, रंजीत बोरा को तुरंत असम के गुवाहाटी में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) में स्थानांतरित कर दिया गया। बोरा को असम के गुवाहाटी में जीएमसीएच में मृत घोषित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि मरने के बाद पुलिस आयुक्त ने मीडिया को बताया कि उनके पास संदिग्धों के बारे में सुराग हैं और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा हालांकि गुरुवार तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई थी।

कीमती लकड़ी समेत चार ई-रिक्शा जब्त, पांच गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हि.स.)। गुप्त सूचना के आधार पर फकीराग्राम थाना प्रभारी सुशील क्षेत्री के नेतृत्व में फकीराग्राम और चिथिला पुलिस ने गुरुवार की सुबह भारी मात्रा में साल की लकड़ी को जब्त किए। पुलिस ने बताया है कि प्रतापखाता रेलवे फाटक के समीप अभियान चलाकर भारी मात्रा में साल की लकड़ी लेकर जा रहे चार ई-रिक्शा को जब्त किए गया। जब्त की गई लकड़ी की कीमत 80 हजार रुपए है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 2 लाख आंकी गई है। ई-रिक्शा को प्रतापखाता में उस समय जब्त किए गया जब वह धुबरी जिला के सपटग्राम से कोकराझाड़ जिला के दोतामा जा रहे थे। फकीराग्राम पुलिस ने चार ई-रिक्शा के चालकों को गिरफ्तार कर चार ई-रिक्शा को जब्त कर लिया। गिरफ्तार चालकों की पहचान नूर ईस्लाम शेख (35), जमीनुल हक (24), अबुल कलाम आजाद (23), जरीदुल रहमान (27) के रूप में किए गया है। इस मामले में पुलिस ने एक प्रथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के आधार पर गुरुवार की दोपहर करीब 12 बजे इस मामले के मुख्य आरोपी अमजद आली (35) को पुलिस ने फकीराग्राम से गिरफ्तार कर लिया।

कोकराझाड़ : लाचित दिवस पर दुकानदारों को सजावटी फूलों के पौधे एवं गमले वितरित

कोकराझाड़ (हि.स.)। वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती के अवसर पर पूरे राज्य में गुरुवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कड़ी में कोकराझाड़ जिला शहर के सौंदर्यीकरण अभियान के तहत आज दुकानदारों को सजावटी फूलों के पौधे के साथ फूल लगाने के लिए फाइबर के गमले वितरित किए गए। कोकराझाड़ जिला उपायुक्त वर्णाली डेका ने गुरुवार को उपायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित एक समारोह में दुकानदारों को गमलों का औपचारिक तौर पर वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किए। इस अवसर पर उपायुक्त डेका ने कोकराझाड़ शहर के सौंदर्यीकरण के लिए वीर लाचित बरफुकन की जयंती पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने में सक्षम होने पर इस कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त

किए। उन्होंने कोकराझाड़ नगर परिषद और शहरी विकास विभाग के अधिकारियों से प्रत्येक दुकानदारों को कम से कम दो फूलों के गमले वितरित करने और उसका उचित रखरखाव पर कड़ी नजर रखने का आग्रह किए। इस अवसर पर कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने कोकराझाड़ नगर परिषद और शहरी विकास विभाग के सहयोग से सजावटी फूलों वाले पौधों की विभिन्न प्रजातियों के साथ कुल 30 फूलों के गमले वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किए। शहरी विकास विभाग के उपनिदेशक और परिषद के प्रमुख ने कहा कि उन्होंने अपने सौंदर्यीकरण अभियान के तहत पहले चरण में कोकराझाड़ शहर में 1,500 योग्य दुकानदारों में से 250 को फूलों के गमले वितरित करने का फैसला किए है। यह बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो की शहर को सुशोभित करने की इच्छा के अनुरूप है। इस अवसर पर उप उपायुक्त, कोकराझाड़ नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी, शहरी विकास विभाग के उपनिदेशक और विभागाध्यक्ष और कोकराझाड़ मर्चेंट एसोसिएशन के कई प्रतिनिधि उपस्थित थे।

युवक की सड़क हादसे में मौत

गोलाघाट (हि.स.)। अपनी होने वाली पत्नी से मिलने जा रहे एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। मामला गोलाघाट का है। जानकारी के अनुसार जिले के जेलेहुआ गांव निवासी 32 वर्षीय स्वरूप रंजन बोरा की होने वाली पत्नी का घर भी इसी गांव में है। दोनों का लंबे समय से प्रेम संबंध था। होने वाली पत्नी काजीरंगा के वन विभाग में काम करती है। स्वरूप रंजन बोरा गुरुवार को बोकाखात स्थित काजीरंगा के निदेशक कार्यालय में काम करने वाली अपनी पत्नी से मिलने के लिए कार (एएस-03टी-4633) से जा रहे थे। देरगांव से बोकाखात जाते समय उनकी कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में स्वरूप रंजन बोरा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से स्वरूप रंजन बोरा को बोकाखात अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सरला बिरला स्कूल में द्वितीय अंतर स्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता

गुवाहाटी (विभास)। उत्तर गुवाहाटी के अमीनगांव स्थित सरला बिरला स्कूल में द्वितीय अंतर स्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता बीते मंगलवार को शुरू हुई। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता इंडोर हॉल में चली जिसमें 35 स्कूलों के दो सौ प्रतियोगियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में थी यूएसटीएम की क्रीड़ा संचालक डॉ. आसमा बेगम, अलिंपिया स्पॉर्ट के कंसलटिंग एडिटर उदय बरगोहाई, असमिया प्रतिदिन के विश्वजीत डेका और अध्यक्ष डॉ. दिगंत हलदर के अलावा स्कूल के शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित थे। स्कूल की प्रधान शिक्षिका कविता बोरा ने उद्घाटन समारोह में स्कूल की छात्राओं के साथ दशावतार नृत्य का एक आधुनिक संस्करण प्रस्तुत योगदान किए। ताइक्वांडो के प्रशिक्षक विश्वजीत कुमार ने कहा कि स्कूल में दूसरी बार इस तरह का आयोजन किए गया है। बुधवार की शाम चार बजे प्रतियोगिता के मुख्य रेफरी दिगंत बोरा की अनुपस्थिति में उनके स्थान पर राष्ट्रीय रेफरी तथा पूर्व के ताइक्वांडो खिलाड़ी खुशबू बासफोर ने उनका कार्य किए। खेल प्रेमियों को आशा है कि इस तरह की प्रतियोगिता से असम के ताइक्वांडो खिलाड़ियों की विजयी यात्रा शुरू होगी। स्कूल की प्रतियोगिता के आयोजन से देश-विदेश में असम की समरकला के खिलाड़ीगण सुनाम अर्जन करेंगे।

हमद एमएआर बरलशकर को मिला आईआरपीआरए-2022 पुरस्कार

गुवाहाटी (विभास)। तन्जेंट के संस्थापक सीईओ हमद एम ए आर बरलशकर को स्थानीय ब्रांड पीआर अभियान श्रेणी के तहत 40 अंडर 40 प्रतिष्ठित भारत का क्षेत्रीय पीआर पुरस्कार 2022 (आईआरपीआरए) मिला। हमद ने देश भर के छह अन्य पीआर पेशेवरों के साथ सर्वश्रेष्ठ स्थानीय ब्रांड पीआर अभियान के तहत पुरस्कार जीता। पुरस्कार के बारे में बोलते हुए, हमद एम ए आर बरलशकर ने कहा कि लगभग 15 वर्षों से इस क्षेत्र में होने के नाते, हमारे काम के लिए स्वीकार किए जाना बहुत अच्छा लगता है। मैं टूपल डॉट कॉम को छोटे शहरों से क्षेत्रीय एजेंसियों को मान्यता देने और हमें बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करने की पहल करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। इस वर्ष भारत के 17 राज्यों से 186 से अधिक प्रविष्टियों में से 40 पीआर पेशेवरों को सम्मानित किए गया। 40 वर्ष से कम आयु के पीआर प्रैक्टिशनर पुरस्कारों के लिए पात्र थे और विजेताओं का चयन जूरी सदस्यों के एक समूह द्वारा किए गया था जो संचार के क्षेत्र में दिग्गज हैं। वर्चुअल रूप से आयोजित इस कार्यक्रम को देश भर के कई पीआर पेशेवरों ने देखा। पुरस्कार प्रदान करने से पहले भारत में क्षेत्रीय जनसंपर्क के भविष्य पर एक संक्षिप्त संगोष्ठी भी आयोजित की गई। आईआरपीआरए 2022 का उद्देश्य पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्रीय पीआर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पीआर पेशेवरों को सम्मानित करना है।

सम्मेलन की गुवाहाटी शाखाओं ने लाचित दिवस के मौके पर दीप प्रज्वलित किया

गुवाहाटी (नसं)। वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जन्मजयंती के उपलक्ष्य पर शाम 5 बजे फैंसी बाजार, शनि मंदिर चौराहे के सामने, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा एंव मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के संयुक्त तत्वावधान में 400 दीपक प्रज्ज्वलित कर लाचित दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, कामरुप शाखा के उपाध्यक्ष अजीत शर्मा संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष पवन जाजोदिया निरंजन सिकरीया, संजय खेतान बाबूलाल नवलखा, नीरज जैन, रतन अग्रवाल, राजेश जाजोदिया, उमेश महेश्वरी एवं सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका, सचिव शंकर बिड़ला, कार्यक्रम संयोजक गौतम शर्मा एंव विकाश जैन, विशिष्ठ अतिथि कैलाश काबरा के अलावा संजीत धूत, पवन साबू, रमेश चांडक, विनोद जिंदल, विकास गुप्ता व कई अन्य सदस्य उपस्थित थे। दूसरी ओर सम्मेलन की महिला शाखा ने दिघोली पुखुरी में वार मेमोरियल में स्थित वीर लाचित बरफूकन की प्रतिमा के सामने 400 दीपक जलाकर माल्यार्पण कर लाचित दिवस मनाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी मेहमानों का मिठाई, जूस तथा चॉकलेट देकर अभिवादन किए गया। अध्यक्षा कंचन केजरीवाल के अलावा कार्यक्रम को सफल बनाने में मंत्री सरोज जालान, संतोष काबरा,सीमा अग्रवाल,सीमा सोनी,बिंदु जाटिया, ममता खाकोलिया, सत्या भातरा, आशा शर्मा, सुजाता मोर, संगीता बड़जात्या, लीना शर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

आनंद अमित अपार है, पूर्ण असीम अथाह।
जाने जाननहार है, छका पका रस माह॥ 03 ॥

शब्दार्थ : (छका) पूर्ण तृप्त (पका) संतुष्ट, पक्व (रस) आनंद (जाननहार) जानने वाला।

भाष्य : परमानंद पूर्ण, असीम, अथाह, अपरिमित और अपार है। सोमरस से तृप्त पूर्ण योगी ही उस आनंद को जानने वाला है।

सुख समाधि कैसे कहूँ, मन व बुद्धि नहिं आय।
निज स्वरूप की सुधि नहीं, आनंद आनंद पाय॥ 04 ॥

शब्दार्थ : (आनंद) परब्रह्म (सुधि) ज्ञान।

भाष्य : समाधि का सुख कैसे कहूँ? वह तो मन तथा बुद्धि के अंदर आता नहीं और अपने स्वरूप की सुधि रहती नहीं। उस आनंद को प्राप्तकर आत्मा आनंदित हो जाती है। ब्रह्मानंद आत्मा का विषय है। उस सुख को प्राकृतिक मन, बुद्धि एवं इंद्रियादि वर्णन कैसे कर सकते हैं?

SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 124 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 25 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एपीएमयू ने मेघालय को ईंधन की आपूर्ति रोकी पेज 2
कर्नाटक के मुख्यमंत्री के वक्तव्य पर महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई पेज 4
विकास की नई ऊंचाईयों को छू रहा बुन्देलखण्ड : योगी पेज 5
राजस्थान हाईकोर्ट को मिलेंगे जल्द आठ नए न्यायाधीश पेज 8

लाचित बरफुकन के 400वीं जयंती समारोह का दूसरा दिन

अपने इतिहास को गौरवमयी तरीके से सामने रखना होगा : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि अगर लाचित बरफुकन ना होते तो आज पूरा पूर्वोत्तर भारत का हिस्सा ना होता क्योंकि उस वक्त उनके द्वारा लिए गए निर्णयों और उनके साहस ने ना केवल पूर्वोत्तर, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया को धर्मांध आक्रांताओं से बचाया। उन्होंने कहा कि लाचित बरफुकन के उस पराक्रम का उपकार पूरे देश, सभ्यता और संस्कृति पर है। अमित शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर की सीमाओं के बाहर भारत माता के महान सपूत श्री बरफुकन के नाम को पहुंचाने का काम असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने किया है। शाह ने कहा कि जिस देश की जनता को अपने इतिहास पर गौरव होने का बोध ना हो, वो अपना सुनहरा भविष्य कभी नहीं बना सकती। उन्होंने कहा कि अगर देश का स्वर्णिम भविष्य बनाना है तो देश के इतिहास पर गौरव होना बहुत जरूरी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमारे देश के सबसे कठिन समय के

दौरान बरफुकन ने देश के कोने में जिस वीरता का परिचय दिया, उससे देश के हर हिस्से में धर्मांध औरंगजेब के खिलाफ एक लड़ाई शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि जिस समय दक्षिण में शिवाजी महाराज स्वराज की भावना को ताकत दे रहे थे, उत्तर में दसवें गुरू गोविंद सिंह और पश्चिम में राजस्थान में वीर दुर्गादास राठौड़ लड़ रहे थे, उसी कालखंड में लाचित बरफुकन भी पूर्व में मुगल सेना को परास्त करने के लिए लड़ रहे थे। अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी (एनडीए) में 1999 से बेस्ट कैडेट को लाचित बरफुकन गोल्ड मेडल दिया जाता है ताकि हमारे देश के सभी जांबाज जवान इस योद्धा से प्रेरणा ले सकें। शाह ने कहा कि आज देश में सबसे अक्षुण्ण संस्कृति कुदरती सौंदर्य से भरपूर नॉर्थईस्ट में पाई जाती है, वहां की भाषा, संस्कृति, गायन, वादन, वेशभूषा और खानपान अक्षुण्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि अकबर हो या औरंगजेब, कुतुबद्दीन ऐबक हो या इल्तुतमिश, बख्तियार खिलजी हो या इवाज खिलजी, मोहम्मद बिन तुगलक हो या मीर जुमला, इनमें से हर एक को यहां पराजय का मुंह देखना पड़ा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि लाचित बरफुकन के जीवन ने साहस की व्याख्या पूरी दुनिया के सामने की है। उन्होंने कहा कि जिस काम को करने में डर लगता है उसे करने का नाम ही साहस होता है और उसी साहस के दम पर बरफुकन ने इतनी बड़ी मुगल फौज के सामने प्रतिकूल परिस्थितियों में उस सदी की सबसे बड़ी विजय प्राप्त की। शाह ने कहा कि बरफुकन ने बहुत अच्छे तरीके से असम की सभी जनजातीय सेनाओं को इकट्ठा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि यहां लगाई गई प्रदर्शनी से देश के पूर्वोत्तर में लड़ी गई देश की स्वतंत्रता की लड़ाई के बारे में पता चलता है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार देश के गौरव के लिए किए गए किसी भी पुरुषार्थ की समर्थक है। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास को तोड़ मरोड़ कर पेश किए जाने वाले विवाद से बाहर निकलकर इतिहास को गौरवमयी बनाकर पूरे संसार के सामने रखना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि भारत के विभिन्न हिस्सों में 150 साल से ज्यादा शासन करने वाले 30 साम्राज्यों और देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाली 300 से अधिक -शेष पृष्ठ आठ पर

भाजपा समान नागरिक संहिता लाने के लिए प्रतिबद्ध: केंद्रीय गृह मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। गुजरात में चल रहे विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को फिर दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समान नागरिक संहिता लाने के लिए प्रतिबद्ध है, किंतु बहस और चर्चा के बाद। उन्होंने कहा कि भाजपा का जनसंघ के दिनों से ही देश की जनता से ये वादा रहा है। शाह ने एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम में कहा कि संविधान सभा ने भी संसद और राज्यों को उपयुक्त समय पर समान नागरिक संहिता लाने की सलाह दी थी। क्योंकि किसी भी धर्मनिरपेक्ष देश के लिए धर्म के आधार पर कानून नहीं होना चाहिए। सभी के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं से पारित कानून एक समान होने चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि भाजपा के अलावा कोई अन्य दल समान नागरिक संहिता के पक्ष में नही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में बहस आवश्यक है और समान नागरिक संहिता के विषय पर खुलकर स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि भाजपा शासित राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों की -शेष पृष्ठ आठ पर

खसरा : राज्यों को टीके की अतिरिक्त खुराक देने की सलाह

नई दिल्ली। हाल ही में बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, केरल और महाराष्ट्र के कुछ जिलों में खसरे के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। उसने इस पर काबू पाने के लिए सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों से संवेदनशील क्षेत्रों में रह रहे नौ माह से पांच साल तक के बच्चों को खसरा और रूबेला के टीकों की अतिरिक्त खुराक देने पर विचार करने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव पी. अशोक -शेष पृष्ठ आठ पर

पांच लोगों के हत्यारे को फांसी की सजा

अगरतला। त्रिपुरा के खोवाई जिले की एक अदालत ने चालीस वर्षीय व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। उसपर पिछले साल अपनी दो बेटियों, बड़े भाई, एक पुलिस निरीक्षक और एक राहगीर सहित पांच लोगों की हत्या का आरोप था। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सांकरी दास की अदालत ने दलीलों को सुनने के बाद बुधवार को फांसी की सजा सुनाई। इस दौरान सरकार के वकील विकास देब ने कहा कि शुरूआत में ऐसा लगा कि आरोपी प्रदीप देबरॉय मानसिक रूप से बीमार है, लेकिन बाद में डॉक्टर्स ने प्रमाणित किया वह मानसिक रूप से फिट है। अदालत ने एक साल से भी कम समय में अपना फैसला सुनाया है। जिले के उत्तर रामचंद्रघाट इलाके के रहने वाले और पेशे से दिहाड़ी मजदूर देबरॉय ने पिछले साल 26 नवंबर की आधी रात अपनी दो बेटियों अदिति और मंदिरा की लोहे की रॉड से हत्या कर दी थी। सहायक महानिरीक्षक ज्योतिष्मान दास चौधरी ने कहा कि जब उसका बड़ा भाई अमलेश देबरॉय घटनास्थल पर आया, तो उसे भी दोषी ने मौके पर मार डाला। परिवार के तीन सदस्यों की हत्या करने के बाद -शेष पृष्ठ आठ पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सुप्रभात

वो व्यक्ति जो दूसरों के गुप्त दोषों के बारे में बातें करते हैं, वे अपने आप को बांबी में आवारा घूमने वाले सांपों की तरह बर्बाद कर लेते हैं।

– **आचार्य चाणक्य**

मुइक्रोंग घटना : केएसयू का कैंडल मार्च

रि-भोई (हि.स.)। खासी स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू), रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी-यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (मेघालय) यूनिट ने अपने अध्यक्ष केल्विन थोंगनी के नेतृत्व में एक कैंडल मार्च निकाला और अपना समर्थन दिखाने के लिए काले झंडे लगाए। ज्ञात हो कि गत 22 नवंबर को असम-मेघालय सीमावर्ती इलाके में असम के पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिला के मुइक्रोंग गांव में लकड़ी तस्करी को रोकने के दौरान हुई झड़प के दौरान गोलीबारी में एक वन रक्षक और पांच स्थानीय नागरिकों की मौत हो गई थी। इस घटना में शेष पृष्ठ आठ पर

गुजरात चुनाव : पहले चरण में 167 उम्मीदवार दागी

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 1 दिसंबर को मतदान होना है। पहले चरण में 89 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले कुल 788 उम्मीदवारों में से 167 उम्मीदवार आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। इनमें आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार शीर्ष पर हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से गुरुवार को रिपोर्ट जारी की गई है। इसमें बताया गया है कि आप के 32 उम्मीदवार आपराधिक मामलों का सामने कर रहे हैं। दूसरे नंबर पर कांग्रेस और तीसरे पर भाजपा है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, आपराधिक मामलों वाले 167 उम्मीदवारों में से 100 पर हत्या या बलात्कार जैसे गंभीर आरोप हैं। इसके साथ ही कुल उम्मीदवारों में 21 फीसदी पर आपराधिक मामले हैं, जबकि 13 फीसदी पर गंभीर आरोप हैं। आम आदमी पार्टी (आप) कुल 89 सीटों में से 88 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसके

36 फीसदी उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी (आप) के 30 फीसदी उम्मीदवार हत्या, बलात्कार, हमला, अपहरण जैसे गंभीर मामलों का सामना कर रहे हैं। आप द्वारा मैदान में उतार गए आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों की संख्या 32 है। हैरान करने वाली बात यह है कि यह पार्टी राज्य में स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने का वादा करते हुए प्रचार में जुटी है। इसके बाद सबसे ज्यादा आपराधिक उम्मीदवारों वाली पार्टी कांग्रेस है। उसके 35 फीसदी उम्मीदवार आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। वहीं 20 फीसदी उम्मीदवारों पर गंभीर मामले चल रहे हैं। -शेष पृष्ठ आठ पर

जामा मस्जिद में लड़कियों की एंट्री हटी

नई दिल्ली। जामा मस्जिद ने महिलाओं के प्रवेश पर रोक वाले विवादास्पद आदेश को गुरुवार को वापस ले लिया। इस मामले में उठे विवाद के बाद हस्तक्षेप करते हुए दिल्ली के उप राज्यपाल वी के सक्सेना ने शाही इमाम से बात की थी। जामा मस्जिद प्रशासन ने नोटिस लगाया था कि जामा मस्जिद में लड़की या लड़कियों का अकेले दाखिला मना है। जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने बताया कि उप राज्यपाल ने मुझसे बात की। हमने नोटिस बोर्ड हटा दिए हैं। लेकिन मस्जिद -शेष पृष्ठ आठ पर

गहलोत का पायलट पर सीधा हमला

जयपुर (हि.स.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान आने से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस आदमी के पास 10 विधायक नहीं हैं, जिसने बगावत की हो, जिसे गद्दार नाम दिया गया है, उसे कैसे लोग स्वीकार कर सकते हैं। पायलट को कैसे सीएम बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे करवा लीजिए कि मेरे मुख्यमंत्री रहने से सरकार आ सकती है तो मुझे रखिए। अगर दूसरे चेहरे से सरकार आ सकती है तो उसे बनाइए। मैं अमरिंदर सिंह की तरह बगावत नहीं करूंगा। मैं सरकार लाने के लिए जान लगा दूंगा। एक निजी चैनल से बातचीत में गहलोत ने कहा कि जिसके कारण हम 34 दिन होटलों में बैठे रहे, ये सरकार गिरा रहे थे। जो आदमी गद्दारी कर चुका है, उसे हमारे एमएलए कैसे स्वीकार करेंगे ? भविष्य में सीएम रहने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि आज तो मैं ही हूं यहां पर। हाईकमान के इशारे की छोड़ो, मुझे तो कोई इंडिकेशन नहीं है। मैं हाईकमान के साथ हूं। पायलट को कोई स्वीकार ही नहीं करेगा। हाईकमान राजस्थान के साथ न्याय करेगा। सितंबर की बातें हैं। अजय माकन और हाईकमान को अपनी फीलिंग बता चुका हूं। राजस्थान में सरकार आना जरूरी है। मैं तीन बार सीएम रह चुका। मेरे लिए सीएम रहना जरूरी नहीं है। गहलोत ने कहा कि जब 2009 में लोकसभा चुनाव में राजस्थान से 20 सांसद कांग्रेस के जीते तो मुझे दिल्ली बुलाया गया। जब वर्किंग कमेटी की बैठक हुई तो राजस्थान से मंत्री बनाने के बारे में मुझसे पूछा गया। सचिन पायलट को जानकारी है कि मैंने पायलट को केंद्र में मंत्री बनाने की सिफारिश की थी। पार्टी की हालत पर गहलोत ने कहा कि मुझे कोई टेंशन नहीं है। थोड़े बहुत मतभेद सब जगह होते हैं। 25 सितंबर को बगावत नहीं हुई थी। 2019 में बगावत हुई थी, 34 दिन होटलों में रहे। 25 सितंबर को 90 लोग इकट्ठे हुए। ये वे लोग थे, जिन्होंने सरकार -शेष पृष्ठ आठ पर

न्यूज गैलरी

असीम मुनीर पाक का नया सेना प्रमुख

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर को गुरुवार को देश का नया सेना प्रमुख चुना। वह निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की जगह लेंगे। बाजवा 29 नवंबर को -शेष पृष्ठ आठ पर

एम्स में दूसरे दिन भी रहा सर्वर डाउन

नई दिल्ली (हि.स.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (दिल्ली एम्स) का सर्वर गुरुवार दूसरे दिन भी डाउन रहा। जिसके कारण अस्पताल की जरूरी सेवाएं मैनुअल मोड में संचालित करनी पड़ी। इस संबंध में दिल्ली एम्स ने आज एक बयान जारी कर कहा कि विभिन्न सरकारी एजेंसियां सर्वर डाउन होने के कारणों को समझने के लिए काम कर रही हैं। विशेषज्ञों की निगरानी में इस घटना की जांच की जा रही है साथ ही प्रयास किया जा रहा है कि डिजिटल रोगी देखभाल सेवाओं को जल्द से जल्द -शेष पृष्ठ आठ पर

नोटबंदी मामला : चिदंबरम का केंद्र पर आरोप

नई दिल्ली। वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने साल 2016 में मोदी सरकार द्वारा की गई नोटबंदी को गंभीर रूप से गलत निर्णय बताया है। उन्होंने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि केंद्र सरकार अपने आप मुद्रा नोटों से संबंधित कोई प्रस्ताव शुरू नहीं कर सकती है। यह केवल केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश पर हो सकता है। इस निर्णय लेने की प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान, केंद्र के 2016 के फैसले का विरोध करने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक चिदंबरम ने न्यायमूर्ति एस ए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ से कहा कि बैंक नोटों के मुद्दे को विनियमित करने का अधिकार पूरी तरह से भारतीय रिजर्व बैंक के पास है। केंद्र सरकार अपने आप कानूनी निविदा से संबंधित कोई भी प्रस्ताव शुरू नहीं -शेष पृष्ठ आठ पर

फीफा विश्व कप में जाकिर को निमंत्रण नहीं : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। इस्लाम धर्म के विवादास्पद प्रचारक जाकिर नाइक को फीफा विश्व कप 2022 में बुलाए जाने के मामले में विदेश मंत्रालय ने बयान दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा कि जाकिर नाइक के वांटेड होने का मुद्दा कतर के सामने उठाया गया है। इस मामले पर कतर ने भारत से कहा है कि विश्व कप में जाकिर नाइक को कोई निमंत्रण नहीं दिया गया है। वह आम आदमी के रूप में कतर पहुंचा है। -शेष पृष्ठ आठ पर

श्रद्धा हत्याकांड : लव जेहाद बताने पर बिफरे ओवैसी

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव का रण रोमांचक होता जा रहा है। भाजपा से लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से लेकर असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी यहां सक्रीय हो गई है। इस बीच ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर करारा हमला किया है। श्रद्धा हत्याकांड को लव जेहाद बताने पर आवैसी ने कहा है कि ये उनकी दीमागी बीमारी है। दरअसल, गुजरात में एक रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा था कि श्रद्धा की हत्या लव जेहाद के कारण कर दी गई। इस पर एक मीडिया हाउस से बात करते हुए आवैसी ने कहा कि भाजपा के लोग बकवास कर रहे हैं। वे इस मामले को मजहबी रंग देना चाह रहे हैं। उन्होंने -शेष पृष्ठ आठ पर

महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान पर महाभारत

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का एक बयान केंद्र सरकार के लिए मुसीबत बन गया है। कोश्यारी के बयान को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों *महाभारत* देखने को मिल रही है। पूरी कहानी जानने से पहले ये जान लीजिए कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने क्या कहा कि जिस वजह से उन्हें हटाने के लिए प्रत्येक राजनीतिक दल केंद्र से अपील कर रहा है। दरअसल, राज्यपाल ने डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को आज के युग का नया आदर्श बता दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई आपसे पूछता है कि आपका आदर्श कौन हैं? तो आपको उसे खोजने के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं है। वे आपको यहीं मिल जाएंगे।

राज्यपाल कोश्यारी ने कहा कि शिवाजी महाराज तो पुराने युग की बात हो गई, नए युग में आपको बाबासाहेब अंबेडकर से लेकर नितिन गडकरी तक आदर्श यहीं मिल जाएंगे। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कोश्यारी के बयान पर केंद्र से उन्हें वापस बुलाने की मांग करते हुए कहा कि इसे सहन नहीं किया जाएगा। भाजपा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी होगी और राज्यपाल को वापस बुलाना होगा। उन्होंने कहा कि कोश्यारी ने महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले के खिलाफ भी अपमानजनक बयान दिया था। पटोले ने दावा किया कि उसके नेता सुधांशु त्रिवेदी ने शिवाजी महाराज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के बयान पर एनसीपी के सीनियर नेता अजित पवार ने कहा कि महामहिम अगर राज्य की भावनाओं और महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज को -शेष पृष्ठ आठ पर

बेटी के कारण बिक रही बिसलेरी!

नई दिल्ली। जानेमाने उद्योगपति रमेश चौहान ने कहा कि वह अपने बोतलबंद पानी के कारोबार *बिसलेरी इंटरनेशनल* को बेचने के लिए खरीदार की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए टाटा कंज्यूमर समेत कई कंपनियों से बातचीत चल रही है। टाटा समूह की कंपनी ने भी शेयर बाजारों को सूचित किया है कि उसकी बिसलेरी इंटरनेशनल से बात चल रही है। देश में बोतलबंद पानी के कारोबार के अगुआ 82 वर्षीय उद्योगपति ने हालांकि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) के साथ 7,000 करोड़ रुपये में सौदे होने की खबरों का खारिज कर दिया। चौहान ने बिसलेरी को बेचने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, हां, हम बेच रहे हैं। समूह की कई संभावित खरीदारों से बात चल रही है। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या वह टाटा समूह की कंपनी को कारोबार बेच रहे हैं, इस पर चौहान ने कहा कि यह सही नहीं है... अभी -शेष पृष्ठ आठ पर

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के वक्तव्य पर महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई

-अजीत पवार व संजय राउत ने कहा- महाराष्ट्र का अपमान सहन नहीं किया जाएगा

मुंबई, (हि.स.)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री वसवराज बोम्मई के गुरुवार को जारी वक्तव्य पर महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। इस वक्तव्य पर विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा है कि महाराष्ट्र का अपमान किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। अजीत पवार ने पत्रकारों को बताया कि सांगली जिले के जत तहसील के गांवों पर दावा करने के बाद अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने सोलापुर जिले के अक्कलकोट पर भी दावा किया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री को तुरंत इस तरह के बयान देना बंद कर देना चाहिए। उनका यह बयान निंदनीय है। अजीत पवार ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से लोगों का ध्यान हटाने के लिए इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। अब केवल मुंबई की ही मांग करना बाकी है। अजीत पवार ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। साथ ही दोनों राज्यों को मिलकर कर्नाटक सीमा विवाद का निपटारा करने का प्रयास करना चाहिए। संजय राउत ने महाराष्ट्र -कर्नाटक सीमा विवाद पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री वसवराज बोम्मई के गुरुवार को जारी बयान की निंदा की है। वसवराज बोम्मई ने आज अपने ट्वीट में कहा है कि सोलापुर जिले में अक्कलकोट में रहने वाले कन्नड़भाषी बहुल गांव भी कर्नाटक में शामिल होना चाहते हैं। इससे एक दिन पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने सांगली जिले की जत तहसील के 40 गांवों पर कब्जा करने की बात की थी। राउत ने कहा कि यह राज्य सरकार की कमजोरी है, इसी वजह से जो चाहे उठ रहा है। राउत ने कहा कि राज्य में कमजोर सरकार की वजह से कोई महाराष्ट्र का उद्योग भगा कर ले जा रहा है और कोई गांव ले जाने की बात कर रहा है। लेकिन हम महाराष्ट्र के लिए लड़ना जारी रखेंगे।

मप्र में भारत जोड़ो यात्रा में परिवार के साथ प्रियंका गांधी वाड्रा भी हुईं शामिल

खंडवा, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा गुरुवार को सुबह करीब छह बजे खंडवा जिले के ग्राम बोरगांव बुजुर्ग से शुरू हुई। यात्रा में राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा भी कदम ताल करते हुए चल रही हैं। यात्रा में प्रियंका के बेटे रेहान और पति राबर्ट वाड्रा भी शामिल हैं। राजस्थान के उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी यात्रा में शामिल हुए हैं। भारत जोड़ो यात्रा का मध्य प्रदेश में गुरुवार को दूसरा दिन है। ग्राम बोरगांव बुजुर्ग से शुरू होकर यात्रा करीब आठ किलोमीटर चलकर सुबह आठ बजे ग्राम कुमठी पहुंची। यहां गुरुकृपा फैमिली रेस्टोरेंट पर राहुल गांधी समेत सभी लोगों ने चाय-नाश्ता किया। यहां हरदा जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं ने मंच लगाकर यात्रा का जोरदार स्वागत किया। यहां प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों से आए कलाकारों ने महात्मा गांधी की वेशभूषा में अपनी पारम्परिक प्रस्तुतियां देकर राहुल गांधी का स्वागत किया। इसके बाद यात्रा ग्राम रुस्तमपुर पहुंची, जहां ग्रामीणों ने राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा पर फूलों की वर्षा की। ग्राम रुस्तमपुर में राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने गांव से गुजरते हुए सड़क किनारे उन्हें देखने के लिए खड़ी मजदूर पेशा परिवार की बातचीत की।

उन्हें अपने काफिले के अंदर बुलाकर गले में हाथ डाल कर दोनों भाई बहनों ने उससे चर्चा की। यहां दोनों ने एक किशोर से मुलाकात करते हुए भविष्य के संबंध में उसके विचार जाने। इसके बाद दोनों कालेज में पढ़ने वाली प्रियंका राजपूत नामक युवती से मिले और भारत जोड़ो यात्रा का कार्ड दिया। युवती ने बताया कि मेरा नाम भी प्रियंका है, तो प्रियंका वाड्रा ने उससे हाथ भी मिलाया। इसके बाद रुस्तमपुर से जनता का अभिवादन करते हुए यात्रा आगे बढ़ी और ग्राम दुल्हार पहुंची। यहां यात्रा का विश्राम है, जहां यात्रा से जुड़े सभी लोग दोपहर का भोजन कर कुछ देर विश्राम करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा व अन्य वरिष्ठ नेता नेता टंट्या मामा के स्मारक पहुंचेंगे और पुष्प अर्पित करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय पीठ ने फाइल पढ़ने के बाद गोयल की नियुक्ति पर उड़े सवाल

अजय कुमार

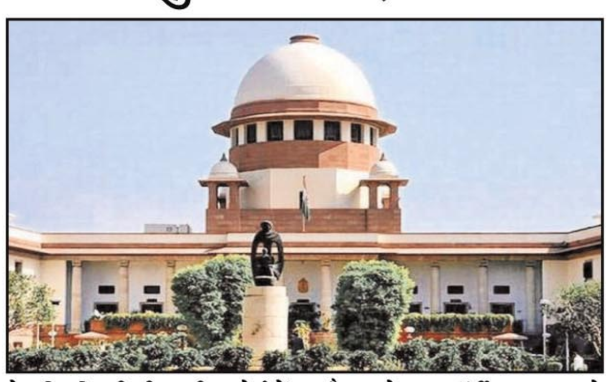

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को फिर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान केंद्र ने संविधान पीठ को अरुण गोयल की निर्वाचन आयुक्त पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया से संबंधित फाइल सौंपी। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय पीठ ने फाइल पढ़ने के बाद उनकी नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए। बेंच में जस्टिस अजय रस्तोगी अनिरुद्ध बोस ऋषिकेश राय और सीटी रविकुमार शामिल हैं। जस्टिस रस्तोगी ने केंद्र से इतनी तेज रफ्तार से गोयल की फाइल आगे बढ़ाने की वजह पूछी। उन्होंने पूछा कि 24 घंटे के भीतर कैसे जांच पड़ताल की गई? बता दें कि 3 दिन पहले ही भारत के नए चुनाव आयुक्त के तौर पर अरुण गोयल की नियुक्त हुई है। पंजाब कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी गोयल ने 18 नवंबर को उद्योग सचिव के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कर रही पीठ ने कहा चुनाव आयोग ने पद की रिक्ति की घोषणा 15 मई को की और गोयल की चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति वाली फाइल को बिजली की गति से मंजूरी दी गई। यह कैसा मूल्यांकन है। हम ईसी गोयल की साख पर सवाल नहीं उठा रहे हैं बल्कि उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। इस पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि वह सभी बातों का जवाब देने को तैयार हैं लेकिन अदालत उनसे बोलने का मौका दे। अटॉर्नी जनरल ने संविधान पीठ से कहा कि विधि और न्याय मंत्रालय ही संभावित उम्मीदवारों की सूची बनाता है फिर उनमें से सबसे उपयुक्त का चुनाव होता है। इसमें प्रधानमंत्री की भी भूमिका होती है। इसके पहले जस्टिस जोसेफ की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अटार्नी जनरल वेंकटरमणी से कहा था हम देखना चाहते हैं कि नियुक्ति कैसे हुई? किस प्रक्रिया का पालन किया गया।

श्रद्धा हत्याकांड: आफताब को 104 डिग्री बुखार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। देश भर में चर्चित श्रद्धा हत्याकांड के आरोपी आफताब अमीन को 104 डिग्री बुखार हो गया है। आफताब को तेज बुखार आने पर अब इसका कोविड टेस्ट भी कराने की बात कही जा रही है ताकि पॉलिग्राफ मेडिकल रिव्यू और फिर नार्को टेस्ट के दौरान कोई अन्य एक्सपर्ट इसकी वजह से परेशानी में ना आ जाएं। आरोपी को तेज बुखार होने से साउथ दिल्ली की महरौली थाना पुलिस उसे रोहिणी एफएसएल में पॉलिग्राफ टेस्ट कराने नहीं ले गई। अब अगर आज आफताब की तबीयत सही रही और इसकी कोरोना रिपोर्ट भी नेगेटिव आ गई। तब ही इसका गुरुवार को पॉलिग्राफ टेस्ट किया जा सकेगा वरना यह अगले कुछ दिनों के लिए टल सकता है सूत्रों का कहना है कि मंगलवार को ही आफताब की तबीयत खराब होने लगी थी। इसे रोहिणी फॉरेंसिक लैब में दोपहर करीब 3 बजे ले जाया गया था जहां से देर रात करीब 10 बजे इसे वापस लाया गया। इस दौरान इसे हलका बुखार होने लगा था। पुलिस हिरासत में जाने के बाद रात को इसका बुखार और तेज हो गया। सुबह होते-होते इसे 104 डिग्री फीवर चढ़ गया। 12 नवंबर को इसकी गिरफ्तारी होने से 22 नवंबर की रात करीब 12 बजे तक इससे लगातार पूछताछ की जा रही है। 24 घंटे में इसे जरूरी आराम ना मिलने की वजह से इसके बीमार होने का कारण हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि आफताब के तेज बुखार देख पुलिस से इसका कोरोना टेस्ट भी कराने के लिए कहा जा रहा है। इसे खांसी भी है। ऐसे में अगर आफताब की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई तो फिर इसका पॉलिग्राफ और नार्को टेस्ट कुछ दिनों के लिए टल सकता है। गुरुवार को इसकी तबीयत सही रही।

जैकलीन फर्नांडीज से जुड़े मामले की सुनवाई टली, 12 दिसबंर को होगी सुनवाई

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई होनी थी मगर मामला टल गया। गुरुवार को कोर्ट में जैकलीन के खिलाफ आरोप तय करने पर बहस नहीं हुई। पटियाला हाउस कोर्ट ने 12 दिसंबर के लिए सुनवाई टाल दी है। सुनवाई के लिए जैकलीन कोर्ट में पहुंचीं थीं। बता दें कि बीते दिनों अदालत ने जैकलीन फर्नांडीज को ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में नियमित जमानत दे दी थी। अभिनेत्री जैकलीन के खिलाफ दाखिल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने मामले की सुनवाई 12 दिसंबर तक के लिए टाल दी। हालांकि इस मामले में आरोपी पिंकी ईरानी ने विदेश जाने के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। वहीं इसी मामले में बी मोहन राज ने जमानत अर्जी दाखिल की है। पटियाला हाउस कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी किया है। विशेष न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने फर्नांडीज को इस शर्त पर जमानत दी थी कि आरोपी अदालत की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ेगी। अदालत ने साथ ही अभिनेत्री को ईडी द्वारा कहे जाने पर जांच में शामिल होने का निर्देश भी दिया था। न्यायाधीश ने अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को यह राहत दो लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर दी। जैकलीन के वकील ने कहा मुझसे केस के समय इस्तेमाल होने वाले फोन के बारे में पूछा गया मैंने वहां फोन दिया। मुझे यह बिल्कुल नहीं पता था कि मैं जिससे फोन पर बात कर रही थी वह आदमी लगातार मुझे बेवकूफ बना रहा है। मैंने जांच एजेंसी को लगातार सहयोग किया है।

मतदान का अधिकार वैधानिक अधिकार: चुनाव आयोग

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। देश के उच्चतम न्यायालय के जज जस्टिस केएम जोसेफ भारत के चुनाव आयोग के वकील से असहमत थे जिन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार एक वैधानिक अधिकार है न कि संवैधानिक अधिकार। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति जोसेफ न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी अनिरुद्ध बोस हृषिकेश रॉय और सी टी रविकुमार की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष वकील ने प्रस्तुत किया कि मतदान का अधिकार एक वैधानिक अधिकार है न्यायमूर्ति जोसेफ ने वकील से पूछा संविधान के अनुच्छेद 326 के बारे में आप क्या कहते हैं? उन्होंने वकील से कोर्ट रूम में अनुच्छेद 326 पढ़ने को कहा।

अनुच्छेद 326 कहता है: लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे- लोक सभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे लेकिन कहने का मतलब यह है कि प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और जिसकी आयु इक्कीस वर्ष से कम नहीं है उस तारीख को जो उपयुक्त विधायिका द्वारा या उसके द्वारा बनाई गई किसी भी कानून के तहत तय की जा सकती है और अन्यथा इस संविधान या गैर के आधार पर उपयुक्त विधानमंडल द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के तहत अयोग्य नहीं है- निवास अस्वस्थता अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण ऐसे किसी भी चुनाव में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा। न्यायमूर्ति जोसेफ ने कहा कि यह कहा गया है कि ऐसे किसी भी चुनाव में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा।

संकट में है गुजरात के बच्चों का भविष्य : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि गुजरात में बच्चों का भविष्य संकट में है। कम वजन वाले बच्चों में गुजरात 30 राज्यों में 29वें स्थान पर है। गुजरात शिशु मृत्यु दर में 19वें स्थान पर है। इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी को जवाब देना चाहिए। खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि पीएम मोदी हमेशा कांग्रेस से सवाल पूछते रहते हैं और कोसते रहते हैं लेकिन वह गुजरात के 27 वर्ष के कुशासन पर कुछ नहीं बोलते हैं। अब गुजरात के लोग पीएम मोदी से जवाब मांग रहे हैं। कांग्रेस की ओर से एक अन्य ट्वीट में कहा गया कि गुजरात में कांग्रेस की सरकार आने के बाद आदिवासियों के हितों के लिए विशेषरूप से काम किया जाएगा। वहां सरकार बनने के बाद भूरिया समिति की रिपोर्ट लागू होगी। संविधान की 5वीं अनुसूची का कार्यान्वयन के साथ वन भूमि पर आदिवासियों के अधिकार के लिए काम किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गुजरात विधानसभा के 182 सीटों के लिए दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण में 89 सीटों पर एक दिसंबर और दूसरे चरण में 93 सीटों पर पांच दिसंबर को मतदान होगा और आठ दिसंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

अपने पद पर नहीं बने रहना चाहते कोश्यारी: पवार

-बोले-क्या कोश्यारी जानबूझकर विवादास्पद बयान दे रहे हैं

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी यहां अपने पद पर नहीं बने रहना चाहते हैं। यह दावा किया है विपक्ष के नेता अजित पवार ने। पवार ने कहा उन्होंने खुद मुझसे कहा था कि उन्हें अब महाराष्ट्र में बने रहने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह अपने पद से मुक्त होना चाहते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज पर राज्यपाल की हालिया टिप्पणी पर एक बार फिर भौंहें चढ़ाते हुए पवार ने आश्चर्य जताया कि क्या कोश्यारी जानबूझकर इस तरह के विवादास्पद बयान दे रहे हैं ताकि केंद्र को उन्हें इस राज्य से स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया जा सके। पवार ने कहा मैंने उनसे (कोश्यारी) कहा कि उन्हें बस अपने वरिष्ठों से उन्हें कोई और पोस्टिंग देने का अनुरोध करना चाहिए। राज्यपाल को सितंबर 2019 में राज्य में नियुक्त किया गया था। 80 वर्षीय कोश्यारी पर पिछले सप्ताह बयान की वजह से पूरे राज्य का गुस्सा फूट गया था। उन्होंने कहा था- छत्रपति शिवाजी महाराज पुराने युग के प्रतीक थे और स्वर्गीय डॉ. बी. आर. अम्बेडकर या केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जैसे व्यक्ति आधुनिक समय के प्रतीक हैं। छत्रपति उदयनराजे भोसले ने सीधे तौर पर राज्यपाल पर हमला किया उन्हें तृतीय श्रेणी का व्यक्ति कहा जो अपने बयानों के लिए राज्य से बाहर या वृद्धाश्रम में जाने के योग्य है सोमवार से राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। पिछले तीन वर्षों में कई मौकों पर राज्यपाल महात्मा ज्योतिराव फुले पर बयानों राज्य के विकास में मारवाड़ी-गुजराती समुदायों के योगदान कई मौकों पर तत्कालीन महा विकास अघाड़ी सरकार को घेरते रहे हैं। राज्यपाल के बयानों पर सभी राजनीतिक दलों - भाजपा-बालासाहेबंची शिवसेना के सत्तारूढ़ गठबंधन विपक्षी कांग्रेस राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शिवसेना-यूबीटी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रत्यक्ष वंशज मराठिया ब्रिगेड जिजाऊ ब्रिगेड आदि जैसे संगठनों से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने आटा-दाल स्कीम में 5 करोड़ के घोटाले का पदार्फाश किया

- विजिलेंस ब्यूरो ने दर्ज की एफआईआर आरोपी फरार

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो (वीबी) ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम के अंतर्गत आटा-दाल स्कीम में 5 करोड़ रुपए के घोटाले का पदार्फाश किया है। इस कथित घोटाले में वीबी ने पंजाब राज्य सिविल सप्लाई कारपोरेशन लिमिटेड के जनरल मैनेजर नवीन कुमार गर्ग के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि इस घपले के बारे में ब्यूरो ने जांच में पाया कि साल 2015-16 में आटा दाल स्कीम के अधीन आटा-दाल के वितरण के समय नवीन कुमार ने सरकारी खजाने को 5 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान पहुंचाया है। उसने इस स्कीम के अंतर्गत यूको बैंक के खाते में 437498681 रुपए जमा करवाने के बजाय सिर्फ. 383888711 रुपए ही जमा करवाए। इस तरह आरोपी ने पनसप के अन्य कर्मचारियों के साथ सांठगांठ करके 53609970 रुपए का गबन किया है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने कहा कि दोषी नवीन ने पनसप में अपने कार्यकाल के दौरान पंजाब के निर्धारित सेवा नियमों को अनदेखा करते हुए विभाग के अलग-अलग कर्मचारियों की चार्जशीट रफा-दफा की जिससे राज्य सरकार को 646436854 रुपए का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि पड़ताल के दौरान यह बात भी सामने आई है कि नवीन कुमार के पास पनसप के मैनेजर के तौर पर चुने जाने के लिए अपेक्षित योग्यता और तजुर्बा भी नहीं था परंतु फिर भी वह मैनेजर के तौर पर चुने जाने में सफल रहा जबकि बाकी उम्मीदवारों को अयोग्य करार दे दिया गया। इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो की तरफ से विजिलेंस ब्यूरो थाना एसएएस नगर में आईपीसी की धारा 409 420 465 468 471 और भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 13(1) (ए) और 13(2) के अंतर्गत केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि इस मामले की आगे जांच जारी है और उक्त आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीमें भेज दी गई हैं।

भारत ने बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण करके कामयाबी हासिल की

- मिसाइल का परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा और यह विभिन्न मानकों पर खरी उतरी

- मिसाइल की 3500 किमी. रेंज में है पूरा पाकिस्तान और चीन का लगभग आधा हिस्सा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ने बुधवार को ओडिशा के तट से दूर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण करके अपनी मिसाइल शक्ति और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र में एक और कामयाबी हासिल की है। मिसाइल का परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा और यह विभिन्न मानकों पर खरी उतरी। अग्नि-3 बैलिस्टिक मिसाइल 3500 किलोमीटर दूर तक दुश्मनों के ठिकानों पर सटीक निशाना लगाकर उसे तबाह करने की ताकत रखती है। इसकी जद में पूरा पाकिस्तान और चीन का लगभग आधा हिस्सा आता है। रक्षा मंत्रालय ने देर रात एक बयान में खुलासा किया कि इंटरमीडिएट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि -3 का सफल प्रक्षेपण किया गया है। यह सामरिक बल कमांड के तत्वावधान में किए गए नियमित उपयोगकर्ता प्रशिक्षण का हिस्सा था। मिसाइल का प्रक्षेपण पूर्व निर्धारित सीमा के लिए किया गया था और सिस्टम के सभी परिचालन मापदंडों को मान्य किया गया। सफलतापूर्वक किया गया यह टेस्ट भारत के रूटीन यूजर ट्रेनिंग लॉन्च को स्ट्रेटेजिक फोर्सेस कमांड के निर्देशन में किया गया। परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अग्नि-3 मिसाइल की लंबाई 17 मीटर और व्यास 2 मीटर है। इतना ही नहीं, यह मिसाइल एक सेकेंड में पांच किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय ने बयान में यह भी कहा कि मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 को 2011 में अग्नि-2 के उत्तराधिकारी के रूप में सेवा में शामिल किया गया था। अग्नि-3 की मारक क्षमता 3,000 से 5,000 किलोमीटर तक है। फायर के बाद यह मिसाइल पाकिस्तान और चीन सहित कई पड़ोसी देशों के अंदर तक जाकर टारगेट को हिट कर सकती है। अग्नि-3 दो चरणों वाली बैलिस्टिक मिसाइल है, जो परमाणु हमला करने में सक्षम है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने डिजाइन किया है। यह मिसाइल सॉफिस्टिकेटेड नेविगेशन, ऑनबोर्ड कंप्यूटर सिस्टम और गाइडेंस एवं कंट्रोल सिस्टम्स से लैस है। भारत ने करीब 10 साल के फासले में अपनी ताकत अग्नि-1 मिसाइल से अग्नि-5 मिसाइल तक पहुंचा दी है। 2002 में सफल परीक्षण की रेखा पार करने वाली अग्नि-1 मध्यम रेंज की बालिस्टिक मिसाइल थी। इसकी मारक क्षमता 700 किलोमीटर थी और इससे 1000 किलो तक के परमाणु हथियार ढोए जा सकते थे। फिर इसके बाद अग्नि-2, अग्नि-3 और अग्नि-4 मिसाइलें आईं। ये तीनों इंटरमीडिएट रेंज की बालिस्टिक मिसाइलें हैं। इनकी मारक क्षमता 2000 से 3500 किलोमीटर है। अब भारत अग्नि-5 का उपयोगकर्ता परीक्षण कर रहा है। अग्नि-5 का पांचवां विकास परीक्षण 3 जून, 2018 को प्रातः 9 बजकर 48 मिनट पर किया गया था।

विकास की नई ऊंचाईयों को छू रहा बुन्देलखण्ड : योगी

-माफियाओं से मुक्त हुआ बुन्देलखण्ड : योगी आदित्यनाथ

झांसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी में विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास के बाद बोलते हुए कहा कि बुन्देलखण्ड माफियाओं से मुक्त हुआ है। आज बुन्देलखण्ड विकास की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि बुन्देखण्ड कभी अराजकता व प्राकृतिक संसाधनों पर लूट के लिए जाना जाता था। प्राकृतिक संसाधनों से युक्त होने के बावजूद बुन्देलखण्ड की खराब तस्वीर देश के सामने पेश की जाती थी। मुख्यमंत्री ने झांसी की 328 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास के बाद प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुन्देलखण्ड जल के लिए तरसता था। भारत सरकार के जल जीवन मिशन योजना के माध्यम से हम बुन्देलखण्ड के हर गांव व हर घर में जल पहुंचाने के नजदीक पहुंच गये हैं। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति से बीमारियों से भी निजात मिलेगी। बहन-बेटियों को जल लेने के लिए घर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बुन्देलखण्ड में डिफेंस कारिडोर बन रहा है। बुन्देलखण्ड की तस्वीर बदलती जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुन्देलखण्ड माफियाओं से मुक्त हुआ है। वर्ष 2017 से पहले माफिया गरीबों व व्यापारियों के लिए संकट बने हुए थे। माफिया गरीबों की संपत्ति पर कब्जा कर लेते थे व्यापारियों की संपत्ति हड़प लेते थे। किसी माफिया ने अगर किसी गरीब या सरकारी जमीन को कब्जा किया होगा अगर अब तक खाली नहीं हुआ है तो वह खाली कराई जायेगी। पहले माफिया व अपराधी पुलिस पर हावी थे। वह पुलिस को परेशान करते थे आज वही पुलिस माफियाओं पर काल बन कर टूट रही है।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर छात्रों ने बीएचयू केन्द्रीय कार्यालय का घेराव किया

– शोध प्रवेश परीक्षा में हुए धांधली के समाधान तक कोई नया परीक्षा न लिए जाने की मांग

वाराणसी, (हि.स.)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के केन्द्रीय कार्यालय के बाहर पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। केन्द्रीय कार्यालय का घेराव कर छात्रों ने कहा कि पिछले दिनों शोध प्रवेश परीक्षा में हुए धांधली के समाधान तक कोई नया परीक्षा न लिया जाए। पीएचडी प्रवेश (बीएचयू रेट) को लेकर जारी हुए नए नोटिफिकेशन को तत्काल स्थगित किया जाये। छात्रों ने प्रवेश परीक्षा में धांधली करने वाले लोगों को पदमुक्त करने की मांग कर आरोप लगाया कि पीएचडी प्रवेश में धांधली कर कुछ लोग महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के मूल्यों को धूमिल कर अपने पद कर दुरुपयोग कर रहे हैं। घेराव में शामिल विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व छात्र बीते जुलाई माह 2022 से पीएचडी प्रवेश में धांधली का आरोप लगाकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन रत छात्रों के आरोपों की जांच के लिए विवि प्रशासन ने एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बना दी है। फिलहाल, कमेटी की रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। ऐसे में छात्रों का आरोप है कि चार विभाग एआईसी, सोशियोलॉजी, भूगोल और हिंदी विभाग की विज्ञप्ति आई हैं। इनकी प्रक्रिया रोककर हमें पहले शोध छात्रों के तौर पर इनरोल किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी के आगमन के पूर्व पुलिस का बुनिमो के अध्यक्ष के घर पहरा

-एक अन्य कार्यकर्ता को किया हाउस अरेस्ट

झांसी, (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के झांसी आगमन से पहले बुन्देलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय व मोर्चा के अन्य पदाधिकारियों के घर पर पुलिस का पहरा बैठा दिया गया है। ताकि वह मुख्यमंत्री से मुलाकात न कर सके। जबकि भानू सहाय बीमार होने के कारण दिल्ली गए हुए हैं। यह जानकारी स्वयं भानू सहाय ने दी है। बुन्देलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय ने व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर बताया कि अवैध खनन, मेडिकल कालेज की कोबाल्ट मशीन की चोरी की जांच, रिक्त भर्तियां को भ्रष्टाचार मुक्त कराने, जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात करने का समय मांगा था। इससे पहले उन्हें समय मिलता और सीएम योगी आदित्यनाथ झांसी आते उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें इलाज के लिए दिल्ली जाना पड़ा। इसके बाबजूद उनके घर पर पुलिस कर्मियों को बैठा दिया गया। जबकि उनके परिवार के सदस्य लगातार उन्हें अवगत करा रहे हैं कि वह घर पर नहीं बल्कि दिल्ली में है। जहां वह इलाज कराने गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर प्रशासन अब तक बुन्देलखण्डियों हक पर डाका डालता रहेगा और उनके लिए संघर्षरत लोगों की आवाज का दमन करता रहेगा? उन्होंने बताया कि मोर्चा के एक अन्य योद्धा गोलू ठाकुर को हाउस अरेस्ट किया गया है।

मोतियाबिंद ऑपरेशन में लापरवाही करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

कानपुर, (हि.स.)। मोतियाबिंद ऑपरेशन करने के दौरान लापरवाही एवं सीमाओं को बगैर सूचना के मामले में दो डॉक्टरों के विरूद्ध बर्रा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। डीसीपी साउथ प्रमोद कुमार ने बताया कि बर्रा बाईपास चौराहे के पास स्थित आराध्या आई हॉस्पिटल है। जिसके संचालक नीरज गुप्ता हैं। वह अपने अस्पताल में 2 से 6 नवंबर के बीच राजाराम कुरील, रमेश कश्यप, नन्ही उर्फ मुन्नी, सुल्ताना, शेर सिंह और रामादेवी समेत छह मरीजों के आंख का ऑपरेशन किया था। सभी पीड़ित शिवराजपुर के सुधरदेवा गांव निवासी हैं। उत्तरी गांव का रहने वाला दुर्गेश शुक्ला ने उक्त सभी मरीजों को यह कहकर लाया था कि आंख के ऑपरेशन करने के लिए निःशुल्क सरकारी शिविर लग रहा है। उसके झांसे में आकर सभी पीड़ित हॉस्पिटल में ऑपरेशन कराया। लेकिन ऑपरेशन के बाद छह में चार मरीजों की आंख की रोशनी ही चली गई। मामला प्रकाश में आने के बाद मुख्य चिकित्साधिकारी आलोक रंजन ने कमेटी बनाकर जांच का आदेश दिया था। जांच कमेटी की रिपोर्ट में आराध्या हॉस्पिटल की अस्पताल की घोर लापरवाही सामने आई है। इसके बाद जांच कमेटी में शामिल डॉ. एसके सिंह की तहरीर पर बर्रा पुलिस ने आराध्या हॉस्पिटल के संचालक और मरीज लाने वाले दलाल दुर्गेश के विरूद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। मोतियाबिंद ऑपरेशन करने बाद आराध्या अस्पताल के चिकित्सकों ने मरीजों की देखरेख में लापरवाही की। ऑपरेशन करने के बाद किस मरीज को क्या समस्या आई, उन्हें क्यों परेशानी बढ़ गई। मरीज तड़पते रहे और अपना पल्ला झाड़ के बगल हो गए। पुलिस के अनुसार आईपीसी की धारा 338 और 149 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। उक्त दोनों धारा ऐसी है जिसमें न्यायालय आजीवन कारावास या फिर इससे अधिक के दण्ड से दण्डित कर सकता है।

प्रियंका ने फर्जी कार्ड पहले बनाया, फिर इंटरव्यू को बुलाया : अनिन्द्य चौधरी

लखनऊ, (हि. स.)। इनकम टैक्स विभाग के जनसंपर्क अधिकारी अनिन्द्य चौधरी ने पहली बार प्रियंका को नौकरी बांटते हुए पकड़ा और इसके बाद पुलिस को सूचना दी। अनिन्द्य चौधरी से हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि महिला ने बेरोजगार लोगों को इंटरव्यू के लिए प्रत्यक्षकर भवन बुलायी थी। प्रियंका ने पहले फर्जी कार्ड बनाया और इसके बाद इंटरव्यू को बुलाया। अनिन्द्य चौधरी ने बताया कि महिला ने जो कार्ड बनाये थे, बेरोजगार लोगों ने उसे ही दिखाकर भवन में प्रवेश किया। कार्ड के कारण ही सुरक्षा व्यवस्था को आसानी से धोखा दे गये। जब उन्होंने महिला को पकड़ा तो उसने कोई जवाब स्पष्ट रूप से नहीं दिया। उन्होंने प्रत्यक्ष कर भवन के मुख्य द्वार पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई, जिसमें यह सामने आया है कि वह महिला वाहन में बैठकर अंदर आया करती थी। वाहन के चालक द्वारा सुरक्षाकर्मियों से वार्ता के बाद महिला की कार आसानी से अंदर आ जाती थी। बताया कि महिला प्रियंका ने गिल साहब की मोहर बनवा रखी थी। मोहर गोल थी और इसी से उस पर शक गहरा गया। उल्लेखनीय है कि इनकम टैक्स विभाग में नौकरी के नाम पर बेरोजगारों को झांसा की घटना होने के तुरंत बाद ही प्रत्यक्ष कर भवन के मुख्य गेट पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। गुरुवार को सुबह के वक्त सुरक्षा में तैनात कर्मचारी चाक-चौबंद दिखलाये पड़े। आने जाने वाले लोगों व वाहनों की जांच की जा रही है।

6 वर्ष पहले नोएडा में फ्रॉड किया, फिर लखनऊ में आजमाया हाथ

लखनऊ, (हि.स.)। इनकम टैक्स विभाग में बेरोजगारों को फर्जी तरीके से नौकरी दिलाने वाली प्रियंका मिश्रा के नाम छह वर्ष पहले भी एक बार सुर्खियों में आया था। छह वर्ष पहले नोएडा में प्रियंका मिश्रा ने फ्रॉड किया था और फिर लखनऊ में हाथ आजमाते हुए प्रियंका की गिरफ्तारी हुई। हजरतगंज थाने में इनकम टैक्स विभाग के जनसम्पर्क अधिकारी की तहरीर पर मुकदमा लिखे जाने के बाद पुलिस अधिकारियों की ओर से प्रियंका मिश्रा से लगातार प्रश्न किये जा रहे हैं। पुलिस की जांच में एक के बाद एक खुलासे भी हो रहे हैं। नोएडा में वर्ष 2016-17 में संविदा पर कार्यरत रहते हुए प्रियंका मिश्रा ने आईएएस की परीक्षा पास होने की घोषणा की थी और उस वक्त प्रियंका ने इनकम टैक्स विभाग के कर्मचारियों में मिठाई भी बांटी थी। उसी वर्ष प्रियंका ने मौका देखकर कुछ बेरोजगार युवकों को नोएडा में नौकरी दी और उनसे लाखों रुपये ऐंठ लिये थे। डीसीपी मध्य अपर्णा कौशिक और उनकी टीम के कड़ी पूछताछ में सामने आया कि वह बेरोजगारों को अपने जाल में फंसाने के लिए मित्रों, रिश्तेदारों को माध्यम बनाती रही है। बेरोजगार युवकों से रुपये ऐंठने के बाद उसे विभिन्न खातों में रखा करती थी और इसकी जानकारी सिर्फ प्रियंका मिश्रा को ही होती थी। प्रियंका मिश्रा से रुपये वापस लेने के लिए बेरोजगार लोगों ने पुलिस अधिकारियों से गुहार लगायी है। जिससे उनसे झांसा देकर लिये गये रुपये उन्हें वापस मिल सके। बेरोजगार लोगों ने नौकरी के लालच में लाखों रुपये प्रियंका को दिये हैं।

अजय देवगन पहुंचे वाराणसी, रामनगर दुर्ग में करेंगे फिल्म की शूटिंग

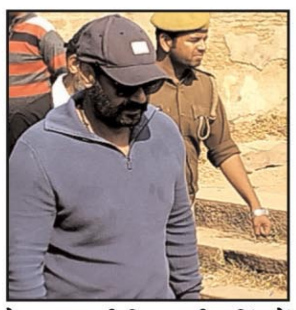

वाराणसी, (हि.स.)। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अजय देवगन गुरूवार को वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पर निजी विमान से पहुंचे अजय देवगन का स्वागत किया गया। एयरपोर्ट से कड़ी सुरक्षा के बीच वाहनों के काफिले में अजय देवगन शहर में आये। अजय देवगन को देखने के लिए युवाओं में उत्साह रहा। निजी बांउसरों (सुरक्षा कर्मी) से घिरे फिल्म अभिनेता चेतसिंहघाट से गंगा में मोटर बोट के जरिये रामनगर दुर्ग पहुंचे। दुर्ग में अजय देवगन अपनी फिल्म की शूटिंग में भाग लेंगे। 'फिल्म भोला' का टीजर एक दिन पहले ही जारी किया गया है। इस फिल्म का टीजर जारी होने के बाद से ही दर्शक फिल्म को लेकर उत्सुक दिख रहे है। माना जा रहा है कि अपनी इस फिल्म की सफलता के लिए अजय देवगन बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन भी कर सकते हैं। अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'भोला' साउथ फिल्म 'कैथी' का ही हिंदी रीमेक है। सोशल मीडिया पर तमिल मूवी 'कैथी' की खूब चर्चा हो रही है। अजय देवगन की 'भोला' को लेकर दर्शक एक्साइटेड भी नजर आ रहे हैं। फिल्म भोला को अजय देवगन ही निर्देशन और प्रोड्यूस कर रहे हैं, फिल्म 30 मार्च 2023 को रिलीज होगी।

अखिलेश यादव से मिलना बसपा के चार नेताओं को पड़ा भारी, पार्टी से निष्कासित

लखनऊ/इटावा, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से इटावा में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के चार पदाधिकारियों को मिलना भारी पड़ गया। बसपा प्रमुख मायावती के निर्देश पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते पूर्व जिलाध्यक्ष समेत चार पदाधिकारियों को निष्कासित कर दिया गया है। मैनपुरी लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए पांच दिसंबर को मतदान होना है। चुनाव प्रचार के बीच अखिलेश यादव से बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जसवंत नगर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बी.पी. सिंह, जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष विद्या प्रकाश निगम, इटावा मंडल इंचार्ज रविंद्र सिंह सोनू और जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र के सचिव नगेन्द्र जाटव ने मुलाकात की। सपा अध्यक्ष के साथ मुलाकात की बसपा पदाधिकारियों की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसका संज्ञान लेते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने चारों पदाधिकारियों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते निष्कासित करने का आदेश दिया। इटावा के बसपा जिलाध्यक्ष मनोज दोहरे ने चारों नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया।

झारखंड विधानसभा के 22वें स्थापना पर 24 छात्र चला रहे सदन

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के 22वें स्थापना दिवस के तीसरे दिन गुरुवार को विधानसभा में छात्र संसद का आयोजन किया गया। विधानसभा के सेंट्रल हॉल में सदन का प्रारूप तैयार किया गया। राज्य के विभिन्न कॉलेजों से चुने हुए 24 छात्र-छात्राएं सदन के अंदर स्पीकर, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सत्ता पक्ष व विपक्ष के विधायक की भूमिका में नजर आए। मरियम खलखो स्पीकर और गीता श्रेया स्पीकर की भूमिका में थीं। छात्र संसद की कार्यवाही शुरू होने के बाद प्रोटेम स्पीकर का प्रारंभिक वक्तव्य हुआ। विधायक बने छात्रों ने शपथ ग्रहण किया। सड़क सुरक्षा विषय पर सदस्यों ने अल्पसूचित और तारांकित प्रश्न के तहत अपने सवाल सदन में रखा। मंत्री बने छात्रों ने उन सवालों का जवाब दिया। जवाब मिलने के बाद पूरक प्रश्न भी पूछा गया। सदन में विधेयक भी रखा जायेगा, जिसपर छात्र चर्चा करेंगे और उसे पारित कराया जाएगा। छात्र संसद में जज की भूमिका में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो, विधायक सीपी सिंह, स्टफिन मरांडी, दीपिका पांडे सिंह और अमित मंडल हैं। सदन की कार्यवाही पूरी होने के बाद विजेता की घोषणा की जाएगी।

दिल्ली में साइबर ठगी के दो आरोपित जमशेदपुर से गिरफ्तार

रांची, (हि.स.)। दिल्ली की शहदरा साइबर थाना पुलिस ने इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने का झांसा देकर ठगी करने वाले आरोपितों को जमशेदपुर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों में प्रदीप कुमार और मोहम्मद रिजवान शामिल हैं। रिजवान बार और कैफे चलाता है जबकि प्रदीप एक बार में बार टेंडर की नौकरी करता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन की तो पता चला कि जिस खाते में रुपये भेजे गये हैं, वह जमशेदपुर में किसी प्रदीप कुमार के नाम पर है। इस खाते का मो. रिजवान इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद पुलिस दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के पास तीन मोबाइल फोन, चार सिमकार्ड और छह डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। बैंक खातों की डिटेल से पता चला कि आरोपितों ने पिछले कुछ समय में 30 लाख की ठगी कर ली है। आरोपित खुद को जियो कंपनी का कस्टमर केयर अधिकारी बताकर पीड़ितों को एक नंबर डॉयल करने के लिए कहते थे। इसके बाद पीड़ितों का व्हाट्सएप हैक हो जाता था। बाद में आरोपित उनके करीबियों से मदद के बहाने रुपये ले लिया करते थे। पीड़ित के करीबियों को लगता था कि उनका रिश्तेदार मुसीबत में है। उल्लेखनीय है कि शहदरा निवासी एक महिला कारोबारी ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

बेटा और भाई बन सेवा कर चुकाऊंगा नवादा वासियों का कर्ज : चंदन

नवादा, (हि. स.)। सांसद चंदन सिंह ने नगर के व्यवसायियों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्यायें सुनी और उसके निपटारे का आश्वासन दिया। नगर के कारू साहू सदन में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शहर के व्यवसायी संघ के सदस्यों अलावा सामाजिक कार्यकताओं की भी मौजूदगी रही। अध्यक्षता रवि गुप्ता ने की। इस दौरान कुछ मांगें भी सांसद के समक्ष रखी गई। जिसमें व्यवसायियों को सुरक्षा मुहैया कराने, शहर की जर्जर सड़कों को बनवाने, नगर के वार्ड नंबर 9 में दुर्घटना की आशंका को देखते हुए अंबिका प्रसाद के घर के पास के ट्रांसफार्मर को दूसरे जगह शिफ्ट कराने, खुरी नदी की साफ़सफाई कराने, शहर के नालों को बनवाने और पानी निकासी का प्रबंध कराने, हरिशचंद्र स्टेडियम में खेल की व्यवस्था को सुद्दढ़ कराने और गैलरी का निर्माण कराने, नवादा के प्रसिद्ध शिव मंदिर शोभपर की चहारदीवारी करवान आदि प्रमुख रूप से शामिल था। शशि भूषण सिंह अधिवक्ता ने जन समस्याओं को रखकर निपटारे की मांग की। प्रसिद्ध चिकित्सक व पूर्व सिविल सर्जन डॉ विमल कुमार सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा आदि व्यवस्था की मजबूती जरूरी है ताकि हमारा समाज समृद्ध बन पाए। आयोजन में डॉ विमल प्रसाद सिंह, आरपी साहू, शशि भूषण कुमार अधिवक्ता, अजय कुमार, सत्येंद्र यादव, समाजसेवी रश्मि गुप्ता साहू, सुधीर कुमार, मनोज कुमार गुप्ता, शिवकुमार प्रसाद, नित्यानंद प्रसाद सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

इसके पूर्व कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। सांसद ने उपस्थितजनों का अभिवादन किया और कहा कि हर सुख दुख में हम आपके साथ खड़े हैं। कहा कि जो भी समस्या है, उसे दूर करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आपसबों के भरोसे को टूटने नहीं दिया जाएगा। व्यवसायियों की ओर से कई लोगों ने अपनी बातें रखी।

गृहस्वामी को बंधक बना दो घरों से लाखों की लूट, घटना की तहकीकात में जुटी पुलिस

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव के दो अलग-अलग घरों में लुटेरों ने गृहस्वामी समेत परिवार के अन्य सदस्यों को बंधक बनाकर लाखों रुपये मूल्य के जेवरात समेत नकदी की लूट ली। गुरुवार को ग्रामीणों ने जब शंका के आधार पर घर का किवाड़ खोल कर अंदर प्रवेश किए तो सभी हाथ पैर बंधे लोगों को मुक्त कराया। इसके बाद थाना आकर इस लूट की प्राथमिकी दर्ज कराई। घटना को लेकर पीड़ित दोनों गृहस्वामी के द्वारा कौआकोल थाना में लिखित अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसके आलोक में पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले के अनुसंधान में जुट गई है। बुधवार की देर रात्रि बाजितपुर निवासी शिक्षिका लवली आनन्द,पति-परमानन्द के घर से 8 भर सोना एवं डेढ़ किलो चांदी समेत 10 हजार रुपये की नकदी पर अज्ञात लुटेरों ने हाथ पैर बांधकर लूट लिया। वहीं दूसरी ओर इसी गांव के सुबोध यादव के घर 4 भर सोना,10 ग्राम चांदी लुटेरों द्वारा हाथ पैर बांधकर लूट ली। किवाड़ सटाकर लुटेरे चलते बने। घटना के बावत शिक्षिका का पति परमानन्द ने बताया कि जब वे लोग अपने घर में सोए हुए थे,अज्ञात लुटेरे द्वारा उनलोगों के सभी परिजनों को हाथ पैर बांध दिया गया। कमरे का दरवाजा बाहर से बन्द कर लुटेरों ने घटना को अंजाम दिया। प्रभारी थानाध्यक्ष राजीव कुमार पटेल ने कहा कि घटना के बाद पुलिस अनुसंधान में जुट गई है। पुलिस दो बार घटनास्थल पर पहुंचकर हर विंदु से जांच शुरू कर रही है।

बेगूसराय में उत्पाद विभाग की टीम पर हमला, एक कारोबारी फरार

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय में अपराधी के साथ-साथ नशा के कारोबारी भी बेखौफ हो गए हैं। यहां कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पहुंची उत्पाद पुलिस पर भी हमला हो रहा है। ताजा मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सूजा भर्रा राज मोहल्ले का है। जहां कि शराब कारोबार होने की सूचना पर छापेमारी करने पहुंची उत्पाद विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने ईंट पत्थर से हमला कर दिया। जिसमें उत्पाद विभाग का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया तथा कुछ कर्मियों को चोट भी लगी है। उत्पाद विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की रात उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सूजा भर्रा के वार्ड संख्या-आठ राज मोहल्ला में देशी-विदेशी शराब और ताड़ी की बिक्री की जाती है। सूचना मिलते ही उत्पाद विभाग की टीम पहुंची तथा प्रेम पासवान एवं डोरा पासवान को 15 लीटर ताड़ी के साथ पकड़ लिया लेकिन टीम जैसे ही दोनों आरोपी को लेकर आगे बढ़ी कि स्थानीय लोगों ने ईंट-पत्थर से उत्पाद विभाग की टीम पर हमला कर दिया। इस अफरातफरी के बीच प्रेम कुमार किसी तरह फरार हो गया, जबकि डोरा पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल उत्पाद विभाग की टीम हमला करने वाले लोगों की पहचान और कार्रवाई में जुटी हुई है। शराब समेत नशा के तमाम कारोबार पर रोक लगाने के लिए उत्पाद विभाग का विशेष अभियान लगातार जारी है। बुधवार रात भी विभाग की अलग-अलग टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर शराब पीने और नशा का कारोबार करने के आरोप में 25 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

संपादकीय

दवाओं को सस्ता और सुलभ बनाने के प्रयास

सामान्य लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए मोदी सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। आवश्यक दवाओं की अधिक कीमत कहीं न कहीं अच्छे स्वास्थ्य में बाधक बनती है। सामान्य लोगों को आवश्यक दवाएं कम कीमत में और आसानी से मिल सकें, इसके लिये केंद्र सरकार ने कई जीवनरक्षक दवाओं को आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में शामिल किया है। आम तौर पर बाजार में दवाओं की कीमत निर्माता कंपनियां निर्धारित करती हैं। उनका मुख्य उद्देश्य मुनाफा कमाना होता है। ऐसी शिकायतें अक्सर सामने आती हैं कि दवा कंपनियां अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए चिकित्सकों और अस्पतालों को रिश्वत भी देती हैं। ऐसे में दवाओं की कीमत स्वाभाविक रूप से अधिक हो जाती है। उपचार के दौरान सबसे अधिक खर्च दवाओं पर ही होता है। ऐसे में आवश्यक है कि जीवनरक्षक दवाओं की कीमत इतनी रखी जाए कि किसी के ऊपर बीमारी के उपचार का बोझ न पड़े। दवाओं की अधिक कीमत उपचार में बाधक नहीं बननी चाहिए। केंद्र सरकार ने जिन 384 दवाओं को आवश्यक दवा की श्रेणी में डाला है, उनमें कैंसर, दर्द निवारक, न्यूरो से संबंधित रोगों, डायबिटीज, टीबी और हृदय रोग की दवाएं शामिल हैं। हमारे देश में ये रोग तेजी से बढ़ भी रहे हैं तथा इनका उपचार भी महंगा होता है। मोदी सरकार के इस प्रयास से इन रोगों से ग्रस्त लोगों को निश्चित ही राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि जिन दवाओं को इस सूची में रखा जाता है, उनके दाम राष्ट्रीय दवा मूल्य प्राधिकार द्वारा निर्धारित किये जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि दवा कंपनियां, अस्पताल और फार्मेसी दुकानें उन्हें मनमानी कीमत पर नहीं बेच सकती हैं। नियमों के अनुसार सभी अस्पतालों को, चाहे वे निजी अस्पताल हों या सरकारी, आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में उल्लिखित दवाओं की बड़ी खेप अपने पास रखनी होगी। यह प्रावधान इसलिए जरूरी है क्योंकि संभव है कि अस्पताल में इन दवाओं की उपलब्धता न हो और रोगी के लिए महंगे विकल्पों को खरीदना मजबूरी बन जाए। समय समय पर दाम, असर और उपलब्धता के आधार पर इस सूची में दवाओं को शामिल किया जाता है या हटाया जाता है। दवाओं का परीक्षण और निर्धारण विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के आधार पर किया जाता है। सितंबर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने जानकारी दी थी कि सरकार राष्ट्रीय सूची की समीक्षा कर रही है। इस सूची को आखिरी बार 2015 में संशोधित किया गया था। उस समय इसमें 376 दवाएं थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के प्रारंभ से ही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने तथा समाज के निर्धन और निम्न आय वर्ग को सस्ता व गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा मुहैया कराने को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। सरकार के यह प्रयास सराहनीय है।

दवा कंपनियां अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए चिकित्सकों और अस्पतालों को रिश्वत भी देती हैं। ऐसे में दवाओं की कीमत स्वाभाविक रूप से अधिक हो जाती है। उपचार के दौरान सबसे अधिक खर्च दवाओं पर ही होता है। ऐसे में आवश्यक है कि जीवनरक्षक दवाओं की कीमत इतनी रखी जाए कि किसी के ऊपर बीमारी के उपचार का बोझ न पड़े।

दवा कंपनियां अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए चिकित्सकों और अस्पतालों को रिश्वत भी देती हैं। ऐसे में दवाओं की कीमत स्वाभाविक रूप से अधिक हो जाती है। उपचार के दौरान सबसे अधिक खर्च दवाओं पर ही होता है। ऐसे में आवश्यक है कि जीवनरक्षक दवाओं की कीमत इतनी रखी जाए कि किसी के ऊपर बीमारी के उपचार का बोझ न पड़े।

कुछ अलग

संकट का धुआं

कई दिनों से धुएं की चादर आसमान में कायम है। जिस तरह हवा जहरीली होती जा रही है, उससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। वायु प्रदूषण के कारण भले कई हों, लेकिन अभी बड़ी वजह पराली का धुआं है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में किसान पराली जला रहे हैं और सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं। विडंबना यह है कि जहां सभी राज्यों को पराली की समस्या से निपटने के सामूहिक प्रयास करने चाहिए, वहीं सब एक दूसरे पर ठीकरे फोड़ने में लगे हैं। बताया जा रहा है कि पंजाब में एक ही दिन में पराली जाने के मामलों में सोलह फीसद की वृद्धि हो गई। केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि राजस्थान में इस साल अक्तूबर में पराली जलाने की घटनाओं में एक सौ साठ फीसद का इजाफा हुआ। ऐसा नहीं कि पराली जलाने में किसी एक राज्य का ही योगदान सबसे ज्यादा हो, लेकिन देखने में यह आ रहा है कि पराली को लेकर राज्यों के बीच राजनीति ही ज्यादा हो रही है। सवाल इस बात का है कि आखिर राज्य इस समस्या का समाधान क्यों नहीं निकाल पा रहे? जबकि सुप्रीम कोर्ट की लगातार सख्ती और निगरानी के साथ केंद्र सरकार, पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि निकाय राज्यों को हिदायत देते रहे हैं। पिछले कुछ सालों में इस मुद्दे पर राज्यों के आला अफसरों की बैठकें भी होती रही हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पराली जलाने की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही। इससे तो लगता है कि सरकारें हाथ खड़े कर चुकी हैं। लगता है जैसे कि यह काम राज्यों के बस का रह ही नहीं गया है। वरना क्या कारण है कि राज्य सरकारें किसानों को पराली जलाने से रोक नहीं पा रहीं। पराली जलाने की मजबूरी को लेकर किसान अब तक जो तर्क देते रहे हैं, उससे साफ हो जाता है कि सरकारों का रवैया ही उन्हें इसके लिए मजबूर करता रहा है। आज भी पंजाब और दूसरे राज्यों में किसानों के सामने बड़ा संकट पराली नष्ट करने वाली मशीनों का है। जिस बड़े पैमाने पर ये मशीनें किसानों को उपलब्ध करवाई जानी चाहिए थीं, लगता है उसमें सरकारें सफल नहीं हुईं। फिर, ऐसे किसानों की संख्या काफी बड़ी है जो मशीन खरीदने या किराए पर लेने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में किसानों के सामने पराली जलाने के अलावा और चारा रह भी क्या जाता है? पराली से वायु प्रदूषण भले कुछ ही समय रहता हो, लेकिन इससे हालात इतने ज्यादा बिगड़ जाते हैं कि उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। पराली के धुएं से जिस तरह लोग बीमार पड़ रहे हैं, वह अपने में कम गंभीर नहीं है। पराली के धुएं से होने वाला वायु प्रदूषण रक्तचाप और सांस संबंधी गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। न सिर्फ राजधानी दिल्ली में, बल्कि ज्यादातर बड़े शहरों में वायु प्रदूषण की वजह से लोग फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने का बड़ा कारण वायु प्रदूषण बताया जा रहा है। लेकिन संकट यह है कि पराली को लेकर राज्य राजनीति करने में मगन हैं।

पराली से वायु प्रदूषण भले कुछ ही समय रहता हो, लेकिन इससे हालात इतने ज्यादा बिगड़ जाते हैं कि उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। पराली के धुएं से जिस तरह लोग बीमार पड़ रहे हैं, वह अपने में कम गंभीर नहीं है। पराली के धुएं से होने वाला वायु प्रदूषण रक्तचाप और सांस संबंधी गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है।

शरीर की विशेष स्थिति का निर्माण किए बिना हमारी आदतें अच्छी नहीं हो सकतीं

अच्छी आदतों के निर्माण का संकल्प लें

ललित गर्ग

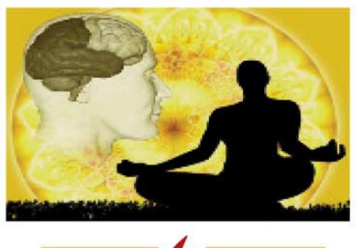

विलियम जेम्स ने अपनी पुस्तक 'दि प्रिसिंपल ऑफ साइकोलॉजी' में मनोवैज्ञानिक ढंग से चर्चा करते हुए लिखा है- 'अच्छा जीवन जीने के लिए अच्छी आदतों का बनाना जरूरी है। और अच्छी आदतों के निर्माण के लिए अभ्यास जरूरी है। यदि हम अभ्यास किए बिना ही यह चाहें कि हमारे आदतें बदल जाएं तो ऐसा कभी नहीं होगा। असफलता ही हाथ लगेगी।' उन्होंने अच्छी आदतों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्र प्रस्तुत किया हैं कि अच्छी आदतें डालनी हों तो सबसे पहले अच्छी आदतों का चिन्तन करो, अभ्यास करो और बुरी आदतों को रोको। नकारात्मकता को छोड़ों।

आज का इंसान नकारात्मक को ओढ़े नानाप्रकार की समस्याओं से जूझ रहा है,हर इंसान अपनी आदतों को लेकर परेशान है। ऐसा नहीं है कि आज का आदमी समय के साथ चलना न चाहे, बुरे आचरण एवं आदतों को छोड़कर अच्छी जिन्दगी का सपना न देखे, बुराई को बुराई समझने के लिये तैयार न हो। सोचना यह है कि हम गहरे में जमें संस्कारों एवं जड़ हो चुकी आदतों को कैसे दूर करें। जड़ तक कैसे पहुंचे। बिना जड़ के सिर्फ फूल-पत्तों का क्या मूल्य? अच्छा जीवन जीने एवं श्रेष्ठता के मुकाम तक पहुंचने के लिये अच्छी आदतों को स्वयं में सहेजना होगा, बाहरी अवधारणाओं को बदलना होगा, जीने की दिशाओं को मोड़ देना होगा। अंधेरा तभी तक डरावना है जब तक हाथ दीये की बाती तक न पहुंचे। जरूरत सिर्फ उठकर दीये तक पहुंचने की है। विलियम जेम्स ने अपनी पुस्तक 'दि प्रिसिंपल ऑफ साइकोलॉजी' में मनोवैज्ञानिक ढंग से चर्चा करते हुए लिखा है-'अच्छा जीवन जीने के लिए अच्छी आदतों का बनाना जरूरी है। और अच्छी आदतों के निर्माण के लिए अभ्यास जरूरी है। यदि हम अभ्यास किए बिना ही यह चाहें कि हमारे आदतें बदल जाएं तो ऐसा कभी नहीं होगा। असफलता ही हाथ लगेगी।' उन्होंने अच्छी आदतों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्र प्रस्तुत किया हैं कि अच्छी आदतें डालनी हों तो सबसे पहले अच्छी आदतों का चिन्तन करो, अभ्यास करो और बुरी आदतों को रोको। नकारात्मकता को छोड़ों। अच्छी आदतें डालने के लिए शरीर को एक विशेष प्रकार का अभ्यास देना जरूरी है। क्योंकि शरीर की विशेष स्थिति का निर्माण किए बिना हमारी आदतें अच्छी नहीं हो सकतीं। स्नायुओं को हमने जो पहले से आदतें दे रखी हैं, उनको यदि हम नहीं बदलते तो वे एक चक्र की भांति चलती रहती हैं। ठीक समय आता है और मिठाई खाने की बात याद आ जाती है, क्योंकि हमने जीभ को एक आदत दे रखी है। ठीक समय आता है और स्नायु उस वस्तु की मांग कर लेते हैं। खाने की सोचने, विचार करने की, कार्य करने की जैसे आदत हम स्नायुओं में डाल देते हैं, वैसी आदत हो जाती है। जो लोग बहुत ऊंचे मकानों में रहते हैं, वे पहली बार जब सीढ़ियों से उतरते हैं तब बहुत सावधानी से उतरते हैं। दूसरी-तीसरी बार उतरते हैं तो सावधानी कम हो जाती है और जब सौवीं बार उतरते हैं तो कोई सावधानी की जरूरत नहीं होती। पैर अपने आप एक-एक सीढ़ी उतरते हुए नीचे आ जाते हैं। चलने के साथ मन को जोड़ने की वहां आवश्यकता नहीं होती। टाइप करने वाले प्रारंभ में अक्षरों को देख-देखकर टाइप करना सीखते हैं। जब वे अभ्यस्त हो जाते हैं, तब उनकी अंगुलियां अभीष्ट अक्षरों पर पड़ती हैं और जैसा चाहा वैसा टाइप हो जाता है। फिर 'की बोर्ड' को देखने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि अंगुलियां अभ्यस्त हो चुकी हैं। हम बदल सकते हैं अपनी आदतों को और स्वभाव को, अपनी नकारात्मकता को। चाहे वह आदत शराब की हो या अन्य किसी व्यसन की। झूठ, चोरी, छल-कपट की हो या बुरे आचरण की। बदलाव के लिये गणित का कोई फार्मूला नहीं चाहिए। बड़ी-बड़ी ज्ञान एवं उपदेश से पहले सिर्फ चाहिए यह संकल्प कि मैं बदल सकता हूं। आधी गिलास के खाली होने का ही खयाल रहा तो आधी गिलास भरा होना पूरी तरह से आंखों से ओझल हो जाता है, तब मन शिकायतों से भर जाता है। इसी नकारात्मकता की दीवार को गिराना जरूरी है। अक्सर हम जिन स्थितियों में होते हैं, उसके लिए हम ही जिम्मेदारी होते हैं। हम ही अपने इर्द-गिर्द नकारात्मक विचारों की दीवार खड़ी करते हैं। वही दीवार आत्मविश्वास के जादुई चिराग तक पहुँचने के सारे रास्ते को बंद कर देती है, आशा को निराशा में, सफलता को असफलता में एवं हर्ष को विषाद में बदल देती है। फ्रैंसी लैरियू स्मिथ ने कहा कि "प्रेरणा के पीछे सबसे महत्वपूर्ण बात लक्ष्य तय करना होता है। आपका हमेशा एक लक्ष्य अवश्य होना चाहिए।" नकारात्मकता की कुछ ईंटों पर लिखा है, 'तुम्हें भला क्या मालूम है ?' उन ईंटों पर लिखे इस वाक्य को मिटाकर आप लिख दो 'मुझे काफी कुछ मालूम हैं।' यही आत्म विश्वास और इच्छाशक्ति जरूरी है। डा. राबर्ट ने कहा कि "उन सभी कारणों को भूल जाएं कि कोई कार्य नहीं होगा। आपको केवल एक अच्छा कारण खोजना है कि यह कार्य सफल होगा।" मान लो, आप एक गायक बनाना चाहते हो. गायक बनने के लिए सिर्फ इतना ही जरूरी नहीं है कि आप अपनी आलोचना से न घबराओ। उसके लिए यह भी जरूरी है कि आपको गाना भी आता हो। यहीं पर प्रशिक्षण की आवश्यकता पडती है। जीवन ही हर घटना ऐसे ही प्रशिक्षण से सकारात्मक बनती है। इसी सन्दर्भ में डेनिस वेटले ने कहा कि "यदि आप यह मानते हैं कि आप कर सकते हैं, तो संभवतः आप कर सकते हैं। यदि यह सोचते हैं कि आप नहीं कर सकते, तो आप सुनिश्चित रुप से नहीं कर सकते। विश्वास वह स्विच है जो आपको आगे बढ़ाता है।" हर व्यक्ति समस्याग्रस्त है। अभाव सबको महसूस होता है तो यह भीतर की समस्या है। इसे खरबपति बन कर नहीं सुलझाया जा सकता, क्योंकि तृष्णा प्रबल है और कितना भी मिल जाए संतोष नहीं होगा। संतोष की चेतना जाग जाए तो पास में कुछ भी नहीं होने पर भी आप स्वयं को कुबेरपति अनुभव करेंगे। यह स्थिति आदमी को हर क्षण बेचैन किए रहती है। जीवन में संतुलन जरूरी है। कभी भी अपने आपको कमजोर नहीं मानना चाहिए। पोप लेव ने कहा है कि न तो कोई इतना धनाढ्य है कि उसे दूसरे की सहायता की आवश्यकता न हो और न ही कोई इतना दरिद्र है कि किसी भी रूप में अपने साथियों के लिये उपयोगी सिद्ध न हो सके। एक मनीषी ने लिखा है ''यह शरीर नौका है। यह डूबने भी लगता है और तैरने भी लगता है। क्योंकि हमारे कर्म सभी तरह के होने से यह स्थिति बनती है। इसीलिये बार-बार अच्छे कर्म करने की प्रेरणा दी जाती है। लेकिन ऐसा हो नहीं पाता है। हमें यह समझ लेना चाहिए कि जिस प्रकार एक डाल पर बैठा व्यक्ति उसी डाल को काटता है तो उसका नीचे गिर जाना अवश्यम्भावी है, उसी प्रकार गलत काम करने वाला व्यक्ति अन्ततोगत्वा गलत फल पाता है। कर्म की ही भांति मनुष्य की सोच और विचार भी उन्नत होने चाहिए। स्वामी विवेकानन्द का मार्मिक कथन है कि हम वही है, जो हमारे विचार हमें बनाते हैं, इसलिये आप क्या सोच रहे है, उसका खास ख्याल रखिये। शब्दों को इतना महत्व नहीं, लेकिन विचार हमेशा उद्वेलित करते हैं। वे दूर तक जाते हैं।' बहुत सारी बातें हैं, जिन्हें लोग मानते तो हैं, किन्तु जानते नहीं। मानी हुई बात बिना जाने बहुत कार्यकारी नहीं होती। जब उसकी सचाई सामने आती है तो फिर मानने की जरूरत नहीं रह जाती। लेकिन मानना जरूरी भी है। आप न मानें तो जीवन चलना कठिन हो जाए, किन्तु मानने तक ही स्थिर नहीं हो जाना है, उसके आगे की बात भी सोचनी है। केवल मानते ही रहे, जानने की कोशिश नहीं की तो प्रगति का द्वार बंद हो जाएगा।

भारत का संविधान लोकतंत्र का प्रहरी

हमारे देश का संविधान सभी गणतांत्रिक देशों में से एक लंबा लिखित संविधान है। स्वतंत्रता से पहले हमारे देश भारत में बहुत सी सामाजिक, आर्थिक व रानजीतिक विकृतियां थीं। किसी भी देश को चलाने के लिए नयिम व कानूनों की आवश्यकता होती है और देश के सभी नागरिकों को उन नयिमों और कानूनों को मानने के लिए बाध्य होना पड़ता है ताकि देश की कानून व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके, अन्यथा देश में अराजकता जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। हमारे संविधान को लिनखे के लिए संविधान सभा में 299 सदस्य थे, जिसके अध्यक्ष डाक्टर राजेंद्र प्रसाद थे। हमारे देश के संविधान को तैयार कनरे में डाक्टर भीम राव अम्बेडकर का बहुत बड़ा योगदान है। उन्हें हमारे संविधान का पिता भी कहा जाता है। वह भारत में व्याप्त कुरीतियों से बहुत ही व्यथित हो गए थे। वह चाहते थे कि पूरे देश में सभी नागरिकों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाए और जिसके लिए कोई लिखित दस्तावेज़ हो, जिसकी किसी भी धारा का उल्लंनघ कनरे पर सज़ा का प्रावधान हो और उन्होंने संविधान सभा के साथ मिलकर एक ऐसा संविधान बनाया जिससे भारत के नागरिकों को एक समान माना गया।

हमारा देश भारत हर वर्ष 26 नवंबर को अपना संविधान दिवस मनाता है। भारत सरकार ने साल 2015 से इसे मनाने की शुरुआत की। 26 नवंबर 1949 को भारत की संविधान सभा ने इसे अपनाया था और 26 जनवरी 1950 से इसे लागू कर दिया गया था। संविधान दिवस को मनाने का उद्देश्य भारत के नागरिकों को अपने संविधान के प्रति जागरूक करना तथा संविधानिक मूल्यों की याद दिलाना है ताकि भारत के नागरिक विशेषकर युवा वर्ग जो इस देश का भविष्य हैं, अपने संविधान के प्रति पूरी निष्ठा रखें। संविधान के निर्माताओं ने कई दिनों की कड़ी मेहनत से इस खूबसूरत और काफी विस्तृत संविधान को तैयार किया। हमारे देश का संविधान सभी गणतांत्रिक देशों में से एक लंबा लिखित संविधान है। स्वतंत्रता से पहले हमारे देश भारत में बहुत सी सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक विकृतियां थीं। किसी भी देश को चलाने के लिए नियम व कानूनों की आवश्यकता होती है और देश के सभी नागरिकों को उन नियमों और कानूनों को मानने के लिए बाध्य होना पड़ता है ताकि देश की कानून व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके, अन्यथा देश में अराजकता जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। हमारे संविधान को लिखने के लिए संविधान सभा में 299 सदस्य थे, जिसके अध्यक्ष डाक्टर राजेंद्र प्रसाद थे। हमारे देश के संविधान को तैयार करने में डाक्टर भीम राव अम्बेडकर का बहुत बड़ा योगदान है। उन्हें हमारे संविधान का पिता भी कहा जाता है। वह भारत में व्याप्त कुरीतियों से बहुत ही व्यथित हो गए थे। वह चाहते थे कि पूरे देश में सभी नागरिकों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाए और जिसके लिए कोई लिखित दस्तावेज़ हो, जिसकी किसी भी धारा का उल्लंघन करने पर सज़ा का प्रावधान हो और उन्होंने संविधान सभा के साथ मिलकर एक ऐसा संविधान बनाया जिससे भारत के नागरिकों को एक समान माना गया। स्वतंत्रता से पहले हमारे देश के समाज में छुआछूत, वोट देने का अधिकार कुछ एक लोगों को संपत्ति और शिक्षा के आधार पर था, महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार का न होना, मंदिरों में प्रवेश एक विशेष वर्ग के लिए आदि प्रचलित थे। जब हमारा संविधान बना तो छुआछूत को पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया गया, सभी लोगों को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार दिया गया। अपने विचारों को अभिव्यक्त करने की आजादी प्रदान की गई। महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव निषिद्ध माना गया। स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, संपत्ति का अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार। हमारे देश के संविधान ने हमें मौलिक अधिकार तो प्रदान कर दिए ताकि हम आजाद भारत में गुलामी की जंजीरों से मुक्त होकर आजादी का लुत्फ उठाएं, पर क्या हमारे कुछ कत्र्तव्य भी हैं जिनका हमें पालन करना ही होगा ताकि संविधान की मूल भावना का पूर्ण रूप से सम्मान कर सकें। कई बार देखा गया है कि हम अपने अधिकारों की बात तो करते हैं लेकिन अपने कत्र्तव्यों को भूल जाते हैं। अधिकार और कत्र्तव्य का बड़ा घनिष्ठ सम्बन्ध है। यदि किसी व्यक्ति का किसी वस्तु या जायदाद पर कानूनी अधिकार बनता है तो हमारा कत्र्तव्य है कि हम अमुक व्यक्ति के अधिकार का पूर्ण सम्मान करें। कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे किसी दूसरे व्यक्ति को उससे नुक्सान पहुंचे या उसकी भावनाओं को ठेस लगे। इसी प्रकार हमारा कोई भी कार्य जिससे समाज व देश की छवि बिगड़े हमारे कत्र्तव्यों का सरासर उल्लंघन होगा। हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि हम अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक हों ही, साथ में हम अपने कत्र्तव्यों का पालन करना न भूलें ताकि समाज और देश में सामाजिक तथा धार्मिक सौहार्द बना रहे। हमारे देश में अभी भी कई लोग ऐसे हैं जिन्हें अपने मौलिक अधिकारों का ज्ञान ही नहीं है जिससे आज भी उनका शोषण होता है। किसी भी प्रजातांत्रिक देश में लोगों को अपने अधिकारों का पूर्ण ज्ञान प्राप्त होना चाहिए ताकि वे अपने जीवन को सही ढंग से जी सकें। यदि उन्हें अपने अधिकारों का ज्ञान होगा तभी तो वे लोग अपने कत्र्तव्यों का पालन कर सकते हैं क्योंकि अधिकार और कत्र्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और एक के बिना दूसरे का अस्तित्व बहुत मुश्किल है। हमारी पाठशालाओं में भी मौलिक अधिकारों और कत्र्तव्यों के बारे में पढ़ाया जाता है लेकिन कई बार लोग इन बातों को भूल जाते हैं। इसलिए संविधान दिवस का महत्त्व और भी बढ़ जाता है जिसके ज़रिए निरंतर लोगो को जागरूक किया जा सके। वैसे तो कई बार देखा गया है कि सभी राजनीतिक दल देश को संविधान के अनुसार चलाने की बात करते हैं और यह दंभ भरते हैं कि हमारा दल तो संविधान के अनुसार ही कार्य करता है, लेकिन फिर भी कभी कभी संविधान की अवहेलना करने की बात सामने आ ही जाती है, चाहे वह अनजाने में ही क्यों न हो। यदि सभी राजनीतिक दल अपने देश भारत के संविधान का कड़ाई से पालन करेंगे तो निश्चित रूप से देश की जनता भी संविधान की गहराइयों को समझकर अपने अधिकारों का तो आनंद उठाएंगे ही, साथ में अपने कत्र्तव्यों को भी नहीं भूलेंगे। सभी दलों के अपने अपने समर्थक होते हैं और यह समर्थक अपने दलों के नेताओं की बातों का भी अनुसरण करते हैं। इसलिए सभी दलों को चाहिए कि संविधान के प्रति ऐसी श्रद्धा व निष्ठा का उदाहरण पेश करें कि सारे देश में हमारे संविधान का सुचारू रूप से पालन हो। जनता कई बार गलतियां कर सकती है, लेकिन राजनीतिक दलों को अपनी सूझबूझ से देश की जनता को संवैधानिक मूल्यों से अवगत करवाकर देश को उन्नति के मार्ग पर चलाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। हमारा देश भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतांत्रिक देश में संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना सभी देशवासियों का कत्र्तव्य है। यह केवल सरकार का ही कत्र्तव्य नहीं है। अतः हम सबको चाहिए कि संविधान दिवस को एक रस्म के तौर पर ही न मनाएं, बल्कि अपने जीवन में आत्मसात भी करें। तभी तो एक सुरक्षित और संवैधानिक भारत का सपना साकार होगा।

नागरिक बोध

पेसा आदिवासी और निर्जन क्षेत्र के लोगों की बेहतरी के लिए सुनहरा कदम

15 नवंबर, 2022 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर, मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा अधिनियम) नियमावली की पहली प्रति भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को सौंपी। पेसा अधिनियम 1996 में ₹पंचायतों से संबंधित संविधान के भाग IX के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तारित करने के लिए₹ अधिनियमित किया गया था। (पंचायतों के अलावा, भाग IX, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 243-243 ZT शामिल हैं, में नगर पालिकाओं और सहकारी समितियों से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।) PESA अधिनियम को अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वशासन की पुष्टि करने के लिए अधिनियमित किया गया था। मध्य प्रदेश राज्य में यह अधिनियम मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों के प्रशासन के लिए अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा को अधिकार देगा। यह 5,212 पंचायतों में 2,350 गांवों को कवर करते हुए, राज्य के 89 आदिवासी ब्लॉकों में ग्राम सभाओं के माध्यम से स्व-शासन की भी अनुमति देगा। पेसा अधिनियम ग्राम पंचायतों को सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के साथ-साथ लघु वन उपज, भूमि और छोटे जल निकायों से संबंधित मामलों को तय करने की भी अनुमति देगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह ने अधिनियम की कुछ प्रमुख बातों पर प्रकाश डाला। पेसा के तहत, ग्राम सभा के पास शराब की दुकान खोलने की अनुमति देने का अधिकार होगा। बालू खदान, गिट्टी और पत्थर के ठेके देने या नहीं देने का अधिकार भी ग्राम सभा के पास होगा। ग्राम सभा तालाबों के प्रबंधन, मत्स्य पालन, उनमें सिंघाड़े की खेती के लिए सहमति देगी। मनरेगा के पैसे से कौन सा काम करना है, यह तय करने का भी अधिकार होगा और काम का मस्टर रोल भी देखेगा। आदिवासी क्षेत्रों में केवल लाइसेंस शुदा साहूकारों को ही पैसा उधार देने का अधिकार होगा वह भी निश्चित ब्याज दर पर। इसकी जानकारी ग्राम सभा को देनी होगा। यदि अधिक ब्याज लिया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी, कुछ छोटे विवादों को हल करने के लिए ग्राम सभा को शक्ति प्रदान की जाती है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यदि किसी आदिवासी क्षेत्र में कोई FIR दर्ज की जाती है तो इसकी सूचना ग्राम सभा को दी जानी चाहिए। ग्राम सभा को अधिकार है कि वह किसी भी स्कूल, अस्पताल, आंगनवाड़ी केंद्र, आश्रम विद्यालयों की जांच कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कोई गैर-आदिवासी व्यक्ति या कोई अन्य व्यक्ति आदिवासियों की जमीन पर धोखाधड़ी, जबरदस्ती, शादी आदि के माध्यम से अवैध रूप से कब्जा करने या खरीदने की कोशिश करता है, तो ग्राम सभा को हस्तक्षेप करने की शक्ति होगी. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ग्राम सभा को सूचित किए बिना कोई व्यक्ति काम के लिए गांव से बाहर नहीं जा सकेगा या कोई बाहरी व्यक्ति काम के लिए गांव में नहीं आ सकता है। उन्होंने कहा, यह लोगों के अनावश्यक पलायन को रोकेगा और आदिवासियों को मानव व्यापार, शोषण या बंधुआ मजदूरी₹ के अभिशाप से बचाएगा। ग्राम सभा बाजार और मेलों का प्रबंधन भी करेगी। इन नए नियमों को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए हाल ही में पेसा समन्वयकों की नियुक्ति की जाएगी।

देश दुनीया से

सुगम नहीं है शिक्षा की डगर

ऐसी कौन-सी शिक्षा हो, जो अपने धर्म के प्रति आस्था के साथ-साथ दूसरे के धर्म के प्रति सम्मान भी सिखाए। ऐसा कौन-सा पाठ्यक्रम हो, जो जातीय गौरव बनाम जातीय अभिशाप के बीच मानवता को तिरोहित न करता हो। भारत के पहले शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम गुलाम मुहियुद्दीन, जो मौलाना अबुल कलाम आजाद के नाम से ख्यात हैं, की स्मृति में तत्कालीन 'मानव संसाधन विकास' मंत्रालय ने 2008 से प्रत्येक वर्ष इनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। शिक्षा के संस्थानीकरण के प्रयासों में तमाम विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और स्कूलों की स्थापना में उनके योगदान और समर्थन को रेखांकित करने के साथ ही उनके धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी चिंतन से प्रभावित शिक्षा दर्शन और शिक्षा समाजशास्त्र को भी नए सिरे से पढ़े जाने की आवश्यकता है। भारत के पहले शिक्षा मंत्री होने के नाते आजाद से अपेक्षित था कि वे इस बात की विवेचना और नेतृत्व करते कि एक शिक्षित भारतीय नागरिक कैसा होगा और उसकी क्या चारित्रिक संकल्पनाएं होंगी? औपनिवेशिक शिक्षा के माडल से लदी भारतीय शिक्षा-व्यवस्था का भारतीयकरण कैसा होगा और दुनियावी दौड़ में बने रहने के लिए कितना भारतीय और कितना आधुनिक बने रहने की संभावना है। नए-नए आजाद हुए भारत की संकल्पना में उस राष्ट्रवादी भारतीय को गढ़े जाने की जटिलता भी थी, जो बतौर नागरिक माटी और मनुजता से जुड़ा हो। नए भारत को दुनिया के शीर्ष पर लाने की कवायद में विज्ञान और विज्ञानजनित पद्धति के सहारे ही तमाम रोगों का रामबाण या नमक सुलेमानी बनाना भी मौलाना आजाद की ही जिम्मेदारी थी। यह सवाल हर समय में बना रहता है कि कालजयी और पारंपरिक ज्ञान या आधुनिक ज्ञान के बीच क्या पढ़ाया जाए, जो मनुष्य को मनुज होने का भाव दे। ऐसी कौन-सी शिक्षा हो, जो अपने धर्म के प्रति आस्था के साथ-साथ दूसरे के धर्म के प्रति सम्मान भी सिखाए। ऐसा कौन-सा पाठ्यक्रम हो, जो जातीय गौरव बनाम जातीय अभिशाप के बीच मानवता को तिरोहित न करता हो। ऐसी कौन-सी शिक्षा-व्यवस्था हो, जो वर्गीय, वर्णीय, लैंगिक, भाषाई, प्रांतीय, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय विभेदों को चिह्नित करने का दृष्टिकोण देते हुए उन्हें मिटा न पाने की अवस्था में कम से कम उन्हें भोथरा करने का सजग प्रयास तो करे। भारतीय समाज के नए राष्ट्रीय स्वरूप में किस तरह के स्कूल, कालेज या विश्वविद्यालय खोले जाएं, जो उत्कृष्ट ज्ञान को सर्वसुलभ बनाएं। सौ फीसद नामांकन हासिल करने और शिक्षा गुणवत्ता की चुनौती आजाद के लिए भी उतनी ही विकट थी, जितनी आज आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के क्रम में वर्तमान शिक्षा मंत्री के समक्ष है। अल्पसंख्यकों, दलितों और लड़कियों की शिक्षा के लिए आवश्यक प्रयासों के प्रभावकारी सुझावों की लंबी सूची तमाम शिक्षा आयोगों द्वारा दिए जाने और उन पर आधे-अधूरे अमल किए जाने से इसकी दशा और दिशा बहुत उत्साहवर्द्धक नहीं है। नए आर्थिक उदारवाद के सघन संक्रमण और राजनीतिक अर्थशास्त्र की इच्छाशक्ति की कमी के बाद सबसे ज्यादा संकट हाशिये के लोगों की शिक्षा पर ही आ रहा है। इसी तरह स्कूली अध्यापकों से लेकर विश्वविद्यालय स्तर के अध्यापकों तक को 'सरकारी कर्मचारी' मानने, उनके वेतनमान और तमाम अन्य सुविधाओं को लेकर जद्दोजहद औपनिवेशिक शिक्षा के युग में ही शुरू हो गई थी। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ही लगभग अठारह हजार पदों में से छह हजार पद रिक्त हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों में साठ फीसद तदर्थ अध्यापक हैं। यह स्थिति देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों की है। स्कूली स्तर पर यह और भी भयावह है, जहां सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश की राजधानी में चौंसठ हजार पदों में से पैंतीस हजार ही नियमित रूप से नियुक्त अध्यापक हैं। बाईस हजार अतिथि अध्यापकों के साथ भी आवश्यक कुल संख्या के दस फीसद अध्यापक कम ही रह जाते हैं। अतिथि और तदर्थ अध्यापक, पैरा टीचर और शिक्षा मित्र, जैसे शब्द अपने आप में अध्यापक, अध्यापन, ज्ञान निर्मिति और हमारे विश्व गुरु बनने की संकल्पना और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने की चेष्टा पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। इस प्रकार बिना 'सरकारी कर्मचारी' माने अध्यापकों को राजकीय वेतन और प्रोत्साहन दिया जाना असंभव-सा प्रतीत होता है।

यह सवाल हर समय में बना रहता है कि कालजयी और पारंपरिक ज्ञान या आधुनिक ज्ञान के बीच क्या पढ़ाया जाए, जो मनुष्य को मनुज होने का भाव दे।

भारत विरोधी एजेंडा चलाने वाली चीनी राजदूत की मंशा पर फिरा पानी, नेपाल से लेनी पड़ रही विदाई

काठमांडू ।
नेपाल में रहकर भारत विरोधी एजेंडा चलाने वाली चीनी राजदूत हाओ यांगकी ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है। अब उन्हें नेपाल छोड़कर जाना होगा। नेपाल में नई सरकार के शपथग्रहण से पहले भारत के लिए यह अच्छी खबर मानी जा रही है। चीन ने हाओ को अब नेपाल से हटा कर आसियान देशों के मामले देखने के लिए इंडोनेशिया में भेजा है। हाओ यांकी राजदूत डेंग जिजुन की जगह लेंगी। बता दें कि हाओ 2018 से काठमांडू में तैनात हैं। वह चुनाव खत्म होने का इंतजार कर रही थी। अब जब चुनावी प्रक्रिया पूरी हो गई है तो उन्हें विदाई लेनी पड़ रही है।

कौन हैं हाओ यांगकी – साल 2018 से नेपाल में चीन की राजदूत के रूप में काम कर रही हाओ यांगकी को दक्षिण एशियाई मामलों का जानकार माना जाता है। इसी लिहाज से हाओ यांगकी ने विदेश मंत्रालय में लंबे वक्त तक डिप्टी डायरेक्टर की भूमिका निभाई और कई अहम फैसले लिए। उनके कई फैसले से चीन का संबंध पड़ोसी देशों से प्रभावित हुआ। यांगकी ने चीनी राजदूत के तौर पर पाकिस्तान में भी तीन साल बिताए हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों के अनुसार हाओ यांगकी ने पाकिस्तान में राजदूत के रूप में काम करते हुए पाकिस्तानी सरकार के लिए भी कई नीतियों पर काम किया है। इनमें से कई नीतियां ऐसी भी थी जिनका संबध भारत से था। पाकिस्तान में उनकी सफलता को देखते हुए उन्हें नेपाल भेजा गया। भारत और नेपाल के रिश्तों में पहली बार इतनी कड़वाहट आई है। दोनों देशों के बीच बेटी और रोटी का संबंध है।

नेपाल को उकसाने में यांगकी ने कोई कसर नहीं छोड़ी – नेपाल ने जबसे विवादित नक्शा को अपने हिस्से में शामिल किया है, तभी से दोनों देशों के बीच तल्खियां बढ़ी हैं। माना जा रहा है कि नेपाल की इस खुराफात के पीछे यांगकी का ही हाथ है। उन्होंने ही पीएम ओली और नेपाल की संसद को इसके लिए तैयार किया। जानकारी के मुताबिक यांगी पीएम ओली के दफ्तर और उनके निवास पर भी बिना रोक टोक ही आती जाती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि नेपाल की सत्तासीन पार्टी के जिस प्रतिनिधिमंडल ने नक्शे में संशोधन के लिए विधेयक बनाया, यांगी उसके संपर्क में भी थीं।

यांगकी ने अपने एजेंडे को चलाने के लिए उर्दू भाषा सीखी – सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली यांगकी के कूटनीतिक दिमाग का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उन्होंने पाकिस्तान में अपने एजेंडे को चलाने के लिए उर्दू भाषा सीखी।

न्यूज़ ब्रीफ

मलेशिया में अनिश्चितता खत्म, सुल्तान ने अनवर इब्राहिम को नया पीएम मनोनीत किया

कुआलालंपुर । मलेशिया के सुल्तान अब्दुल्ला अहमद शाह ने अनवर इब्राहिम को देश का नया प्रधानमंत्री मनोनीत किया है। देश के नौ राज्यों के राजाओं के साथ एक विशेष बैठक में विचार विमर्श के बाद इब्राहिम की नियुक्ति का फैसला किया। इसके साथ ही मलेशिया में खंडित जनादेश से पैदा हुई राजनीतिक अनिश्चितता खत्म हो गई। रिपोर्ट के अनुसार राजमहल की ओर से जारी एक बयान में इब्राहिम के मनोनयन की जानकारी दी। अनवर इब्राहिम स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम 5 बजे मलेशिया के 10वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इब्राहिम मलेशिया के 10वें प्रधानमंत्री होंगे। अनवर इब्राहिम सुधारवादी विपक्षी नेता हैं। हाल में हुए आम चुनाव में अनवर के नेतृत्व वाला गठबंधन पाकतन हरपन सबसे ज्यादा 82 सीटों पर विजयी रहा है। शाही नियंत्रक फदली शम्सुद्दीन ने बयान जारी कर कहा कि मलय शासकों के विचारों को समझने के बाद सुल्तान ने दातुक सेरी अनवर इब्राहिम को मलेशिया के 10वें प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त करने पर सहमति व्यक्त की है। इसके साथ ही मलेशिया में आम चुनाव के पांच दिन बाद नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। प्रधानमंत्री पद पर इब्राहिम का उदय 1998 में उपप्रधान मंत्री के रूप में बर्खास्त किए जाने और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों के बाद हुआ। मलेशिया के प्रधानमंत्री के बारे में घोषणा अधिकांश दलों द्वारा सुल्तान अब्दुल्ला अहमद शाह के एकता सरकार के गठन के प्रस्ताव पर सहमत होने के बाद की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अनवर इब्राहिम और उनके प्रतिद्वंद्वी पेरिकटन नेशनल (पीएन) के प्रमुख मुहीद्दीन यासिन संसद में बहुमत के लिए आवश्यक 112 सांसदों का समर्थन हासिल करने में असमर्थ थे।

पेशावर में मस्जिद गिरा कर बाजार बनाने की योजना, मेयर समेत कई नेता विरोध में उतरे

पेशावर । पाकिस्तान के पेशावर में जर्जर जुमा मस्जिद को गिराने का विरोध शुरू हो गया है। जिला प्रशासन की योजना का शहर के मेयर व कई तहसीलों के प्रमुख विरोध कर रहे हैं। उन्होंने मस्जिद संरक्षण समिति के समर्थन का एलान किया है। जिला प्रशासन मस्जिद की जमीन पर बाजार या व्यावसायिक इमारत बनाना चाहता है। मस्जिद गिराए जाने की योजना को लेकर विवाद पैदा हो गया है। पेशावर के मेयर हाजी जुबैर अली ने कहा है कि जिला प्रशासन को जुमा मस्जिद विवाद में शामिल नहीं होना चाहिए। वह जनता और प्रशासन के बीच इसे लेकर टकराव के पक्ष में नहीं हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब पेशवर जिला प्रशासन ने जुमात मस्जिद को उसकी जर्जर हालत के कारण गिराने की योजना बनाई है। हाजी जुबैर अली के हवाले से डॉन ने कहा कि जिला प्रशासन को जुमात मस्जिद मामले में किसी भी तरह के दखल से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे गिराने से बचाने के लिए हर संभव उपाय किए जाएंगे। पेशावर मेट्रोपोलिटन सरकार की जमीन किसी अन्य काम में इस्तेमाल नहीं करने देंगे।

फोन पर दूसरी लड़की की आवाज सुनते ही आगबबूला हुई गर्लफ्रेंड, प्रेमी के घर पर पेट्रोल छिड़ककर लगा दी आग

टेक्सास । अमेरिका के टेक्सास से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है जहां गुस्साई गर्लफ्रेंड ने अपने ब्वॉयफ्रेंड के घर में पेट्रोल छिड़ककर आग के हवाले कर दिया। इतना ही नहीं आग लगाने से पहले उसने अपने ब्वॉयफ्रेंड के घर से कई कीमती सामान भी चुरा लिए थे। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है और कड़ी पूछताछ कर रही है। वहीं आग लगने के बाद से लड़के के घर वाले दहशत में हैं और उन्होंने लड़की पर चोरी के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि सोटो नाम की लड़की अपने ब्वॉयफ्रेंड को फेसटाइम किया था। उस वक्त एक दूसरी महिला ने कॉल उठा लिया। फिर क्या था, आवाज सुनते ही सोटो आगबबूला हो गई। आनन-फानन में वह ब्वॉयफ्रेंड के घर पहुंची और पहले कीमती ज्वेलरी और सामान की चोरी कर ली।

चीन में एक दिन में रेकॉर्ड 31 हजार से ज्यादा केस, झड़प के बाद जेंगझू में लॉकडाउन

बीजिंग ।
चीन में फिर एक बार कोरोना मामलों में तेज बढ़ोतरी नजर आई है। बुधवार को दैनिक कोविड केस 31,454 के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। ये महामारी की शुरुआत के बाद का उच्च स्तर है। इस बीच, एपल प्लांट में श्रमिकों व सुरक्षा कर्मियों के बीच झड़प के बाद जेंगझू में लॉकडाउन लगा दिया गया है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य ब्यूरो के आंकड़ों ने चौंका दिया है। एक दिन में इतनी ज्यादा मामले सामने आने के बाद चीन सरकार लॉकडाउन, यात्रा पाबंदियां लगाने के अलावा परीक्षण व टीकाकरण को भी तेज कर रही है, ताकि कोरोना को और फैलने से रोका जा सके।

बीजिंग में लॉकडाउन, कड़े प्रतिबंध

राजधानी बीजिंग में कोरोना लॉकडाउन के तहत कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। पार्क, कार्यालय भवनों और शॉपिंग मॉल को बंद कर दिया गया है। बीजिंग के सबसे अधिक आबादी वाले चाओयांग जिले में करीब पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने चाओयांग जिले के लगभग 35 लाख निवासियों से आग्रह किया कि वे राजधानी बीजिंग कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बन गया है। इसलिए ज्यादातर समय घर पर ही रहें।

कुछ प्रांतों में तीन साल की सबसे गंभीर स्थिति

चीन के कुछ क्षेत्रों में महामारी का प्रसार तेजी से हो रहा है और रोकथाम और नियंत्रण में कठिनाई बढ़ रही है। कुछ प्रांत तीन साल में सबसे गंभीर और जटिल स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए संक्रमितों की संख्या पूरे चीन में लगातार बढ़ रही है। एक नवंबर के बाद से देश भर में कुल 2,80,000 से ज्यादा संक्रमित मिलने की सूचना है। पिछले सप्ताह औसतन 22,200 मामले रोज मिले।

49 शहरों में विभिन्न स्तर का लॉकडाउन, 41 करोड़ लोग प्रभावित

ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने नोमुरा चाइना कोविड लॉकडाउन इंडेक्स (सीएलआई) के आधार पर एक रिपोर्ट में कहा कि चीन में कुल कोविड मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ, पिछले एक हफ्ते में देश भर में लॉकडाउन से स्थिति बिगड़ती जा रही है। सरकारी आंकड़ों और हमारे सर्वेक्षण के अनुसार, 21 नवंबर तक 49 शहरों में वर्तमान लॉकडाउन के कई स्तर लागू हैं या किसी प्रकार के जिला-आधारित नियंत्रण उपाय किए गए हैं। हमारा अनुमान है कि वर्तमान में इन लॉकडाउन उपायों से 41.2 करोड़ लोग प्रभावित हैं। ये पिछले सप्ताह के 34 करोड़ से अधिक हैं।

आईएमएफ ने चीन को दी यह सलाह

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने चीन को सलाह दी है कि वह देश में कोरोना रोधी टीकाकरण तेज करे। कोविड नीति को नए सिरे से बनाए, ताकि प्रॉपर्टी सेक्टर में पैदा हुई चुनौतियों और वैश्विक मांग में कमी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटा जा सके।

जनरल आसिम मुनीर होंगे पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ

शहबाज सरकार का बड़ा फैसला

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में लंबे समय से चल रही नए आर्मी चीफ की तलाश अब खत्म हो गई है। यहां की शहबाज शरीफ सरकार ने ले जनरल आसिम मुनीर को पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ के रूप में नियुक्त किया है। मुनीर जनरल कमर जावेद वाजवा की जगह लेंगे। इसके अलावा लेफ्टिनेंट जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री मरियम औरंगजेब ने इसकी जानकारी दी है। यह नए सेना प्रमुख की नियुक्ति की प्रक्रिया के सोमवार को उस समय शुरू हुई जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संभावित उम्मीदवारों के लिए देश के रक्षा मंत्रालय को एक पत्र लिखा था।

लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर को पाकिस्तान में एक उत्कृष्ट अधिकारी माना जाता है। लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर ने मंगला में ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल कार्यक्रम के माध्यम से सैन्य सेवा में प्रवेश किया और उन्हें फ्रंटियर फोर्स रेजिमेंट में नियुक्त किया गया। वह जनरल बाजवा के तब से करीबी सहयोगी रहे हैं, जब से उन्होंने निवर्तमान सेना प्रमुख, जो उस समय कमांडर एक्स कोर थे, के तहत एक ब्रिगेडियर के रूप में फोर्स कमांड उत्तरी क्षेत्रों में सैनिकों की कमान संभाली थी। लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर को बाद में 2017 की शुरुआत में सैन्य खुफिया महानिदेशक नियुक्त किया गया था, और अगले साल अक्तूबर में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस प्रमुख बनाया गया था। हालांकि, शीर्ष खुफिया अधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल अब तक का सबसे छोटा कार्यकाल रहा, क्योंकि उन्हें तत्कालीन पीएम इमरान खान के आग्रह पर आठ महीने के भीतर बदल दिया गया था। क्वार्टर मास्टर जनरल के रूप में सामान्य मुख्यालय में स्थानांतरित होने से पहले, उन्हें गुजरांवाला कोर कमांडर के रूप में तैनात किया गया था, जिस पद पर उन्होंने दो साल तक काम किया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने विपक्षी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को चेतावनी देते हुए कहा था कि नए सेना प्रमुख की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद गठबंधन सरकार उनसे निपट लेगी।

रूसी सेना फिर हुई हमलावर, कीव पर किया ताबड़तोड़ मिसाइल अटैक, तीन की मौत

कीव ।
रूसी सेना एक बार फिर से यूक्रेन के खिलाफ हमलावर हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन की सेना ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इस हमले में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि छह घायल हो गए। कीव प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार इस बार कई महत्वपूर्ण इमारतों को निशाना बनाया है।

कीव पर हुए हमले के बाद पश्चिमी यूक्रेन में ल्वीव शहर के मेयर ने बताया कि ल्वीव में पूरी तरह से बिजली गुल हो गई है। लोगों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कीव के मेयर विटाली क्लिट्सको ने भी कहा कि राजधानी की बुनियादी सुविधाओं में से एक को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने लोगों से शेल्टर होम में रहने की भी अपील की।

वहीं यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा ने यूक्रेन में ताजा रूसी हमलों के बाद उन्होंने नाटो देशों से सभी आवश्यक वायु रक्षा प्रणालियां यथाशीघ्र देने आह्वान किया है। कुलेबा ने ट्विटर पर कहा, पुतिन की सेना ने कीव और अन्य यूक्रेनी शहरों को निशाना बनाने के लिए नया मिसाइल आतंक शुरू किया है।

दो दिन बाद मलबे से जिंदा निकला छह साल का बच्चा, माता-पिता की हुई मौत

जकार्ता ।
इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत के सियांजुर में बीते सोमवार को आए 5.6 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक इस तबाही में अब तक 271 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने बताया कि भूकंप के बाद 151 लोग लापता हैं, जबकि 1083 घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 300 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। लेकिन इन सबके बीच एक अच्छी खबर भी आई है कि बुधवार देर शाम मलबे से छह साल के बच्चे को जिंदा निकाल लिया गया। फिलहाल बच्चा अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज किया जा रहा है। बच्चा लगभग तीन दिनों तक मलबे में जिंदा रहा। बच्चे को जिंदा देखकर लोगों को हैरानी हुई आखिर बिना खाए-पिए तीन दिन तक कैसे जिंदा रहा।

इंडोनेशिया की नेशनल एजेंसी ने कहा कि बचावकर्ताओं ने सियानजुर रीजेंसी के कुगेनांग उप जिले के नागरक गांव में अज्का मौलाना मलिक नाम के बच्चे को बचाया गया। फुटेज में वह पल दिखाया गया जब एक बचाव दल ने उसे ढूंढ निकाला। एजेंसी ने कहा कि लड़का अपनी दादी के शव के बगल में मिला था। स्थानीय मीडिया ने बताया कि अज्का का अब सियांजुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। एजेंसी ने कहा कि बचावकर्मियों ने पहले उसके माता-पिता के शव निकाले थे।

सबसे ज्यादा तबाही हुई है सियांजुर कस्बे में, जहां भूकंप के दौरान तीन मिनट तक इमारतें हिलती रहीं। सबसे ज्यादा मौतें भी यहीं हुई हैं। हालांकि, मौतों की सरकारी आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। सियांजुर सबसे ज्यादा प्रभावित इसलिए हुआ, क्योंकि वहां आबादी काफी घनी है। यहां भूस्खलन आम बात है। घर ज्यादा मजबूती से नहीं बने हैं।

इस भूकंप में 56,320 घर क्षतिग्रस्त

इस भूकंप में 56,320 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से एक तिहाई से अधिक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। अन्य क्षतिग्रस्त इमारतों में 31 स्कूल, 124 पूजा स्थल और तीन स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं। सुहरयांतो ने कहा कि एजेंसी ने विस्थापित लोगों के लिए सुविधाओं के साथ 14 शरणार्थी आश्रय स्थल बनाए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अस्थायी तंबुओं को छोड़कर इन मुख्य आश्रय स्थलों में चले जाएं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, सुहरयांतो के अनुसार, बीएनपीबी ने खोज और बचाव कार्यों के लिए 6,000 से अधिक बचावकर्मियों को तैनात किया है।

यूरोपीय संसद ने रूस को आतंकवाद प्रायोजक देश घोषित किया, यूक्रेन पर हमलों का दिया हवाला

स्ट्रासबर्ग ।
यूरोपीय संसद (ईयू) ने रूस को आतंकवाद का प्रायोजक देश घोषित किया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्ट्स के हवाले से यह खबर सामने आ रही है। ईयू ने तर्क दिया कि मास्को के सैन्य हमलों ने उर्जा बुनियादी ढांचे, अस्पतालों, स्कूलों और आश्रयों जैसे नागरिक लक्ष्यों पर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया। इसने यूक्रेन पर किए हमलों को क्रूर और अमानवीय कृत्य करार दिया।

यूरोपीय संसद के सदस्यों ने कहा, रूस ने जानबूझकर यूक्रेन की नागरिक आबादी पर हमले किए और अत्याचार किया है। सदस्यों ने कहा कि मास्को ने नागरिक बुनियादी ढांचे का विनाश, मानवाधिकारियों का गंभीर उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के खिलाफ युद्ध अपराध का कार्य किया है, जो कि आतंकवादी कृत्य के समान है।

स्ट्रासबर्ग (फ्रांस) में मासिक पूर्ण सत्र के दौरान बुधवार की दोपहर प्रस्ताव के पक्ष में 494 वोट पड़े। जबकि इस प्रस्ताव के खिलाफ 58 सदस्यों ने वोट किया।

उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्वीट कर इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा- मैं यूरोपीय संसद द्वारा रूस को आतंकवाद प्रायोजक देश के रूप में घोषित करने के फैसले का स्वागत करता हूं। रूस को सभी स्तरों पर अलग-थलग किया जाना चाहिए और यूक्रेन व दुनियाभर में आतंकवाद के लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

हालांकि, कानूनी रूप से यूरोपीय संसद के प्रस्ताव बाध्य नहीं हैं। यूरोपीय संघ (ईयू) की मीडिया का राजनीतिक क्षेत्रों में विशिष्ट राजनीतिक पदों पर बढ़ावा देने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। जानकारों के मुताबिक, यूरोपीय संसद का यह कदम काफी हद तक प्रतीकात्मक है, क्योंकि यूरोपीय संघ के पास इसका समर्थन करने के लिए कोई कानूनी ढांचा नहीं है। पश्चिमी देश रूस पर पहले ही कड़े प्रतिबंध लगा चुके हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी अमेरिका और अन्य देशों से आग्रह किया था कि वे रूस को आतंकवाद प्रायोजक देश घोषित करें।

राजस्थान हाईकोर्ट को मिलेंगे जल्द आठ नए न्यायाधीश

जयपुर (हिंस)। न्यायाधीशों की कमी से जूझ रहे राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द ही आठ नए न्यायाधीश मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायिक कोटे से छह और वकील कोटे से दो नामों की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है। केंद्र सरकार इन नामों पर विचार करने के बाद जल्द ही इनके नियुक्ति वारंट राष्ट्रपति भवन से जारी होंगे। जानकारी के अनुसार न्यायिक कोटे से राजेंद्र प्रकाश सोनी, अशोक कुमार जैन, योगेंद्र कुमार पुरोहित, भुवन गोयल, प्रवीर भटनागर और आशुतोष कुमार का नाम भेजा गया है। वहीं वकील कोटे से अनिल उपमन और नूपुर भाटी का नाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को भेजा है। गौरतलब है कि तत्कालीन सीजे अकील कुरैशी के समय इन नामों की सिफारिश हाइकोर्ट कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट को भेजी थी। मालूम हो की राजस्थान हाइकोर्ट में न्यायाधीशों के कुल 50 पद स्वीकृत हैं। इनके मुकाबले 26 न्यायाधीश काम कर करे हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाइकोर्ट से जस्टिस टी राजा का राजस्थान हाइकोर्ट तबादला किया है। उनके पद ग्रहण करने के बाद यह संख्या बढ़कर 27 हो जाएगी।

गैस सिलेंडर में विस्फोट से एक महिला और उसके बेटे की मौत

पुंछ (हिंस)। जम्मू संभाग के पुंछ जिले के सुरनकोट में गुरुवार सुबह एक गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि विस्फोट के कारण लगी भीषण आग में हमीदा बेगम और अकीब हुसैन की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि कच्चे मकान का मालिक शौकत हुसैन इस घटना में घायल हो गया जिसे पुलिस ने उसे बचा लिया और उसका उपचार स्थनीय अस्पताल में जारी है। अधिकारियों को संदेह है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी जिससे रसोई में गैस सिलेंडर फट गया। उन्होंने कहा कि आग लगने की घटना में दो भैंसों की भी मौत हो गई और ढांचा पूरी तरह से नष्ट हो गया।

आठ साल में हरियाणा सरकार ने नहीं लगाया कोई पावर प्लांट: भूपेंद्र

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 8 साल में भाजपा और भाजपा-जेजेपी सरकार ने प्रदेश में कोई नया पावर प्लांट स्थापित नहीं किया। बिजली उपलब्धता को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही सरकार बताए कि एक भी यूनिट का नया उत्पादन किये बिना किस बात का श्रेय लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने बीते 8 साल में राज्य में एक मेगावाट भी बिजली उत्पादन नहीं बढ़ाया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हमने हरियाणा को पावर सरप्लस राज्य बनाया, लेकिन भाजपा सरकार दूसरों के किए काम का श्रेय लूटने में ही लगी है। हरियाणा की बिजली उत्पादकता और उपलब्धता को कम करने, पावर प्लांट्स को ठप करने, आम लोगों को महंगी बिजली का झटका देने के लिए ही मौजूदा सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि 2005 में जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी, उस समय बिजली व्यवस्था बुरी तरह से चरमराई हुई थी और हरियाणा की बिजली उत्पादन क्षमता मात्र 1550 मेगावाट थी। कांग्रेस सरकार ने 10 साल में खदेड़ (हिसार) में राजीव गांधी थर्मल पॉवर-1200 मेगावाट, झज्जर स्थित इंदिरा गांधी सुपर थर्मल पावर-1500 मेगावाट, झज्जर स्थित महात्मा गांधी सुपर थर्मल पावर-1320 मेगावाट, दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर यमुनानगर - 600 मेगावाट, पानीपत थर्मल पावर स्टेज-6-250 मेगावाट के बिजली कारखाने लगवाए। इसके अलावा भारत-अमेरिका के बीच हुए परमाणु समझौते के तहत फतेहाबाद के गांव गोरखपुर में 2800 मेगावाट का पहला परमाणु बिजली संयंत्र मंजूर कराकर काम शुरू कराया। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान ही हरियाणा में बिजली उत्पादन (उपलब्धता) 12,740 मेगावाट तक पहुंच गया था। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, हमारी सरकार ने 10 साल में कभी बिजली के दाम नहीं बढ़ाए, उल्टे किसानों के लिये बिजली के रेट कम किये। 2005 में जब कांग्रेस सरकार बनी थी तो प्रदेश का कुल बजट 2200 करोड़ रुपए था। उसमें से 1600 करोड़ रुपए के बिजली बिल माफ करने का ऐतिहासिक कदम उठाने का काम कांग्रेस सरकार ने किया था। हरियाणा में बिजली के 5 नए प्लांट लगवाए, सारी पुरानी लाइनों के तार बदलवाए, नए ट्रांसफार्मर लगवाए। कांग्रेस सरकार ने ही किसानों को देश में सबसे सस्ती 10 पैसे प्रति यूनिट बिजली देने की शुरुआत की थी और कांग्रेस कार्यकाल के दौरान हमने 2 लाख किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन दिए थे। भाजपा और भाजपा-जेजेपी ने अपने पूरे कार्यकाल में आज तक जनहित का ऐसा कोई कार्य नहीं किया।

किसान रैली के लिए निकले अंबाला मोहड़ा में

यमुनानगर (हिंस)। जिले के किसान अंबाला के मोहड़ा अनाज मंडी में होने वाली रैली के लिए गुरुवार सुबह भाकियू चढूनी के प्रदेश संयोजक बाबूराम गूंदियाना व जिला अध्यक्ष संजू गुंदियाना के नेतृत्व में हजारों की संख्या में यमुनानगर से रवाना हुए। जिला अध्यक्ष संजू गुंदियाना ने बताया कि किसान आंदोलन के 2 वर्ष पूरे होने पर और शहीद-ए-आजम सर छोटू राम की जयंती पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी की अध्यक्षता में मोहडा अनाज मंडी में किसानों की विशाल रैली रखी गई है।

भड़काऊ भाषण देने वाले गरमपंथी अमृतपाल के खिलाफ मामला दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में पिछले कई दिनों से भड़काऊ भाषण देने वाले गरमपंथी नेता अमृतपाल के खिलाफ पंजाब पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। अमृतपाल खुद को जरनैल सिंह भिंडरावाला का दूत बताता है। अमृतपाल के खिलाफ पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में लुधियाना में मामला दर्ज किया गया है। लुधियाना के एसीपी सुमित सूद के अनुसार गश्त के दौरान उन्हें सूचना मिली कि अमृतपाल सोशल मीडिया और एक चैनल पर इंटरव्यू दे रहा है। वह 21 नवंबर को प्रदेश कांग्रेस प्रधान राजा वड़िंग के एक ट्वीट के विरोध में कह रहा है कि ये लोग 32 बोर, 12 बोर देख कर ही चिल्लाने लग जाते है। जो हथियार अभी शो नहीं किए, उन्हें देख कर तो ये लोग जहर ही खा लेंगे। अमृतपाल इस तरह के बयान देकर युवा पीढ़ी को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। वह भड़काऊ बातें करके पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को मारने की धमकी दे रहा है। इसी के आधार पर पुलिस ने अमृतपाल के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

आटा-दाल स्कीम घोटाला पनसप महाप्रबंधक के खिलाफ केस दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की पूर्व अकाली-भाजपा सरकार के समय लागू हुए आटा-दाल योजना विवादों में घिर गई है। इस योजना को लागू करने में हुए घोटाले के चलते पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने बुधवार रात पनसप के महाप्रबंधक नवीन कुमार गर्ग के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि इस घपले के बारे ब्यूरो ने जांच के दौरान पाया कि साल 2015-16 में आटा-दाल स्कीम के अधीन आटा-दाल के वितरण के दौरान नवीन कुमार ने सरकारी खजाने को सीधा-सीधा दो करोड़ 20 लाख 52 हजार 042 रुपए का नुकसान पहुंचाया है। उसने इस स्कीम के अंतर्गत यूको बैंक के खाते में 43 करोड़ 74 लाख 98 हजार 681 रुपए जमा करवाने की बजाय सिर्फ 38 करोड़ 38 लाख 88 हजार 711 रुपए जमा करवाए। इस तरह नवीन कुमार ने पनसप के अन्य कर्मचारियों के साथ सांठगांठ कर पांच करोड़ 36 लाख 09 हजार 979 रुपए का गबन किया है। प्रवक्ता ने बताया कि नवीन कुमार ने पनसप में अपने कार्यकाल के दौरान पंजाब के निर्धारित सेवा नियमों को अनदेखा करते हुए विभाग के अलग-अलग मुलाजिमों को जारी चार्जशीट रफा-दफा की, जिससे राज्य सरकार को 64 करोड़ 64 लाख 36 हजार 854 रुपए का नुकसान हुआ।

सूटकेस में मिली युवती की लाश, जांच में जुटी पुलिस

फरीदाबाद (हिंस)। सूरजकुंड के अरावली की पहाड़ियों में गुरुवार को सूटकेस में युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। एफएसएल सहित अन्य टीमें भी मौका मुआयना करने पहुंची और युवती के हत्या की गुत्थी को जांचने में लगी रही। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि फरीदाबाद से पाली की ओर जाने वाले रोड पर करीब सौ मीटर अंदर जंगलों में एक सूटकेस पड़ा है, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और जब सूटकेस खोला तो उसमें युवती की लाश मिली, जो कि सड़ी गली पड़ी थी। पुलिस का कहना है कि लाश कई दिनों पुरानी लग रही है और हत्या करके शव को खुद बुर्द करने के उद्देश्य से यहां फेंक गया है। फिलहाल युवती की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे है और शव के पोस्टमार्टम के बाद हत्या कारणों का पता चल पाएगा। गौरतलब है कि इससे पूर्व मथुरा और गुड़गांव में भी सूटकेस में लाश हाल ही में मिली है, अब फरीदाबाद में सूटकेस में लाश मिलना किसी बड़े मामले की आशंका जता रहा है।

एनटीपीसी प्लांट को हाइड्रोलिक सिस्टम से चलाने की तैयारी

फरीदाबाद (हिंस)। मुजेड़ी गांव स्थित गैस आधारित एनटीपीसी प्लांट को अब हाइड्रोलिक सिस्टम में तब्दील किया जाएगा। इस प्लांट में गैस से 432 मेगावाट बिजली तैयार की जा रही है। यह बिजली हरियाणा राज्यों को ही सप्लाई होती है। गैस की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी के कारण हाइड्रोलिक सिस्टम से चलाया जाएगा। गुरुवार को प्रेस वार्ता में एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख के एन रेड्डी ने बताया कि गैस से बिजली तैयार करने में 14 रुपए यूनिट का खर्च आ रहा है। उन्होंने कहा कि गैस आधारित प्लांट के निर्माण के समय ही यहां पर 30 प्रतिशत प्लांट में हाइड्रोलिक सिस्टम लगाया गया। जिसे अब चालू किया जाएगा। दिसबंर 2023 तक इसका चेंज करने की योजना है। उन्होंने बताया कि सीएसआर के तहत प्लांट के आसपास के गांवों में सर्वांगीण विकास कार्य कराए जा रहे हैं। तिगांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डेंटल चेयर, डिलीवरी टेबल सहित अन्य उपकरण व सामग्री दी जाएगी। गांवों के स्कूलों में सोलर प्लांट व रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। केएन रेड्डी का कहना था कि लड़कियों के लिए भी कई कोर्स शुरू किए गए हैं। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक पीके गुप्ता, अपर महाप्रबंधक राकेश रंजन, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रवीण गर्ग, एसके सिंघल, वरिष्ठ प्रबंधक (पी एंड एस) शुधू राम, वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा) एवं अन्य विभाग अध्यक्ष उपस्थित रहे।

शिवसेना ने की जाकिर की गिरफ्तारी और फीफा वर्ल्ड कप के बहिष्कार की मांग

जम्मू (हिंस)। शिवसेना जम्मू कश्मीर ईकाई ने आपसी नफरत फैलाने और आतंकी गतिविधियों के आरोपी जाकिर नाइक की फीफा वर्ल्ड कप में उपस्थिति पर कड़ा विरोध जताते हुए मोदी सरकार से उसे तुरंत गिरफ्तार करने और देश की जनता से फीफा वर्ल्ड कप का बहिष्कार करने की अपील की है। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने गुरूवार कारे पार्टी मध्यवर्ती कार्यालय जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि गैर मुस्लिमों के खिलाफ नफरत फैलाने, जबरन धर्मांतरण करवाने, मनी लांड्रिंग, भड़काऊ भाषणों और आतंकी गतिविधियों के आरोपी जाकिर नाईक की कतर के फीफा वर्ल्ड कप में उपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए मोदी सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बना रेड कार्नर नोटिस जारी करते हुए उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। साहनी ने कहा कि खेल की आड में किसी भी देश को कट्टरवादी सोच को बढ़ावा देने का काम करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी मिल रही है कि कतर में फीफा वर्ल्ड कप के दौरान धार्मिक उपदेशों की आड में अन्य धर्मों के खिलाफ जहर उगला जा सकता है। इससे पहले भी अनेकों बार जाकिर अपने धार्मिक उपदेशों के माध्यम से अन्य धर्मों के खिलाफ जहर उगल चुका है। साहनी ने कहा कि मोदी सरकार अपने अंतर्राष्ट्रीय कद का इस्तेमाल कर जाकिर को गिरफ्तार कर भारत लाए। इसके साथ ही साहनी ने देश की जनता से भी फीफा वर्ल्ड कप के बहिष्कार करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सर्वेक्षण योजना का 29 को शुभारंभ करेंगी राष्ट्रपति : सीएम

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि आगामी 29 नवंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सर्वेक्षण योजना का शुभारंभ करेंगी। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के अंत्योदय परिवारों के एक करोड़ 60 लाख से अधिक व्यक्तियों का स्वास्थ्य सर्वे किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में चलाई जा रही ई-उपचार योजना के तहत 1.8 करोड़ लोगों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का डाटा उपलब्ध है।

पृष्ठ तीन का शेष

अपने इतिहास को ...

विभूतियों पर रिसर्च करना चाहिए इससे नया और सही इतिहास सामने आएगा और असत्य अपने आप इतिहास से अलग हो जाएगा। उन्होने कहा कि हमारे स्वतंत्रता के इतिहास के नायकों के बलिदान और साहस को देश के कोने-कोने में पहुंचाने से हमारी आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। अमित शाह ने कहा कि इतिहासकारों के अनुसार सरायघाट की लड़ाई में लाचित बरफुकन ने मुगलों की बड़ी-बड़ी तोपों और जहाजों का सामना अपनी छोटी-छोटी नावों और हथियारों से लैस सेना के बल पर किया। लाचित बरफुकन की सेना राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत प्रोत थी जबकि मुगल सेना में इसका अभाव था यही वजह थी कि संख्या, युद्ध की जानकारी, संसाधनों और हथियारों की दृष्टि से असमानता होते हुए भी लाचित बरफुकन की सेना ने लड़ाई में विजय प्राप्त की और अहोम राज्य की संप्रभुता, संस्कृति और सभ्यता को बचाया। उन्होने कहा कि बंगाल से लेकर कंधार तक कई युद्ध जीतने वाले रामसिंह ने लाचित बरफुकन की सेना से हारने के बाद आश्चर्य जताते हुए कहा था कि उन्होने नाव चलाने, तीर चलाने, खाइयां खोदने, बंदूकें और तोपें चलाने में माहिर असमिया सैनिकों की बहुमुखी प्रतिभा वाली ऐसी सैन्य टूकड़ी अपने जीवन में पहले कभी नहीं देखी। शाह ने कहा कि एक सजग और साहसी सेनापति ही ऐसी बहुमुखी प्रतिभा वाली सैन्य बना सकता है। लाचित बरफुकन ने सेनापति बनने के बाद बहुत कम समय में अपनी सेना को सभी प्रकार के युद्धों में माहिर बनाया। ब्रह्मपुत्र के माध्यम से असम में लड़ाई लड़ने के लिए मजबूत नौसेना तैयार करने के लिए लाचित बरफुकन ने सेना के प्रत्येक जवान को नौसेना में पारंगत बनाया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि लाचित बरफुकन ने मुगलों के हमले के समय किलेबंदी की जिम्मेदारी अपने मामा को सोंपी जिनका समय पर जवाब न आने के कारण देश प्रेम को स्वजन प्रेम से ऊपर रखते हुए लाचित बरफुकन ने अपने मामा का सर कलम कर दिया था। देशभक्ति की ऐसी मिसाल कहीं नहीं मिलती। देशभक्ति के रंग में पूरी तरह रंगा व्यक्ति ही ऐसा कर सकता है। इस घटना ने लाचित बरफुकन की पूरी सैन्य टूकड़ी में देशभक्ति की ज्वाला को प्रज्ज्वलित किया। अमित शाह ने कहा कि लाचित बरफुकन शिद्दत के साथ युद्ध जीतने के लिए संकल्पवान थे। सराईघाट युद्ध से पहले बीमार होते हुए भी लाचित बरफुकन ने युद्ध का फैसला किया। उनके कुछ सैनिकों ने उन्हें निर्बल मान सुरक्षित जगह पर ले जाने का प्रयास किए जाने के बाद भी बरफुकन ने मुगलों के खिलाफ युद्ध किया और विजय प्राप्त कर मुगलों के साथ पहले हुए युद्ध में अहोम साम्राज्य को नीचा दिखाने वाली अपमान जनक पराजय का इतनी वीरता के साथ बदला लिया कि इसके बाद किसी भी मुस्लिम आक्रांता ने तक असम पर हमला करने का साहस नहीं किया। अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा से अनुरोध किया कि लाचित बरफुकन के चरित्र का हिंदी और देश की 10 अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाना चाहिए जिससे देश का हर बच्चा लाचित बरफुकन के साहस और बलिदान से अवगत हो सके। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसीलिए आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का निर्णय ताकि हमारे युवाओं, बच्चों और नई पीढ़ी का आजादी के गुमनाम शहीदों और योद्धाओं से परिचय कराया जा सके और वे इससे प्रेरणा लेकर आजादी की कीमत समझें। इस मौके पर अमित शाह ने प्रसिद्ध इतिहासकार सूर्यकुमार भुइंयां का स्मरण करते हुए कहा कि भुइंयां ने लाचित बरफुकन के जीवन से जुड़े इतिहास का संपादन, अनुवाद और प्रकाशन कर उन्हें अमर करने का काम किया है। इसे देश के हर राज्य और हर भाषा में पहुंचाने की जरूरत है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर भारत में शांति और विकास स्थापित कर पूर्वोत्तर भारत को रेलवे और एयर रूट के माध्यम से मुख्य भारत से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को दिल से जोड़ा है। आज पूरा पूर्वोत्तर अपने आप को गर्व से भारत का हिस्सा महसूस कर रहा है और पूरा भारत मान रहा है कि हम एक ही देश और इतिहास का हिस्सा हैं, एक ही भूमि के लोग हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 8 साल में हमें बहुत सारी सफलताएं मिली हैं, जैसे अलगाववाद के कारण बने हथियारों से युक्त समूह हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। आज समय है इतिहास, संस्कृति, भाषा और धर्म के माध्यम से पूरे देश को एकजुट कर एक मजबूत भारत बनाने का और आज का यह असम सरकार का प्रयास इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए बहुत बड़ा कदम है जिसे आगे भी जारी रखा जाएगा। इससे समग्र देश के अंदर पूर्वोत्तर के लिए एक अनुभव जगेगा और पूर्वोत्तर को समग्र देश के लिए अहोभाव जगेगा।

भाजपा समान नागरिक...

अध्यक्षता में एक पैनल गठित किया है जिसके समक्ष विभिन्न धर्मों के लोग खुलकर अपने विचार रख रहे हैं। पैनल की रिपोर्ट आने के बाद से इन राज्यों में कार्रवाई की जाएगी। एक सवाल के जवाब में शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाना सबसे बड़ी सफलता है।

खसरा : राज्यों को ...

बाबू ने कहा कि इस संबंध में नीति आयोग के विशेषज्ञों के साथ बुधवार को एक बैठक की गई। मिली जानकारी के आधार पर राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को संवेदनशील क्षेत्रों में नौ माह से पांच साल तक के सभी बच्चों को टीके की अतिरिक्त खुराक देने पर विचार करने की सलाह दी गई है। सरकार ने कहा है कि यह खुराक नौ से 12 महीने के बीच दी जाने वाली पहली खुराक और 16 से 24 माह के बीच दी जाने वाली दूसरी खुराक के अतिरिक्त होगी। राज्य और केंद्र-शासित प्रदेशों के प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करनी होगी।

पांच लोगों के ...

अपराधी सड़क पर आया और उसने राहगीरों पर हमला करना शुरू कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप रिक्शे पर जा रहे दो लोगों को गंभीर चोटें आईं। बाद में उनमें से एक व्यक्ति कृष्णा दास ने खोवाई अस्पताल में दम तोड़ दिया। इसके बाद खोवाई थाना प्रभारी सत्यजीत मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उसे हिरासत में लेने की कोशिश करने लगे, तो देबरॉय ने मलिक पर भी हमला कर दियाऔर बाद में अगरतला के एक सरकारी अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई।

मुइक्रोंग घटना : केएसयू ...

मारे गए मेघालय के 5 नागरिकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए मोमबत्ती जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। यूएसटीएम के प्रवेश द्वार पर कैंडल मार्च आयोजित किया गया था। जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ-साथ किलिंग और बारिदुआ और केएसयू उत्तरी सीमा क्षेत्र के ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

गुजरात चुनाव : पहले ...

रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे पुरानी पार्टी पहले चरण में सभी 89 सीटों पर चनाव लड़ रही है। कांग्रेस के आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों की संख्या 31 है। वहीं, सत्तारूढ़ भाजपा भी पहले चरण में सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले 14 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि प्रतिशत के लिहाज से ऐसे उम्मीदवारों की कुल संख्या का 16 फीसदी है और 12 फीसदी उम्मीदवार गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं। भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के 14 फीसदी उम्मीदवार पहले चरण में चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें चार उम्मीदवार (29 फीसदी) आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। उसके कुल सात फीसदी उम्मीदवारों पर इस बार गंभीर आपराधिक मामले हैं। एडीआर की रिपोर्ट में बताया गया हैकि 2017 के विधानसभा चुनावों में पहले चरण में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में से 15 फीसदी दागी थे, जबकि आठ फीसदी उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि गंभीर आपराधिक मामलों वाले कुछ उम्मीदवारों में भाजपा के जनक तलविया और कांग्रेस के वसंत पटेल भी शामिल हैं। आपराधिक रिकॉर्ड वाले अन्य उम्मीदवारों में भाजपा के पुरुषोत्तम सोलंकी, कांग्रेस के गनीबेन ठाकोर और जिग्नेश मेवानी, आप के गोपाल इटालिया और अल्पेश कठेरिया शामिल हैं।

जामा मस्जिद में ...

देखने के लिए आने वाले लोगों को उसकी शुचिता बनाकर रखनी होगी। जामा मस्जिद के प्रशासन ने इसके मुख्य द्वारों पर नोटिस लगाया था, जिसमें कहा गया था कि मस्जिद में लड़कियों के अकेले या समूह में प्रवेश पर रोक है। इस फैसले पर विवाद शुरू होने के बाद शाही इमाम ने आज दिन में कहा था कि यह आदेश नमाज पढ़ने वालों के लिए नहीं है। मस्जिद प्रशासन के सूत्रों ने कहा कि तीन मुख्य प्रवेश द्वारों के बाहर कुछ दिन पहले नोटिस लगाए गए थे, जिन पर तारीख नहीं है।

गहलोत का पायलट...

बचाने में सहयोग किया, वरना सरकार बच नहीं सकती थी। बिना हाईकमान कोई सीएम सरकार बचा ही नहीं सकता। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री ऐसा नहीं है जो हाईकमान के बिना विधायकों का समर्थन ले ले। जिसने पार्टी के साथ गद्दारी की, गद्दारी किए हुए आदमी को हमारे विधायक कैसे स्वीकार कर सकते हैं। हम उम्मीद नहीं कर सकते थे कि पार्टी का अध्यक्ष अपनी ही पार्टी की सरकार गिराने के लिए विपक्ष से मिल जाए। इतिहास में आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ। इसी वजह से विधायक, पायलट का नाम सुनते ही नाराज थे।

एम्स में दूसरे दिन ...

वापस लाया जा सके। एम्स ने कहा कि सभी आपातकालीन और नियमित रोगी देखभाल सेवाएं और प्रयोगशाला सेवाएं मैन्युअल रूप से चलाई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि बुधवार की सुबह दिल्ली एम्स का सर्वर अचानक डाउन हो गया था। जिससे अस्पताल के सभी ऑनलाइन कार्य प्रभावित रहे। इस घटना पर एम्स ने साइबर हमले की आशंका जताई है। जिसको लेकर जांच किया जा रहा है।

नोटबंदी मामला : चिदंबरम ...

कर सकती है। आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश पर ही किया जा सकता है। पी चिदंबरम ने पीठ से यह भी कहा कि यह सबसे अपमानजनक निर्णय लेने की प्रक्रिया है जो कानून के शासन का मखौल उड़ाती है। इस प्रक्रिया को गंभीर रूप से दोषपूर्ण होने के कारण खत्म किया जाना चाहिए। नोटबंदी एक प्रमुख आर्थिक निर्णय था, जिसके कारण देश का प्रत्येक नागरिक प्रभावित हुआ। उन्होंने नोटों को विमुद्रीकृत करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 26 को लागू करने के लिए केंद्र सरकार की शक्ति पर सवाल भी उठाया। उन्होंने कहा कि धारा 26 (2) केंद्र को करेंसी नोटों की केवल कुछ श्रृंखलाओं को रद्द करने की शक्ति देती है ना कि एक मूल्यवर्ग के संपूर्ण नोटों रद्द करने की। इस दौरान वरिष्ठ वकील चिदंबरम ने अन्य भी कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के संभावित भयानक परिणामों का आकलन, शोध या दस्तावेजीकरण नहीं किया गया था। इस मामले में सुनवाई अगले हफ्ते जारी रहेगी। पीठ केंद्र के 8 नवंबर, 2016 के दो नोटों के विमुद्रीकरण के फैसले को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। गौरतलब है कि 16 दिसंबर, 2016 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टीएस ठाकुर की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसले की वैधता और अन्य संबंधित मामलों को एक आधिकारिक फैसले के लिए पांच न्यायाधीशों की एक बड़ी बेंच को भेजा था।

फीफा विश्व कप में ...

उन्होंने कहा कि भारत ने कतर के सामने जाकिर नाइक के वांटेड होने का मुद्दा उठाया है, जिसपर कतर ने भारत से कहा है कि फीफा विश्व कप 2022 (फीफा विश्व कप 2022) में भाग लेने के लिए जाकिर नाइक को किसी प्रकार का कोई निमंत्रण नहीं दिया गया था। मालूम हो कि कतर इस साल फीफा विश्व कप 2022 का मेजबानी कर रहा है। इस दौरान भारत में मनी लांड्रिंग के आरोपी और भड़काऊ भाषण देने के साथ कई आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोपी जाकिर नाइक कतर पहुंचा है।

श्रद्धा हत्याकांड : लव ...

कहा कि हिमंत विश्व शर्मा सियासी खेल खेल रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध की वजह पुरुषों की बीमार मानसिकता है। सिर्फ श्रद्धा हत्याकांड ही नहीं, आजमगढ़ में एक लड़की के छह टुकड़े, दिल्ली में ड्रग एडिक्ट द्वारा मां-बाप की हत्या हुई। भाजपा के लोग इस पर कुछ क्यों नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि यूएन ने भी कहा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने की जरूरत है। लेकिन, भाजपा सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ नफरत पैदा करना चाहती है। इस दौरान आवैसी ने कांग्रेस के आरोप पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि हमने गुजरात में आकर खेल बिगाड़ दिया है, लेकिन राहुल गांधी बताएं वह अमेठी क्यों हारे? वहां तो हम नहीं थे। उन्होंने कहा कि हमारे 13 उम्मीदवार लड़ रहे हैं। बाकी की सीटों पर वे भाजपा को हराकर मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन जाते। ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस हैदराबाद में हमारे खिलाफ लड़ती है तब तो हम नहीं रोते। एक रैली के दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बेरोजगारी को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मैं एक लड़के से मिला था, उसने बताया कि मैं जिस लड़की से शादी करना चाहता हूं, उसने मुझसे आकर कहा कि तुम्हारी सरकारी नौकरी कब लगेगी? पापा लड़का ढूंढ रहे हैं। इस पर लड़के ने जवाब दिया कि मोदी सरकार पर भरोसा न करो, तुम शादी कर लो।

महाराष्ट्र के राज्यपाल ...

नहीं समझ सकते तो उन्हें अपना पद छोड़ने पर विचार करना चाहिए। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज लोगों के कल्याण के लिए एक महान आदर्श थे, न कि स्वार्थ के लिए। इन आदर्शों ने महाराष्ट्र को प्रेरित किया है और हमेशा के लिए ऐसा करना जारी रखेंगे। पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोश्यारी की टिप्पणी पर संज्ञान लेना चाहिए। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राज्यपाल के बयान का बचाव करते हुए कहा कि जब तक सूर्य और चंद्रमा का अस्तित्व रहेगा तब तक शिवाजी आदर्श रहेंगे। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र और हमारे देश के नायक और आदर्श बने रहेंगे। यहां तक कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के मन में भी इस बारे में कोई संदेह नहीं है। इस प्रकार, राज्यपाल द्वारा की गई टिप्पणी के विभिन्न अर्थ निकाले गए हैं। मुझे लगता है कि देश में शिवाजी महाराज के अलावा कोई अन्य आदर्श नहीं है। त्रिवेदी द्वारा दिए गए बयान पर सफाई देते हुए फडणवीस ने कहा कि मैंने सुधांशु त्रिवेदी द्वारा दिया गया बयान स्पष्ट रूप से सुना है। उन्होंने कभी ऐसा कोई बयान नहीं दिया कि शिवाजी महाराज ने माफी मांगी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत *बालासाहेबांची शिवसेना* राज्यपाल के बयान के बाद केंद्र से उन्हें बदलने की मांग करते हुए कहा कि कोश्यारी ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक के खिलाफ टिप्पणी की है और अतीत में भी विवादों को जन्म दिया है। शिंदे गुट के एक विधायक ने कहा कि राज्यपाल को समझना चाहिए कि छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श कभी पुराने नहीं पड़ते और उनकी तुलना दुनिया के किसी भी अन्य महान व्यक्ति से नहीं की जा सकती है। मेरा केंद्र के भाजपा नेताओं से अनुरोध है कि जिस व्यक्ति को राज्य के इतिहास का नहीं पता है, कैसे यह काम करता है, उसे दूसरी जगह भेजा जाना चाहिए।

बेटी के कारण बिक ...

हमारी बात चल रही है। इस बीच टीपीसीएल ने कहा है कि वह दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए उचित घोषणाएं करेगी। बिसलेरी कारोबार को बेचने के पीछे क्या कारण हैं, जब यह पूछा गया तो चौहान ने कहा कि किसी को तो इसे संभालना होगा। दरअसल उनकी बेटी जयंती की दिलचस्पी कारोबार को संभालने में नहीं है। बिसलेरी इंटरनेशनल के प्रवक्ता ने बाद में बयान में कहा कि अभी हमारी बात चल रही है, इससे अधिक जानकारी नहीं दी जा सकती है। चौहान ने तीन दशक पहले अपने सॉफ्ट ड्रिंक कारोबार को अमेरिकी पेय पदार्थ कंपनी कोका-कोला को बेच दिया था।

असीम मुनीर पाक ...

सेवानिवृत्त होने वाले हैं। बाजवा (61) को 2016 में तीन साल के लिए सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था। उन्हें 2019 में तीन साल का सेवा विस्तार दिया गया था। उन्होंने अपने कार्यकाल के और विस्तार का अनुरोध करने की संभावना से इंकार कर दिया था। लेफ्टिनेंट जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी का अध्यक्ष चुना गया है। पाकिस्तान की सूचना एवं प्रसारण मंत्री मरियम औरंगजेब ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पीएम शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ और लेफ्टिनेंट जनरल सैयद असीम मुनीर को थल सेनाध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला किया है। सूचना मंत्री ने ट्विटर पर लिखा कि मुनीर को देश की शक्तिशाली सेना का नया प्रमुख बनाया गया है।

डिजाइनर बालियों में नहीं दिखेंगी एयर इंडिया होस्टेस: बिंदी का साइज, चूड़ी की संख्या तय...मेल क्रू के हेयरस्टाइल पर भी गाइडलाइन

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की एअर इंडिया ने केबिन अटेंडेंट के लिए ग्रूमिंग गाइडलाइंस जारी की है। इसमें बिंदी के साइज से लेकर चूड़ी की संख्या तय की गई है। गाइडलाइन में कहा गया है कि बिंदी का साइज 0.5 से ज्यादा नहीं होना चाहिए। एक से ज्यादा चूड़ी पहनने की भी इजाजत नहीं है। मेल क्रू के हेयरस्टाइल का भी गाइडलाइन में जिक्र है।

कम बाल वाले मेल क्रू मेंबर्स को रखना होगा बाल्ड लुक - रिपोर्ट के मुताबिक, एअर इंडिया ने ग्रूमिंग गाइडलाइंस में मेल क्रू के उन मेंबर्स को जिनके बाल कम हैं या जिन्हें गंजापन है, उन्हें क्लीन शेव्ड सिर यानी बाल्ड लुक रखने को कहा है। ऐसे क्रू मेंबर को अपने सिर को रोजाना शेव करने को भी कहा गया है। वहीं सिर पर बिखरे हुए बाल, या लंबे उलझे बाल वाली हेयरस्टाइल भी नहीं रख सकते।

फीमेल क्रू नहीं पहन सकेंगी मोती की बालियां - फीमेल क्रू मेंबर्स को पर्ल इयररिंग्स यानी मोती की बालियां पहनने की परमिशन नहीं है। बिंदी ऑप्शनल है, लेकिन उसका साइज 0.5 ष्द्ध से ज्यादा नहीं होना चाहिए। विमेन क्रू हाथों में सिर्फ एक चूड़ी पहन सकती हैं, लेकिन इसमें शर्त यह है कि चूड़ी में कोई डिजाइन या स्टोन नहीं होना चाहिए।

बालों को बांधने के लिए हाई टॉप नॉट पाबंदी - इसके अलावा विमेन क्रू बालों को बांधने के लिए हाई टॉप नॉट और लो बन्स स्टाइल का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं। फीमेल क्रू बिना किसी डिजाइन वाली सिर्फ गोल्ड और डायमंड की राउंड शेप्ड इयर रिंग्स पहन सकती हैं। साड़ी और इंडो-वेस्टर्न वियर दोनों के साथ स्किन टोन से मेल खाने वाली शीयर काल्फ लेंथ स्टॉकिंग्स अनिवार्य हैं।

दोनों हाथों में सिर्फ एक-एक रिंग की परमिशन - वहीं दोनों हाथों में सिर्फ एक-एक रिंग पहने की परमिशन है, लेकिन इसमें शर्त यह है कि अंगूठी 1 से ज्यादा चौड़ाई वाली नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा फीमेल क्रू मेंबर्स को सिर्फ चार बॉबी पिन यूज करने की परमिशन दी गई है। मेंहदी लगाने की भी अनुमति नहीं है।

धार्मिक या काले धागे बांधने की अनुमति नहीं - गाइडलाइंस में कहा गया है कि कलाई, गर्दन और एंकल पर धार्मिक या काले धागे को बांधने की अनुमति नहीं है। पहले की गाइडलाइंस में यह भी कहा गया था कि क्रू को पब्लिक एरिया में प्लास्टिक बैग या शॉपिंग बैग ले जाने की भी परमिशन नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

ट्विटर की लागत में कटौती के लिए मस्क का बड़ा फैसला, ट्रैवल वेंडर्स के बिलों के भुगतान से इनकार

वाशिंगटन । एलन मस्क के टेकओवर के बाद से ट्विटर कई बड़े बदलावों से गुजर रहा है। कर्मचारियों की छंटनी, पॉलिसी में बदलाव, पेड वैरिफिकेशन और न जाने कितने परिवर्तन ट्विटर में किए गए हैं। अब एक और नई खबर है। जानकारी के मुताबिक, ट्विटर ने अपने ट्रैवल वेंडर्स के बकाया बिलों का भुगतान करने से इनकार कर दिया है। इन वेंडर्स का लाखों डॉलर का बिल ट्विटर पर बकाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्विटर ने अधिग्रहण से पहले कर्मचारियों के यात्रा भत्ता मद में लाखों डॉलर खर्च किए गए थे। इन यात्राओं के सभी बिलों को कर्मचारियों ने लगाया था, जिनके भुगतान के लिए एलन मस्क ने मना कर दिया है। मस्क का कहना है कि सैकड़ों-हजारों डॉलर के यात्रा चालानों को उन्होंने अधिकृत नहीं किया था, ऐसे में वह उनसे पहले के और वर्तमान के बिलों का भुगतान नहीं करेंगे। ट्विटर में लागत में कटौती का आलम यह है कि ट्रैवल वेंडर्स के फोन कॉल तक को कर्मचारियों ने उठाना तक बंद कर दिया है। इससे ट्रैवल वेंडर्स में बड़ा असंतोष है, खासकर उन वेंडर्स में, जिनके लाखों डॉलर का बिल बकाया है। बता दें, इससे पहले भी एलन मस्क लागत में कटौती को लेकर कई कदम उठा चुके हैं। इसमें कर्मचारियों की छंटनी, कर्मचारियों की सुविधाएं कम करना जैसे फैसले शामिल हैं। ट्विटर पर अधिग्रहण के बाद मस्क ने कंपनी का खर्च कम करने के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। यहां तक कि वह सार्वजनिक तौर पर इस बात को भी स्वीकार कर चुके हैं कि ट्विटर के दीवालिया होने की आशंकाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

वैश्विक मंदी की आशंका से भारत अलग, रोजगार में मजबूत वृद्धि की संभावना

नई दिल्ली । व्यापार सेवा प्रदाता कंपनी क्वेस कॉर्प के संस्थापक और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष अजीत आइजेक ने कहा है कि भारत दुनिया के बाकी हिस्सों की मंदी की संभावना से काफी हद तक अलग हो गया है। मौजूदा भर्ती के रुझान से संकेत मिलता है कि देश में कुछ वर्षों में एक मजबूत रोजगार वृद्धि दर देखने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में मंदी की आशंकाओं के बीच भारत बेहतर कर रहा है। ऐसे में यहां मंदी का खतरा कम दिखता है। हम भारत का विकास होता देखते रहेंगे। भले ही भारत का विकास दर आठ प्रतिशत प्रतिशत से कम हो, पर विकास जारी रहेगा। हमने वर्ष 2000 से वर्ष 2007 के बीच देश में रोजगार में बहुत अच्छी वृद्धि देखी थी। देश की जीडीपी जो वर्ष 2000 में 470 बिलियन डॉलर थी वह वर्ष 2007 में 1.4 ट्रिलियन डॉलर हो गई। हम यह उपलब्धि एक बार फिर हासिल कर सकते हैं अगर विकास के जो ट्रेंड हम देख रहे हैं, वह जारी रहें। आइजेक बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे। क्वेस कॉर्प ने अपने मानव संसाधन सेवा पोर्टफोलियो को मजबूत करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक निवेश के रूप में 2018 में मॉन्स्टर वर्ल्डवाइड के व्यवसायों का अधिग्रहण किया था। यह कंपनी भारत, सिंगापुर, मलेशिया, फिलीपींस, हांगकांग, वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में काम कर रही है।

ईडी ने अल्फाजियो लिमिटेड से जुड़े 16 करोड़ के एफडी जब्त किए, फेमा के तहत हुई कार्रवाई

नई दिल्ली । ईडी ने अल्फाजियो लिमिटेड से संबंधित 16 करोड़ रुपये के सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) जब्त किए हैं। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से यह कार्रवाई फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के प्रावधानों के तहत की गई है। ईडी ने केरल से जुड़े एक मामले में 3.25 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को कहा कि उसने धन शोधन रोधी कानून के तहत 3.25 करोड़ रुपये की नकद राशि जब्त की है। यह राशि पुलिस ने केरल में दो लुटेरों से जब्त की थी, यह राशि उन्होंने एक ऑटो रिक्शा चालक से लूटी थी। ईडी की ओर से एक बयान में कहा गया है कि एजेंसी की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है।

डॉलर के मुकाबले 26 पैसे मजबूत हुआ रुपया अमेरिकी मुद्रा में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के ऊंचे स्तर से गिरने के कारण गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे मजबूत होकर 81.67 रुपये के लेवल पहुंच गया। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज पर घरेलू इकाई डॉलर के मुकाबले 81.72 पर खुली, फिर अपने पिछले बंद भाव से 26 पैसे की वृद्धि दर्ज करते हुए 81.67 पर पहुंच गई। व्यापक आधार वाली डॉलर की कमजोरी से शुरुआती कारोबार में रुपया मजबूत हुआ है। ग्लोबल रिसर्च एकेडमी ने एक रिसर्च नोट में कहा है कि साइडवेज प्राइस एक्शन के साथ इसके 81.55-81.85 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। डॉलर सूचकांक जो छह मुद्राओं की एक बास्केट की तुलना में 0.41 प्रतिशत गिरकर 105.63 पर आ गया है।

ऐसा कमजोर अमेरिकी डेटा और फेड के मिनट्स जारी किए जाने के बाद हुआ है। आईएफए ग्लोबल रिसर्च एकेडमी के अनुसार फेड की नवीनतम बैठक के मिनट्स से संकेत मिले हैं कि अधिकांश फेड सदस्य दर वृद्धि की गति को धीमा करने के समर्थन में थे, लेकिन विभिन्न फेड सदस्यों ने दरों को भी प्राथमिकता दी है।

कोटक सिक्योरिटीज के एनालिस्ट रविंद्र राव के अनुसार बुधवार को एफओएमसी बैठक के मिनट्स जारी होने के बाद अमेरिकी डॉलर गिर गया। यह पहले से अपेक्षित था, यह दर्शाता है कि अधिकांश नीति निर्माता धीमे दर वृद्धि के दृष्टिकोण के साथ थे क्योंकि हाल ही में फेड के आक्रामक रुख से आर्थिक विकास प्रभावित हुआ है।

पिछले सत्र में अमेरिकी डॉलर सूचकांक 106.03 के दिन के निचले स्तर के करीब बंद हुआ, जो 1प्रतिशत से अधिक की गिरावट है। हालांकि फेड के मिनट्स ने जंबो दर वृद्धि के अंत के संकेत दिए हैं, लेकिन नीति निर्माता इस बात को लेकर अनिश्चित दिखे कि दर वृद्धि का अंत कब होगा। फेड द्वारा छोटी दरों में बढ़ोतरी जोखिम वाले लोगों के साथ-साथ सोने जैसी सुरक्षित आश्रय संपत्ति के लिए सकारात्मक है क्योंकि यह डॉलर की कमजोरी का समर्थन करता है। ग्लोबल ऑयल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.21 फीसदी गिरकर 85.23 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। घरेलू इक्विटी बाजार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 180.14 अंक या 0.29 प्रतिशत बढ़कर 61,690.72 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह, व्यापक एनएसई निफ्टी 66.50 अंक या 0.36 प्रतिशत बढ़कर 18,333.75 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक बुधवार को पूंजी बाजार में नेट सेलर रहे, उन्होंने कुल 789.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रिलायंस की जगह बिसलेरी के लिए टाटा ग्रुप को चुना गया

नई दिल्ली ।

शीतल पेय ब्रांड थम्स अप, गोल्ड स्पॉट और लिम्का को कोका-कोला को बेचने के लगभग तीन दशक बाद रमेश चौहान बिसलेरी इंटरनेशनल को टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड को लगभग 6,000-7,000 करोड़ में बेच रहे हैं। इस खबर के बाद टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयरों में 2.68 प्रतिशत यानी 20.65 रुपये की बढ़त आई है। फिलहाल यह 790.80 रुपये के लेवल पर कारोबार कर रहा है।

मीडिया के साथ एक बातचीत में 82 वर्षीय रमेश चौहान ने इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने अपनी कंपनी को बेचने के लिए टाटा समूह को ही क्यों चुना जबकि बिसलेरी को खरीदने के लिए रिलायंस और नेस्ले जैसी दिग्गज कंपनियां भी इच्छा जाहिर कर चुकी थीं

चौहाने के अनुसार बिसलेरी को किसी और को सौंपना उनके लिए एक मुश्किल फैसला रह। पर उन्हें यह फैसला लेना पड़ा, क्योंकि उनके पास इसे आगे ले जाने के लिए उत्तराधिकारी नहीं है। उनकी बेटी को इस बिजनेस में रुचि नहीं है। बिसलेरी भारत की सबसे बड़ी पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर बेचने वाली कंपनी है। टाटा ग्रुप को ही ब्रांड को सौंपने का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि मैं टाटा समूह की ईमानदारी और जीवन मूल्यों को सम्मान करने वाली संस्कृति को पसंद करता हूं।

यही कारण है कि अपने ब्रांड को सौंपने के लिए मैंने टाटा ग्रुप का चयन किया। हालांकि इसे खरीदने के लिए दूसरे पक्ष भी बहुत दिलचस्पी ले रहे थे। टाटा ग्रुप के शीर्ष अधिकारियों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वे अच्छे लोग हैं, मैं उन्हें पसंद करता हूं। बता दें कि बीते कुछ समय में बिसलेरी के संस्थापक रमेश चौहान, टाटा सन्स के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन और टाटा कंज्यूमर्स के सीईओ सुनील डीसूजा के बीच कई मुलाकातें हो चुकी हैं। साथ ही चौहान ने यह भी बताया कि वह बिसलेरी के टाटा समूह का हिस्सा बनने के बाद कंपनी में माइनॉरिटी स्टेक भी नहीं लेना चाहते हैं।

डीजीसीए ने उड़ान प्रशिक्षण संगठनों की निगरानी बढ़ाई, लगेंगे हाई रिजॉल्यूशन कैमरे

नई दिल्ली ।

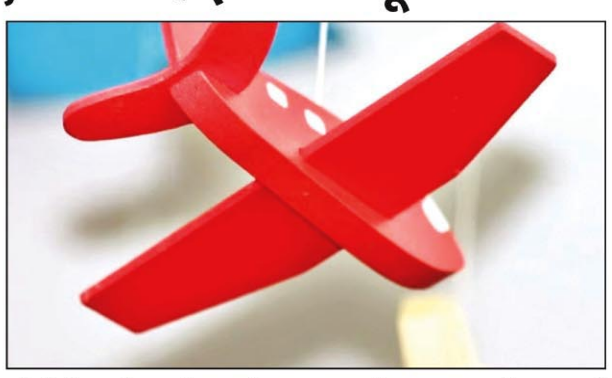

विमानन नियामक डीजीसीए ने प्रशिक्षण गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उड़ान प्रशिक्षण संगठनों की निगरानी बढ़ाने का फैसला किया है। इसके के लिए उड़ान प्रशक्षिण संगठनों के परिसरों में हाई रिजॉल्यूशन कैमरे लगाने समेत कई अन्य उपाय किए जाएंगे। विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (एफटीओ) को प्रशिक्षण उड़ानों के डेटा की निगरानी करते हुए इसे रिकॉर्ड करना चाहिए। डीजीसीएक के अनुसार, उन्हें कम से कम 25 प्रतिशत उड़ान डेटा का दैनिक आधार पर विश्लेषण किया जाना चाहिए। यह कदम प्रशिक्षण उड़ानों से जुड़ी घटनाओं के साथ-साथ कुछ व्यक्तियों की ओर से प्रशिक्षण के दौरान अधिकृत उड़ान योजना का पालन नहीं करने की घटनाओं के बाद उठाया गया है। इस साल अगस्त के अंत में 35 एफटीओ थे। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक परिपत्र में कहा है कि उपरोक्त कदम का उद्देश्य संचालन की सुरक्षा के साथ-साथ प्रशिक्षण गुणवत्ता में सुधार करते हुए एफटीओ की उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाना है। डीजीसीए के अनुसार उड़ान प्रशिक्षण गतिविधियों की उचित दृश्यता सुनिश्चित करने के लिए सभी एफटीओ को अपने परिसरों में उच्च रिज़ॉल्यूशन के कैमरे लगाने चाहिए। 22 नवंबर को जारी सर्कुलर के मुताबिक कैमरों को एप्रन क्षेत्र, हैंगर व टैक्सीवे के साथ रनवे, कक्षाओं, परीक्षा कक्ष और उन क्षेत्रों में लगाए जाने चाहिए जहां उड़ान प्राधिकरण अधिकृत हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड के ब्याज पर अनुदान की घोषणा, आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए संशोधन के साथ ब्याज अनुदान योजना (आईएसएस) को जारी रखने को मंजूरी दे दी है। आरबीआई बुधवार को एक बयान में कहा कि किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से 3,00,000 रुपये तक के अल्पकालिक ऋण के लिए ब्याज दर सात प्रतिशत होगी। चालू वित्त वर्ष 2022-23 और अगले वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ब्याज अनुदान 1.5 प्रतिशत होगा। खेती और संबद्ध गतिविधियों के लिए 3 लाख रुपये की कुल सीमा तक अल्पावधि फसल ऋण और अल्पावधि ऋण प्रदान करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। ऋण देने वाली संस्थाओं को ब्याज अनुदान प्रदान किया जाए इस उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, निजी क्षेत्र के बैंक, लघु वित्त बैंक और कम्प्यूटरीकृत प्राथमिक कृषि सहकारी समितियाँ को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के साथ तहत कर दिया गया है। आरबीआई के अनुसार ब्याज में छूट की गणना ऋण राशि पर संवितरण/निकासी की तारीख से किसानों की ओर से ऋण की वास्तविक चुकौती की तारीख तक या बैंकों की ओर से निर्धारित ऋण की देय तिथि तक, जो भी पहले हो पर की जाएगी। यह छूट एक वर्ष की अधिकतम अवधि के लिए होगी। विशेष रूप से, समय पर भुगतान करने वाले किसानों को 3 प्रतिशत प्रति वर्ष की अतिरिक्त ब्याज सहायता प्रदान की जाएगी। ब्याज पर अनुदान आमतौर पर कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह की स्थिरता सुनिश्चित करता है और साथ ही वित्तीय स्वास्थ्य और ऋण देने वाली संस्थाओं की व्यवहार्यता सुनिश्चित करता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पर्याप्त कृषि ऋण सुनिश्चित करता है।

एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 14 फीसदी गिरावट, कर्ज वृद्धि के लिए बैंकिंग सिस्टम हो बेहतर

नई दिल्ली ।

देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) इक्विटी प्रवाह चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में 14 फीसदी घटकर 26.9 अरब डॉलर रहा। डीपीआईआईटी के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 31.15 अरब डॉलर था। कुल एफडीआई प्रवाह भी चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में घटकर 39 अरब डॉलर रह गया। बीमा नियामक इरडा ने बीमा कंपनियों से ओपीडी और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए डॉक्टरों या अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों का नेटवर्क बनाने के लिए हेल्थकेयर प्रोफेशनल रजिस्ट्री (एचपीआर) का लाभ उठाने को कहा है। एचपीआर के तहत केवाईसी या आधार का उपयोग कर स्वास्थ्य सेवाओं के पेशेवरों की आईडी बनाई जाती है। इसमें मेडिकल योग्यता भी शामिल होती है।

भारतीय बीमा एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बुधवार को कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने एचपीआर को शामिल किया है। यह पूरे भारत में आधुनिक और पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले पेशेवरों के पंजीकृत और सत्यापित डॉक्टरों का एक भंडार है। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों की पेशकश करने वाली सामान्य और हेल्थ बीमा कंपनियां भी ओपीडी या अन्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए रजिस्ट्री का लाभ उठाने पर विचार कर सकती हैं। भारतीय बैंकिंग प्रणाली ऊंची कर्ज वृद्धि को बनाए रखने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। एसबीआई चेयरमैन दिनेश खारा ने बुधवार को कहा, पिछली बार की कर्ज वृद्धि से सबक लेते हुए इस बार इसकी पहले से तैयारी की गई है। उन्होंने कहा, इस समय टिकाऊ विकास देखने को मिल रहा है ।बैंकिंग प्रणाली ने कई वर्षों तक वार्षिक कर्ज वृद्धि को दो अंकों में ले जाने के लिए संघर्ष किया था। अब यह काफी उच्च स्तर पर है। खारा ने कहा कि कई सारे बदलाव हैं, जिनसे बैंकों को मदद मिली है। इसमें दिवालिया कोड, जीएसटी नेटवर्क डाटा, रेटिंग इकोसिस्टम और क्रेडिट ब्यूरो जैसे कारक हैं। उन्होंने कहा, 2047 तक जीडीपी को 40 लाख करोड़ डॉलर तक ले जाना बड़ा कार्य है। किसी के बैंक खाते में न्यूनतम जमा से कम रकम है तो इस पर कितना जुर्माना लगाना है यह संबंधित बैंक ही तय करेगा। वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने कहा कि बैंक के पास बोर्ड होता है और वह खुद एक स्वतंत्र बॉडी है। इस पर सरकार कोई फैसला नहीं करेगी। उन्होंने जम्मू कश्मीर में जनधन योजना को बढ़ाने के लिए बैंकों को विशेष अभियान आयोजित करने को कहा है। देश में एक लाख आबादी पर 49,135 जनधन खाते हैं। जम्मू कश्मीर में यह 21,252 है।

सेबी ने कहा कि तकनीकी दिक्कतों की वजह से पांच दिन तक पीएसीएल निवेशकों के रिफंड की प्रक्रिया बंद रहेगी। फिलहाल इस पोर्टल पर गड़बड़ी को ठीक किया जा रहा है। यह पोर्टल 31 जनवरी, 2023 तक चालू रहेगा। पीएसीएल ने निवेशकों से 60,000 करोड़ रुपये जुटाई थी।

भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत 24 नवंबर यानी बृहस्पतिवार से शुरू करेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी ।जीसीसी खाड़ी क्षेत्र के छह देशों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, ओमान व बहरीन का संघ है।

पब्लिसिटी का भूखा इंसान है अली अब हमारे रिश्ते कभी सामान्य नहीं हो सकते : सारा खान

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री सारा खान को टीवी शो बिदाई में निभाई गई साधना की भूमिका से खास पहचान मिली। सारा खान एक्टिंग के साथ अपनी बोल्डनेस की वजह से काफी सुर्खियां बटोरती हैं। सारा पर्सनल लाइफ को लेकर भी आए दिन खबरों में रहती हैं। इस बीच सारा एक बार फिर से चर्चा में हैं। सारा ने अपने ताजा इंटरव्यू में एक बार फिर अपने पूर्व पति अली मर्चेंट पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वह लाइफ में आगे बढ़ चुकी हैं लेकिन उनके एक्स हसबैंड अभी भी पिछली बातों में उलझे हुए हैं और मेरे पीछे पड़े हैं। सारा खान ने अपने इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ को लेकर कई सारे खुलासे किए हैं। इस इंटरव्यू में सारा के साथ उनके ब्वॉयफ्रेंड शांतनु राजे भी मौजूद थे। दोनों से पूछा गया कि क्या उन्हें अभी भी अली मर्चेंट के होने से कोई फर्क पड़ता है? इस पर शांतनु ने कहा जब अली ने कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में हिस्सा लिया था उस वक्त उन्हें अली को लेकर जरा भी इनसिक्योरिटी महसूस नहीं हुई थी। क्योंकि उन्हें पता था कि सारा अब अली को बिल्कुल भी भाव नहीं देने वाली। वह आगे बढ़ चुकी है। सारा से जब पूछा गया कि क्या अली अब उनके दोस्त बनकर रहना चाहते हैं। इस सवाल पर सारा ने बड़ा सा न बोला। उन्होंने कहा कि अब मेरे और अली के रिश्ते इतने अच्छे नहीं कि हम दोस्त बनकर रहें। फिलहाल अब समय हो चुका है कि उन्हें मूव ऑन कर लेना चाहिए। जब देखो वह हैलो करने आ जाते हैं। मुझे यह नहीं चाहिए। सारा खान ने कहा मेरे जैसी लड़की अली की दोस्त नहीं बन सकती है। मेरे अंदर इतना दिमाग नहीं था मैं उस वक्त काफी छोटी थी। अब जो हुआ सो हुआ। वह इंसान आज भी वैसा ही है वह कंट्रोवर्सी के पॉइंट ढूंढता है। अली पब्लिसिटी का भूखा इंसान है। जहां देखा कि मैं हूं और आस-पास मीडिया है। फौरन उठ कर खड़ा हो जाता है।

वरुण को लगाई थी सानिया की मां ने फटकार!

-बालीवुड एक्टर वरुण धवन स्वयं किया यह खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर वरुण धवन अपने लाइफ में घटी एक ऐसी घटना का खुलासा किया है जो टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा जुड़ा है। इसके साथ ही वरुण ने अपनी पहली सैलरी को लेकर भी बातें की। आपको बता दें कि वरुण धवन ने हाल ही में भेड़िया का प्रमोशन यूएई में किया। एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने अपनी पहली सैलरी को लेकर खुलासा करते हुए बताया कि सानिया मिर्जा पर उनका बहुत बड़ा क्रश था। हालांकि उसके साथ उसकी पहली मुलाकात वास्तव में बहुत अच्छी नहीं थी। उन्होंने बताया कि सानिया से वह पहली बार एड शूट के दौरान मिले थे। कर्ली टेल्स मिडिल ईस्ट के शो में वरुण से जब उनकी पहली सैलरी के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि वह मुकुल आनंद के प्रोडक्शन हाउस के लिए काम कर रहे थे जो एक ऐड शूट था। एक प्रोडक्शन हाउस ने उन्हें लिंकिंग रोड पर 300 जोड़ी जूते लाने के लिए कहा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उस समय सानिया मिर्जा पर उनका बहुत बड़ा क्रश था और सानिया ने उन्हें एक सेब लाने के लिए कहा। वरुण ने आगे बताया कि जब उन्हें एक सेब मिला तो उनके हाथ कांप रहे थे और वह सानिया की मां को देने की कोशिश कर रहे थे। इस्के बाद वरुण को सानिया की मां ने डांटा। वरुण ने हंसते हुए कहा कि सानिया की मां ने सोचा कि वह फटा हुआ है और पूछा कि यह सेब लेने के लिए किसने कहा क्योंकि सानिया सेब नहीं खाती है।

सौभाग्य से सानिया उस समय मामला बढ़ने से पहले आ गई और उसने अपनी मां से कहा कि उसने उसे लेने के लिए कहा है। आखिरकार वरुण को उस ऐड शूट के लिए 5000 सैलरी मिली। बता दें कि वरुण इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भेड़िया को लेकर खबरों में छाए हुए हैं। वह अपनी को-स्टार कृति सेनन संग फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। प्रमोशन के बीच वरुण अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कुछ मजेदार खुलासे भी कर रहे हैं।

प्रीति जिंटा ने साइकोलॉजी की परीक्षा के लिए छोड़ दिया था फिल्म सोल्जर का क्लाइमेक्स शूट

-अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने 1998 में रिलीज हुई अपनी फिल्म के किस्से साझा किए

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने 1998 में रिलीज हुई अपनी फिल्म सोल्जर के निमार्ताओं के लिए एक भावुक नोट लिखा और फिल्म की शूटिंग के किस्से साझा किए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर सोल्जर के टाइटल ट्रैक की एक क्लिप साझा की जिसे प्रीति जिंटा पर और बॉबी देओल पर फिल्माया गया है। उन्होंने लिखा सोल्जर मेरी दूसरी रिलीज फिल्म थी लेकिन पहली फिल्म जो मैंने साइन की थी। मैं इतनी उलझन में थी कि मैं एक नाम के साथ दो निर्देशकों के साथ काम करूंगी। अब्बास भाई और मस्तान भाई का शुक्रिया मुझे कभी भी लड़खड़ाने नहीं दिया। इस अवसर के लिए और राजस्थान में क्लाइमेक्स शूट के दौरान मेरी मनोविज्ञान की परीक्षा देने के लिए एक सप्ताह से अधिक समय के लिए सेट छोड़ने के लिए मुझसे परेशान न होने के लिए धन्यवाद रमेशजी। इसके बाद उन्होंने बॉबी को उन्हें फिल्मों में लाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा बॉबी आपके होने और मुझे फिल्मों में लाने के लिए धन्यवाद और ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड और राजस्थान के शेड्यूल के दौरान इतने मजे के लिए पूरी कास्ट एन क्रू को धन्यवाद। मैं आपको हमेशा याद करूंगी सरोज जी आपने मुझे सिखाया कि कैसे एक हीरोइन बनना है हैशटैग-सैनिक हैशटैग-सैनिक वर्षगांठ हैशटैग-यादें हैशटैग-टिंग।

मिताली नाग ने खुलासा किया

स्ट्रीमिंग शो आशिकाना के दूसरे सीजन में एक नया मोड़ लाने वाली अभिनेत्री मिताली नाग ने खुलासा किया है कि किस चीज ने उन्हें शो के लिए हामी भरने को मजबूर कर दिया। अभिनेत्री ने बताया कि शो के साथ ओटीटी के स्थान पर काम करने का अवसर कुछ ऐसा है जिसने उनके लिए डील को सील कर दिया क्योंकि उन्होंने टेलीविजन से स्ट्रीमिंग माध्यम में एक सफल परिवर्तन करने के बारे में सोचा। इसके बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा इसलिए जब कास्टिंग डायरेक्टर डिंपी ने मुझे आशिकाना सीजन 2 की पेशकश की तो ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत खुश थी क्योंकि सीरीज एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होती है। इसने मुझे टीवी से ओटीटी में छलांग लगाने का मौका दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि यह शो के निर्देशक की कहानी कहने की क्षमता थी जिसने उसे स्ट्रीमिंग सीरीज लेने का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा यह निश्चित रूप से मेरे लिए एक बड़ा कारक था कि इस शो की परिकल्पना गुल खान जी ने की थी। मुझे पता है कि वह कितनी रचनात्मक हैं इसलिए मुझे यकीन था कि आशिकाना 2 भी एक अनूठा शो होने वाला था।

फिल्म गोविंदा नाम मेरा का ट्रेलर रिलीज

-विक्की ने कैटरीना के आइटम नंबर पर लगाए ठुमके

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की आने वाली फिल्म गोविंदा नाम मेरा का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें एक्टर विक्की कौशल ने कैटरीना के आइटम नंबर पर जमकर ठुमके लगाए। यूजर्स से ट्रेलर को जबरदस्त प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं जिससे जाहिर होता है कि फैंस को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। विक्की कौशल की पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री ने भी ट्रेलर के रिलीज होते ही इस पर अपना रिएक्शन दिया था। दूसरी ओर विक्की गोविंदा नाम मेरा के ट्रेलर लॉन्च पर अपनी धर्म पत्नी यानी कैटरीना कैफ के सुपरहिट डांस नंबर चिकनी चमेली पर डांस करने से नहीं कतराए। विक्की कौशल इस कार्यक्रम में अपनी दो फीमेल को-स्टार्स कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर के साथ शामिल हुए जहां उन्होंने कैटरीना के अग्निपथ ट्रैक चिकनी चमेली के हुक स्टेप में दिखाए। दरअसल इवेंट के दौरान होस्ट करण जौहर ने एक गेम भी रखा जिसमें प्रतियोगियों को बजाए गए गानों के हुक स्टेप का अनुमान लगाना था और इस पर डांस करना थआ। इनमें से एक गाना था चिकनी चमेली। ट्रेलर लॉन्च इवेंट से सामने आए एक वीडियो में विक्की कौशल को न सिर्फ चिकनी चमेली सॉन्ग के हुक स्टेप का सही अंदाजा लगाते देखा जा सकता है बल्कि स्टेज पर मौजूद अन्य लोगों के साथ इसे परफॉर्म भी देख सकते हैं। ऑडियंस ने जैसे ही विक्की का यह अवतार देखा हर तरफ से हल्ला मच गया। वीडियो देखते ही यूजर्स को कैटरीना की वह बात भी याद आ गई जब उन्होंने बताया था कि कैसे विक्की ने उनके बर्थडे को यादगार बनाने के लिए उनके फेमस गानों की लिस्ट तैयार की थी और इस पर डांस किया था।

साड़ी कलेक्शन में रेखा विद्या से प्रेरणा लेती है कामना

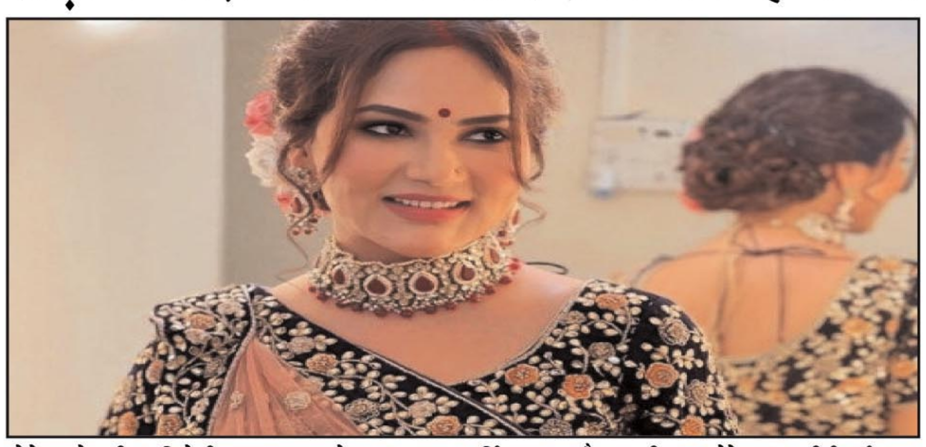

छोटे परदे की अभिनेत्री कामना पाठक ने बताया कि कैसे वह साड़ी संग्रह के मामले में अभिनेत्री रेखा और विद्या बालन से प्रेरणा लेती हैं। इन दोनों एक्ट्रेस की अलग-अलग पसंद हैं। कामना कहती हैं रेखा जी साड़ियों के लिए भारत की स्टाइल आइकॉन हैं। जब भी वह दिखती हैं तो उनका सरासर व्यक्तित्व और उनके स्टाइल स्टेटमेंट में लालित्य हमेशा ध्यान आकर्षित करता है। उनके पास शैली की एक त्रुटिहीन भावना है जो पीढ़ी दर पीढ़ी प्रेरित करती रहती है। दिलचस्प बात यह है कि मैंने हाल ही में वाराणसी में रेखा जी के कांजीवरम से प्रेरित एक लाल साड़ी उठाई। दुकानदार ने मुझे बताया कि कई खरीदार रेखा जी की विभिन्न साड़ी लुक के बारे में पूछने आए और कई महिलाओं की नजर मेरे द्वारा खरीदी गई लाल साड़ी पर पड़ी लेकिन यह मेरी किस्मत में थी कामना ने भी इस पारंपरिक पोशाक के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा यह ठीक ही कहा गया है कि एक साड़ी कभी भी फैशन से बाहर नहीं हो सकती है और यह एक ऐसा परिधान है जो हर महिला को सुरुचिपूर्ण और आकर्षक बनाता है।

शाहरुख के घर मन्नत में लगी है हीरे जड़ित नेमप्लेट

बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपने घर मनन्त में हीरा जड़ित नेमप्लेट लगवाई है। शाहरुख खान ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर नेमप्लेट की तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में बायीं तरफ मन्नत और दायीं तरफ लैंडसेंड लिखे दो डायमंड नेमप्लेट देखे जा सकते हैं। लैंडसेंड इसलिए क्योंकि सी-फेसिंग बंगला बांद्रा में बैंडस्टैंड के लैंड्स एंड पार्ट में स्थित है। शाहरुख अक्सर अपने प्रशंसकों को अपनी बालकनी से शुभकामनाएं देते हैं जैसा कि उन्होंने हाल ही में 2 नवंबर को अपने जन्मदिन पर भी किया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो इस समय शाहरुख की पाइपलाइन में तीन बड़ी फिल्में हैं जिनमें से पहली पठान है। इसके अतिरिक्त उनके पास राजकुमार हिरानी की डंकी और दक्षिण निर्देशक एटली की जवान भी हैं।

सरोज के नाम है सबसे अधिक ये अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड

बालीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर्स सरोज खान को सबसे ज्यादा 8 बार बेस्ट कोरियोग्राफर का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला है। सरोज की बर्थ एनिवर्सरी पर आज आइए उनके बेस्ट 8 डांस नम्बर्स पर बात करते है1 सरोज खान का जन्म 22 नवम्बर 1948 को हुआ था। सरोज ने चाइल्ड एक्टर के तौर पर कॅरियर की शुरूआत की थी। 1950 तक वे बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम किया करती थीं। 1974 में उन्होंने कोरियाग्राफर के तौर पर अपनी यात्रा शुरू की थी। सरोज ने कई गानों को अपने स्टेप्स से इस तरह सजाया कि वे आज भी पसंद किए जाते हैं। फिल्मफेयर अवॉर्ड की बात करें तो उन्होंने सबसे ज्यादा 8 बार इस अवॉर्ड पर कब्जा जमाया है।सबसे पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड उन्हें 1989 में मिला था। यह अवॉर्ड उन्हें तेजाब फिल्म के लिए गाने एक दो तीन। के लिए मिला था। इस गाने के स्टेप्स इतने डिफरेंट थे कि हर कोई इन्हें करने लगा था। खासतौर पर माधुरी दीक्षित को इस गाने ने काफी प्रसिद्धी दिलाई थी।

सूडोकु नवताल- 6262

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6261 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7009

रं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	च	ज	पे	यी
द	गी	ल	प्रे	व	जी	म	द	म	कां	रा
जु	स	ला	म	न	क	रा	ल	ल	त्का	म
दा	स	स	क	मा	सू	म	ध	त्रि	श	र
ई	आ	द्रो	ही	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	अ	र	दि	म	उ	ती	कौ	घ	दौ
क	व	रि	फ	जी	प	बा	ज	न	व	ड़
श	एं	वा	ई	ला	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	तू	र	स	त्या	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	न	ला	कौ	ल	द
वि	ज	अ	ग्रि	खू	ब	सू	र	त	प	म

शब्दजाल में 'उर्मिला मातोंडकर' अभिनीत दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मासूम,चमत्कार,द्रोही,रंगीला,जुदाई, दौड़,अफलातून,कौन,खूबसूरत,सत्या

शब्दजाल - 7008 का हल

र	क	ल	द्वी	च	र	स	धी	सी	ल	अ
च	शो	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	ता	ट	नु
ला	स	ले	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	अ	रो
मु	ज	ज	सु	चु	र	रा	प	र	ना	ध
रा	फ	दो	ग	ल्ला	प	ज	तू	गी	मि	र्नि
री	क	की	प	ह	न	के	ना	ता	का	ग
ही	अ	स	रा	या	प	अ	चु	ज	ला	ट्रे
रो	ता	दा	ई	ह	ब	भि	फ	प	श	न
ब	बा	छ	लि	या	मा	मा	ल	व	के	न
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	स्त्री	ता	ने
ने	जी	व	अ	चा	न	क	शा	त	र	इ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5962

3		4			1	2
2	33		34	6	30	
5		7			3	
	42		25	1	22	6
	6	5			2	
	36		34	4	31	3
1	2	3		5		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5961 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	36	6	27	5
7	6	5	4	3	2	1
4	42	2	25	1	22	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

हरियाणा स्कूल अंडर 11 की खेल प्रतियोगिताएं 25 से, सीआरसी लेवल से होगी शुरुआत

अंबाला।
हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल अंडर 11 आयु वर्ग की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 25 नवंबर से सीआरसी लेवल पर होगा। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतियोगिताओं का शेड्यूल तय किया गया है। यह प्रतियोगिताएं सीआरसी, ब्लाक और जिला स्तर पर होंगी, जो एक दिसंबर तक चलेंगी। इसके बाद स्टेट के लिए शेड्यूल तैयार किया जा सकता है। खास है कि इस आयु वर्ग में दस खेलों में कंपीटिशन होंगे, जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सात विधाओं में कंपीटिशन भी होंगे। बैठक में कंपीटिशन के लिए स्कूलों को भी जिम्मेदारियां सौंपी हैं। स्कूल अंडर 11 आयु वर्ग में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 25 नवंबर से शुरू होगा, जो एक दिसंबर तक चलेगा। सीआरसी लेवल पर लड़के और लड़कियों की खेल प्रतियोगिताएं 25 नवंबर को होंगी ब्लाक स्तर पर लड़कों की खेल प्रतियोगिताएं 26 नवंबर को व लड़कियों की प्रतियोगिताएं 28 नवंबर को होंगी जिला स्तर पर लड़कों की खेल प्रतियोगिताएं 30 नवंबर को तथा लड़कियों की प्रतियोगिताएं 1 दिसंबर को होंगी अंबाला शहर ब्लाक की खेल प्रतियोगिताएं राजकीय उच्च विद्यालय मटेहड़ी शेखां के मुख्याध्यापक की देखरेख में होंगी अंबाला छावनी ब्लाक की खेल प्रतियोगिताएं राजकीय उच्च विद्यालय कलरहेड़ी के मुख्याध्यापक की देखरेख में होंगी साहा ब्लाक की खेल प्रतियोगिताएं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहा के प्रधानाचार्य की देखरेख में होंगी बराड़ा ब्लाक की खेल प्रतियोगिताएं राजकीय उच्च विद्यालय सरकपुर के मुख्याध्यापक की देखरेख में होंगी शहजादपुर ब्लाक की खेल प्रतियोगिताएं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रायवाली के प्रधानाचार्य की देखरेख में होंगी

अंडर 11 आयु वर्ग के तहत दस खेलों में कंपीटिशन का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत खो-खो, शतरंज, कबड्डी, स्केटिंग, योग, रस्साकशी, कैरम, जिमनास्टिक, कुश्ती, एथलेटिक्स में मुकाबले करवाए जाएंगे। इसी तरह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत एकल अभिनय, समूहगान, रागिनी, फैंसी ड्रेस, पेंटिंग, एकल नृत्य, समूह नृत्य में मुकाबले करवाए जाएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

बांग्लादेश दौरे के लिए टीम इंडिया में 2 बदलावः जडेजा-यश दयाल बाहर, कुलदीप सेन और शाहबाज को मौका; टीम भी घोषित

नई दिल्ली । बांग्लादेश दौरे के लिए टीम इंडिया में दो बदलाव किए गए हैं। रविंद्र जडेजा और यश दयाल इंजर्ड होने के चलते इस दौरे से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मध्यप्रदेश के पेसर कुलदीप सेन और ऑल राउंडर शाहबाज अहमद को जगह दी गई है। यह दौरा दिसंबर में होगा, इसमें 3 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। सीनियर टीम के साथ ही भारत की 'ए' टीम का भी ऐलान किया गया है। यह टीम बांग्लादेश में दो चार दिवसीय मैच खेलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहली बार टीम इंडिया में सिलेक्ट किए गए यश दयाल के लोअर बैक में दिक्कत है। इसके चलते उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा है। दूसरी तरफ, रविंद्र जडेजा के घुटने में अब भी दिक्कत है। वे अगस्त-सितंबर के दौरान खेले गए एशिया कप में बाहर हो गए थे। जडेजा तब से ही बाहर हैं। कुलदीप और शाहबाज न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही 3 मैचों की वनडे सीरीज का हिस्सा हैं। अब उन्हें बांग्लादेश दौरे पर भी टीम में रखा गया है। रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उप कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर और कुलदीप सेन। अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान) , रोहन कुन्नुमल, यशस्वी जायसवाल, यश ढुल, सरफराज खान, तिलक वर्मा, उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), सौरभ कुमार, राहुल चाहर, जयंत यादव, मुकेश कुमार, नवदीप सैनी और अतीत सेठ।

जर्मनी पर जापान की ऐतिहासिक जीत के बाद जापानी फैंस ने जीता दिल, साफ किया स्टेडियम

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2022 अब तक उलटफेर वाला विश्व कप रहा है। इस टूर्नामेंट में चार दिन का खेल हुआ है और दो बड़े उलटफेर हो चुके हैं। खास बात यह है कि दोनों उलटफेर एशियाई टीमों ने किए हैं। पहले सऊदी अरब ने अर्जेंटीना को हराकर सभी को चौंका दिया। इसके बाद जापान ने जर्मनी पर एतिहासिक जीत दर्ज की। जापान ने बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व कप जीतने की दावेदार जर्मनी को दो एक से हराया, जबकि हाफ टाइम तक जापानी टीम 0-1 से पीछे चल रही थी। इस मैच में पहले जापान के खिलाड़ियों ने अपने खेल से सभी का दिल जीता फिर जापानी फैंस ने अपनी अच्छी आदत से पूरी दुनिया को दीवाना बना दिया। यह मैच खत्म होने के बाद सभी फैंस स्टेडियम से निकल गए, लेकिन जापान के फैंस रुके रहे। उन्होंने नीले रंग के कचरे के बैग निकाले और उनमें पानी की खाली बोतलों के साथ स्टेडियम में नीचे गिरा हुआ खाना और बाकी कचरा भरने लगे। चंद मिनट के अंदर पूरा स्टेडियम फिर से चमचमा रहा था और नए मैच की मेजबानी के लिए तैयार दिख रहा था। वहीं, जापान के खिलाड़ियों ने भी अपना ड्रेसिंग रूम पूरी तरह से साफ किया।

अर्जुन अवॉर्डी सुधा सिंह बनी ब्रांड एंबेसडर, 27 नवंबर को होगी मैराथन

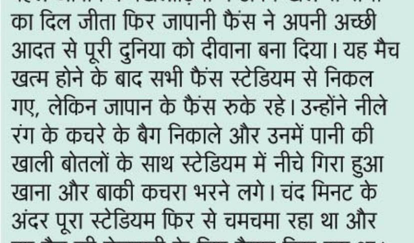

पुणे । बजाज आलियांज पुणे हाफ मैराथन का तीसरा संस्करण 27 नवंबर को होगा। पूर्व एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित सुधा सिंह को इस प्रतियोगिता का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में दो बार ओलंपिक में शामिल होने वाली सुधा ने अपने 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में पद्मश्री पुरस्कार भी जीता है। उन्होंने भारत के लिए कई पदक जीते हैं। कोरोना की वजह से यह इवेंट पिछेल साल नहीं हो सका था। दो साल बाद आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में हाफ मैराथन श्रेणी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले पुरुष और महिलाओं को 10 लाख रुपये इनाम के रूप में दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता के बारे में बताते हुए एपीजी रनिंग और फिटपेज के सीईओ विकास सिंह ने कहा, बीएपीएचएम के लिए इस साल अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में भारत की सबसे बड़ी धावकों में से एक सुधा सिंह का होना वास्तव में एक सम्मान की बात है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मैच आज इंडिया तोड़ सकती है पाकिस्तान के 2 रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा। इस सीरीज के दौरान भारत के पास वनडे रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 टीम बनने का मौका है। इसके अलावा भारतीय टीम पाकिस्तान के 2 बड़े रिकॉर्ड भी तोड़ सकती है। भारत के कप्तान शिखर धवन वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वेस्टइंडीज के दिग्गज विव रिचर्ड्स से आगे निकल सकते हैं। इन सभी रिकॉर्ड की बात आगे विस्तार से करेंगे। शुरुआत रैंकिंग से करते हैं।

अभी नंबर-3 पर है टीम इंडिया

भारत इस समय टी-20 क्रिकेट में दुनिया की नंबर-1 टीम है, तो टेस्ट में उसे दूसरा स्थान हासिल है। वनडे क्रिकेट में भारत तीसरे नंबर पर है। इस सीरीज के दौरान भारतीय टीम के पास नंबर-2 पर जाने का मौका है। अभी इंग्लैंड 119 पॉइंट्स के साथ पहले और न्यूजीलैंड 114 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत के 112 अंक हैं।

भारत अगर सीरीज में 2-1 या 3-0 से जीत हासिल कर लेता है तो वह वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। 2-1 से जीत की स्थिति में भारत के 113 और न्यूजीलैंड के 112 अंक होंगे। 3-0 से जीत की स्थिति में भारत के 116 और न्यूजीलैंड के 108 पॉइंट्स होंगे।

अब जानते हैं कि धवन कैसे निकलेंगे रिचर्ड्स से आगे

इस सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी करने वाले शिखर धवन ने वनडे क्रिकेट में अब तक 161 मैचों में 6,672 रन बनाए हैं। वे ओवरऑल टैली में 53वें नंबर पर हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे विवियन रिचर्ड्स 187 मैचों में 6,721 रन बनाकर 51वें नंबर पर हैं।

अगर धवन इस सीरीज में 50 रन बना लेते हैं तो वे रिचर्ड्स से आगे निकल जाएंगे। रिचर्ड्स और धवन के बीच 52वें नंबर पर जिम्बाब्वे के ब्रैंडन टेलर हैं। उनके नाम 205 मैचों में 6,684 रन हैं।

लगातार छठी सीरीज जीतने का मौका

भारतीय टीम इस सीरीज से पहले लगातार 5 वनडे सीरीज जीत चुकी है। जनवरी में साउथ अफ्रीका के खिलाफ साउथ अफ्रीका में वनडे सीरीज गंवाने के बाद से भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो और इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका को 1-1 बार वनडे सीरीज जीती हैं।

इस तरह अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ भी सीरीज जीत जाती है तो यह वनडे क्रिकेट में टीम की लगातार छठवीं सीरीज जीत होगी। इससे पहले भारत ने 2008-09 और 2017-18 में लगातार 6 द्विपक्षीय सीरीज पर कब्जा किया था। भारत कभी लगातार 6 से ज्यादा द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाया है।

एक मैच जीतते ही टूटेगा पाकिस्तान का पहला रिकॉर्ड

टीम इंडिया इस सीरीज में अगर एक मुकाबला भी जीत लेती है तो वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में पाकिस्तान से आगे निकल जाएगी। वहीं, अगर भारतीय टीम सीरीज में दो मुकाबले जीत लेती है तो वह न्यूजीलैंड को न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा बार हराने के मामले में पाकिस्तान को पीछे छोड़ तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगी। भारत ने अब तक न्यूजीलैंड के खिलाफ 110 वनडे में 55 जीत हासिल की है। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 107 वनडे में 55 जीत हासिल की है। न्यूजीलैंड की धरती पर भारत ने उसके खिलाफ 42 मैचों में 14 जीत हासिल की है। वहीं, पाकिस्तान ने 49 मैचों में 15 जीत हासिल की है।

आर्म बैंड विवाद में कानूनी कार्रवाई कर सकती हैं टीमें

दोहा।
विश्व कप के दौरान वन लव आर्म बैंड पहनने से रोकने के फीफा के फैसले का विरोध कर रही सात यूरोपीयन टीमें कानूनी विकल्प तलाश रही हैं। फीफा ने समलैंगिकों के समर्थन में आर्म बैंड पहनने वाले खिलाड़ियों पर कार्रवाई की धमकी दी थी। इसके बाद इंग्लैंड, वेल्स, बेल्जियम, नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और डेनमार्क के फुटबाल संघ ने खिलाड़ियों का आर्म बैंड पहनने से रोक दिया था।

डेनमार्क फुटबाल संघ ने संयुक्त बयान में कहा, सभी सात देशों ने फिलहाल खेल पंचाट में जाने का फैसला टाल दिया है। हालांकि हम कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं। हम अब भी वन लव आर्म बैंड और इसके संदेश के पीछे मजबूती से खड़े हैं। इससे पहले, डेनिश संघ के अध्यक्ष जैस्पर मोलर ने बुधवार को कहा था कि यह स्थिति बेहद असाधारण है। अगले चुनाव में फिलहाल इंफानिटो मैदान में हैं, लेकिन हम उन्हें वोट नहीं करेंगे।

जर्मनी के वाइस चांसलर राबर्ट हैबेक ने कहा है कि कतर में खेले जा रहे विश्व कप में वह समलैंगिकों के समर्थन वाला बहुरंगी वन लव आर्म बैंड जरूर पहनते और देखते कि क्या होता है। हालांकि उन्होंने कहा कि लेकिन वह यह फैसला नहीं कर सकते कि जर्मन टीम क्या करती है। यह फैसला कप्तान मैनुअल नुएर को लेना है। इससे पहले, जर्मनी की मंत्री नैंसी फेजर ने फीफा के फैसले को भारी भूल बताया था। उन्होंने कहा था कि जिस रह से फीफा ने फुटबाल संघों पर दबाव बनाया है, वह सही नहीं है। फीफा नहीं चाहता है कि लोग भेदभाव के विरुद्ध खुलकर बोलें।

फीफा अध्यक्ष के विरोध में डेनमार्क – विश्व कप में समलैंगिकों के समर्थन में यूरोपियन टीमों को वन लव आर्म बैंड नहीं पहनने की अनुमति नहीं देने पर फीफा का विरोध बढ़ता जा रहा है। अब डेनमार्क फुटबाल संघ ने कहा है कि वह अगले चुनाव में फीफा अध्यक्ष गियानी इंफानिटो को वोट नहीं करेगा। डेनिश संघ के अध्यक्ष जैस्पर मोलर ने कहा, कतर में विश्व कप को लेकर फीफा का रवैया एकतरफा रहा है। आर्म बैंड पहनने पर खिलाड़ियों को यलो कार्ड दिखाने की धमकी देना बेहद निंदनीय है। यह स्थिति बेहद असाधारण है। हम निराश नहीं, बल्कि गुस्से में हैं। अगले चुनाव में फिलहाल इंफानिटो मैदान में हैं, लेकिन हम उन्हें वोट नहीं करेंगे। अभी चुनाव में एक साल का समय है और हमें कोई दूसरा उम्मीदवार देखना होगा।

विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर हुई चंडीगढ़ टीम, हैदराबाद के खिलाफ 196 रनों पर हुई ढेर, बल्लेबाज फ्लाप

चंडीगढ़।

विजय हजारे ट्राफी में चंडीगढ़ क्रिकेट टीम का सफर खत्म हो गया है। नाक आउट मुकाबले में हैदराबाद ने चंडीगढ़ को हराकर उनके विजय रथ को रोका और इस हार के बाद टीम टूर्नामेंट से भी बाहर हो गई। विजय हजारे ट्राफी नई दिल्ली में खेली जा रही है। टूर्नामेंट में चंडीगढ़ टीम ने लगातार 5 मैच जीते थे, लेकिन नाकआउट मुकाबले में टीम हार गई।

ग्रुप ए के अंतिम व महत्वपूर्ण लीग मैच में चंडीगढ़ को 110 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। कप्तान मनन वोहरा ने टास जीतकर हैदराबाद को बल्लेबाजी करने का न्योता दिया, जोकि चंडीगढ़ के लिए गलत साबित हुआ। टीम ने टाप आर्डर से लेकर मिडिल आर्डर तक बेहतरीन प्रदर्शन किया। चार बल्लेबाज कप्तान तन्मय अग्रवाल (52), रोहित रायडू (68), भवेश सेठ (71), नाबाद बुद्धि राहुल (57) के अर्धशतकों की बदौलत हैदराबाद ने पांच विकेट के नुकसान 306 रनों का पहाड़ खड़ा किया। चंडीगढ़ के गेंदबाज अर्पित सिंह (2/53) ने सर्वाधिक दो विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ के पिछले दो मैचों में लगातार शतक जड़ चुके अर्सलान खान (1 रन) का बल्ला इस बार शांत रहा, जबकि अंकित कौशिक (6) भी सस्ते में आउट हुए। कप्तान मनन वोहरा (34) के आउट होते ही चंडीगढ़ तीन विकेट के नुकसान पर 45 रनों पर संघर्षरत रहा। विपक्ष के गेंदबाजों ने चंडीगढ़ टीम को लगातार झटके दिए। इसके बाद भागमेंदर लादेर (20) और जगजीत संधू (3) के साथ आधी टीम 96 रनों पर पवेलियन लौटा दी।

इसके बाद गुरेन्द्र सिंह (59) और अक्षित राणा (44) ने छठे विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी भी कारगर सिद्ध नहीं हुई और 47वें ओवर तक चंडीगढ़ की पूरी टीम 196 रनों पर ढेर हो गई। गौरवपुरी और अर्पित सिंह ने 11-11 रनों का योगदान दिया, जबकि रोहित ढांडा दो पर आउट हुए। हैदराबाद के गेंदबाज अंकिथरेड्डी और सक्षम ने तीन-तीन विकेट लिए।

रोनाल्डो को फैन का फोन तोड़ना पड़ा भारी, दो मैच के लिए बैन, 50 लाख का जुर्माना भी लगा

लंदन ।
फुटबॉल के दिग्गज और मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अपने फैन का फोन तोड़ना महंगा पड़ गया है। उन्होंने इसी साल एवर्टन में एक फैन के हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया था और उसे तोड़ दिया था। इस मामले पर फुटबॉल एसोसिएशन ने कार्रवाई करते हुए उन पर 50,000 पाउंड (लगभग 49.43 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा उन पर दो मैच का प्रतिबंध भी लगाया है। रोनाल्डो ने हाल ही में मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ अपना अनुबंध खत्म किया है। क्लब ने जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया था कि दोनों पक्षों ने आपसी सहमति के बाद यह अनुबंध समय से पहले ही खत्म कर दिया है। इसी साल नौ अप्रैल को रोनाल्डो की टीम गुडिसन पार्क में एवर्टन से 1-0 से हार गई थी। इसके बाद रोनाल्डो मैदान से बाहर निकले तो एक फैन उनका वीडियो बना रहा था। टीम की हार से नाराज रोनाल्डो को यह पसंद नहीं आया। उन्होंने, फैन का मोबाइनल छीना और उसे तोड़ दिया। इस विवाद के बाद उन पर एफए ने अनुचित आचरण का भी आरोप लगाया है। एक स्वतंत्र पैनल ने उन्हें दो मैच के लिए निलंबित किया और जुर्माना भी लगाया। इस मामले पर उन्हें मर्सीसाइड पुलिस ने आगाह किया था। रोनाल्डो ने भी यह स्वीकार किया कि उनका आचरण अनुचित था। यह प्रतिबंध विश्व कप में लागू नहीं होगा और जब भी वह किसी क्लब में शामिल होंगे तो उन्हें ट्रांसफर कर दिया जाएगा, चाहे वह किसी भी देश में क्यों न हों। इस घटना के बाद, रोनाल्डो ने इंस्टाग्राम पर माफी मांगते हुए कहा, मुश्किल क्षणों में भावनाओं से निपटना कभी आसान नहीं होता है, जिसका हम सामना कर रहे हैं। फिर भी, हमें हमेशा सम्मानजनक, धैर्यवान रहना होगा और उन सभी युवाओं के लिए उदाहरण स्थापित करना होगा जो इस खेल को पसंद करते हैं। मैं अपने गुस्से के लिए माफी मांगना चाहता हूं और यदि संभव हो तो, मैं इस समर्थक को निष्पक्ष खेल और खेल भावना के संकेत के रूप में ओल्ड ट्रैफर्ड में एक मैच देखने के लिए आमंत्रित करना चाहता हूं। रोनाल्डो ने आरोप स्वीकार कर लिया था लेकिन निलंबन से बचने के लिए व्यक्तिगत सुनवाई का अनुरोध किया था। आठ नवंबर को स्वतंत्र सुनवाई के दौरान, रोनाल्डो ने कहा कि उन्होंने चिंता, अपनी शारीरिक सुरक्षा और भलाई के लिए ऐसा किया था। मैदान पर एवर्टन के फैंस एकत्रित हो गए थे और उनके लिए मैदान छोड़ना जरूरी था। उनके दावों को खारिज करते हुए, पैनल ने कहा कि यह उनकी भलाई के लिए डर या चिंता के बजाय निराशा और झुंझलाहट की वजह से हुआ था।

बीपीएल खेलेंगे उन्मुक्त चंदः चट्टोग्राम चैलेंजर्स ने खरीदा, 2012 में भारत को जिताया था अंडर-19 वर्ल्ड कप

नई दिल्ली ।
भारत को अपनी कप्तानी में 2012 का अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताने वाले उन्मुक्त चंद बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलते नजर आएंगे। उन्हें चट्टोग्राम चैलेंजर्स टीम ने प्लेयर्स ड्राफ्ट के जरिए अपनी टीम में शामिल किया है। इस तरह उन्मुक्त बांग्लादेश की फ्रेंचाइजी लीग का हिस्सा बनने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। पिछले साल भारत छोड़कर अमेरिका शिफ्ट होने वाले चंद ने पिछले सप्ताह ही प्लेयर्स ड्राफ्ट में नाम भेजा था। नाम भेजने के कुछ दिनों में ही उन्हें खरीदार भी मिल गया।

क्यों चुना चंद को – चट्टोग्राम चैलेंजर्स टीम ने प्लेयर्स ड्राफ्ट में विदेशी प्लेयर्स के सेकेंड राउंड में उन्मुक्त को खरीदा। चैलेंजर्स के मालिक रिफातुज्जमान ने कहा- भारतीय खिलाड़ियों को देखने के लिए कई फैंस स्टेडियम पहुंचते हैं। इसी फैन बेस को यूज करने के लिए हमने इंडियन प्लेयर को टीम में शामिल किया।

6 टीमें खेलती हैं बीपीएल – बीपीएल बांग्लादेश की फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग है। 2012 से खेली जा रही लीग का 9वां सीजन 6 जनवरी 2023 से शुरू होगा। लीग में चट्टोग्राम चैलेंजर्स के अलावा ढाका डोमिनेटर्स, फोर्च्यून बारिशल, खुलना टाइगर्स, सिल्हेट स्ट्राइकर्स और कोमिला विक्टोरियंस टीमें भी खेलेंगी।

इंडियन प्रीमियर लीग में फ्लॉप रहे – चंद ने घरेलू क्रिकेट में ठीक-ठाक परफॉर्मेंस किया। लेकिन, इंडियन प्रीमियर लीग में वह कुछ खास नहीं कर सके। टूर्नामेंट के 21 मैचों में वह 100 के स्ट्राइक रेट से 300 रन ही बना सके। उन्होंने महज 15 की औसत से रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक ही फिफ्टी आई। उन्हें दिल्ली डेयरडेविल्स, मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स ने अलग-अलग सीजन में खरीदा। 2011 में डेब्यू करने के बाद 13 मई 2016 को उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ आखिरी इंडियन प्रीमियर लीग मैच खेला था।

बिग बैश लीग खेलने वाले पहले भारतीय – बांग्लादेश के अलावा चंद ऑस्ट्रेलिया की पुरुष बिग बैश लीग खेलने वाले भी पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2021 में मेलबर्न रेनेगेड्स टीम के लिए डेब्यू किया था। हालांकि, उनकी टीम लीग में आखिरी स्थान पर रही थी।

बाकी भारतीय प्लेयर्स क्यों नहीं खेल रहे विदेशी लीग – भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नियम अनुसार, घरेलू और नेशनल लेवल पर कॉन्ट्रेक्टेड प्लेयर्स विदेशी लीग नहीं खेल सकते हैं। विदेशी लीग खेलने के लिए उन्हें भारत से सभी फॉर्मेट के क्रिकेट से रिटायरमेंट लेना होगा। इसलिए भारतीय प्लेयर्स बिग बैश और द हंड्रेड जैसी विदेशी लीग नहीं खेलते। उन्मुक्त चंद ने पिछले साल ही भारत में घरेलू क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। वह अब अमेरिका के लिए क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। उन्होंने 2022 में ही मेजर लीग क्रिकेट के साथ 3 साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है।

एमएलसी के लिए भारत छोड़ा – 8 साल तक भारत के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद चंद ने 13 अगस्त 2021 को भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट का हिस्सा बनने के लिए यह डिसीजन लिया। भारत से जाने के बाद चंद ने कहा था कि वह अब अमेरिका नेशनल टीम के लिए क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं।

ये इंटरनेशनल प्लेयर्स भी एमएलसी का हिस्सा – उन्मुक्त चंद के अलावा भारत के लिए अंडर-19 वर्ल्ड कप खेलने वाले विकेटकीपर बैटर स्मित पटेल और लेफ्ट आर्म स्पिनर हरमीत सिंह भी मेजर लीग का हिस्सा होंगे। वहीं, इंग्लैंड के लियाम प्लंकेट और न्यूजीलैंड के कोरी एंडरसन भी मेजर लीग क्रिकेट खेलेंगे।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

आपके लिए खतरनाक है धूम्रपान

शोध से यह पता चलता है कि धूम्रपान और मानसिक स्वास्थ्य का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। 2700 लोगों पर एक शोध किया गया और पाया गया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, उन व्यक्तियों की तुलना में जो धूम्रपान नहीं करते, अधिक चिंतित व उदास रहते हैं। उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं रहता। जो लोग इस आदत से छुटकारा नहीं पा सकते, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर तो इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

मिट्टी में सोने के अद्भुत फायदे

मिट्टी में सोने से कई फायदे होते हैं। इसका उपयोग कई तरह के रोगों के इलाज में भी किया जाता है। इससे नींद न आना, स्नायु की कमजोरी और खून की खराबी आदि रोग दूर होते हैं। इसके अलावा मिट्टी की मालिश-मिट्टी को शरीर पर अच्छी तरह से मलने से और शरीर पर लगाने से जहरीले तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साबुन के स्थान पर शुद्ध मिट्टी लगाकर नहाने से कई प्रकार के रोगों में फायदा होता है।

घरेलू उपचार

पित्त और कफ विकारों में गूलर का चमत्कार...

मोरासी परिवारी का सदस्य गूलर लंबी आयु वाला वृक्ष है। इसका वनस्पतिक नाम फीकुस ग्लोमेराता रौक्सबुर्ग है। यह सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है। यह नदी-नालों के किनारे एवं दलदले स्थानों पर उगता है। इसके फल गोल, गुच्छों में लगते हैं। फल मार्च से जून तक आते हैं। कच्चा फल छोटा हरा होता है पकने पर फल मीठे, मुलायम तथा छोटे-छोटे दानों से युक्त होते हैं। इसका फल देखने में अंजीर के फल जैसा लगता है। इसके तने से क्षीर निकलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अनुसार गूलर का कच्चा फल कसैला और दाहनाशक है। पका हुआ गूलर रुचिकारक, मीठा गूलर शीतल, पित्तशामक, तृषाशामक, श्रमहर, कब्ज मिटाने वाला तथा पौष्टिक है। इसकी जड़ में रक्तस्राव रोकने तथा जलन शांत करने का गुण है। गूलर के कच्चे फलों की सब्जी बनाई जाती है तथा पके फल खाए जाते हैं। इसकी छाल का चूर्ण बनाकर या अन्य प्रकार से उपयोग किया जाता है। गूलर के नियमित सेवन से शरीर में पित्त एवं कफ का संतुलन बना रहता है। इसलिए पित्त एवं कफ विकार नहीं होते। साथ ही इससे उदरस्थ अग्नि एवं दाह भी शांत होते हैं। पित्त रोगों में इसके पत्तों के चूर्ण का शहद के साथ सेवन भी फायदेमंद होता है।

मधुमेह में राहत: गूलर की छाल ग्राही है, रक्तस्राव को बंद करती है। साथ ही यह मधुमेह में भी लाभप्रद है। गूलर के कोमल-ताजा पत्तों का रस शहद में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में राहत मिलती है। इससे पेशाब में शर्करा की मात्रा भी कम हो जाती है।

बवासीर में फायदेमंद: गूलर के तने का दूध बवासीर एवं दस्त के लिए श्रेष्ठ दवा है। खूनी बवासीर के रोगी को गूलर के ताजा पत्तों का रस पिलाना चाहिए। इसके नियमित सेवन से त्वचा का रंग भी निखरने लगता है।

बिवाई फटने पर: हाथ-पैरों की त्वचा फटने या बिवाई फटने पर गूलर के तने के दूध का लेप करने से आराम मिलता है, पीड़ा से छुटकारा मिलता है। गूलर से स्त्रियों की मासिक धर्म संबंधी अनियमितताएं भी दूर होती हैं। स्त्रियों में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव होने पर इसकी छाल के काढ़े का सेवन करना चाहिए। इससे अत्याधिक बहाव रुक जाता है। ऐसा होने पर गूलर के पके हुए फलों के रस में खांड या शहद मिलाकर पीना भी लाभदायक होता है।

मुंह के छाले: मुंह के छाले हों तो गूलर के पत्तों या छाल का काढ़ा मुंह में भरकर कुछ देर रखना चाहिए। इससे फायदा होता है। इससे दांत हिलने तथा मसूढ़ों से खून आने जैसी व्याधियों का निदान भी हो जाता है। यह क्रिया लगभग दो सप्ताह तक प्रतिदिन नियमित रूप से करें।

जलने पर: आग से या अन्य किसी प्रकार से जल जाने पर प्रभावित स्थान पर गूलर की छाल को लेप करने से जलन शांत हो जाती है। इससे खून का बहना भी बंद हो जाता है। पके हुए गूलर के शरबत में शक्कर, खांड या शहद मिलाकर सेवन करने से गर्मियों में पैदा होने वाली जलन तथा तृषा शांत होती है।

नेत्र विकार: आंखों में पानी आना, जलन होना आदि के उपचार में भी गूलर उपयोगी है। इसके लिए गूलर के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसे साफ और महीन कपड़े से छान लें। ठंडा होने पर इसकी दो-दो बूंद दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र ज्योति भी बढ़ती है। नकसीर फूटती हो तो ताजा एवं पके हुए गूलर के लगभग 25 मिली लीटर रस में गुड़ या शहद मिलाकर सेवन करने या नकसीर फूटना बंद हो जाती है। किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर या वैद्य की सलाह से ही करें।

सेहतमंद रहने की अनोखी विधि

मामूली खर्च

- अपनाएं गंडूषकर्म या ऑइल पुलिंग तकनीक
- शरीर से विषों को निकालने की आयुर्वेद विधि
- छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा
- पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय, भारतीय नहीं जानते

मामूली से खर्च में हमेशा स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की विधि है गंडूषकर्म या तेल चूषण विधि। मुख के अंदर तेल भरकर कुछ समय तक रखने या चूसने मात्र से अनेकानेक रोगों से छुटकारा मिल सकता है। यह बहुत पुरानी आयुर्वेद की चिकित्सा है जिसको आज सिर्फ कुछ गिने चुने लोग ही जानते हैं। आज पश्चिमी जगत इसको आइल पुलिंग थेरेपी के नाम से जानता है। आयल पुलिंग शरीर से विषों को निकाल डी टॉक्सिफाई करने की आसान सरल और सस्ती विधि है। छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा दिलाने में बहुत अहम है यह प्रक्रिया। यह विधि आज पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय है, मगर दुर्भाग्य है कि भारत के लोग ही इसको नहीं जानते। आज हम आपको इसी विधि के बारे में बताएंगे। इससे शरीर विषमुक्त तो होगा ही साथ ही साथ नई ऊर्जा और रोग मुक्त हो कर आप बिल्कुल नया अनुभव करेंगे।

आश्चर्यजनक शोध

ऑइल पुलिंग को आयुर्वेद में गंडूषकर्म के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक पर हाल के ही दिनों में कुछ शोधकर्ताओं ने शोध भी किए हैं और उनके परिणाम इतने सकारात्मक निकले हैं कि भरोसा करना मुश्किल है। कुछ रोगों में तो लाभ महज दो दिनों में ही सामने आ जाता है, जबकि कुछ में एक साल का समय लग जाता है।

आमतौर पर फायदे के लिए ऑइल पुलिंग तकनीक को कम से कम लगातार चालीस से पचास दिनों तक प्रयोग में लाए जाने के आवश्यकता होती है।

आइल पुलिंग की विधि

सवेरे उठकर मुंह साफ करने के बाद लेकिन नाश्ते से पहले एक बड़ा चम्मच 10 एमएल सूरजमुखी का तेल, या तिल का तेल, या मूंगफली का तेल लीजिए, इसको मुंह में भर लेने के बाद मुंह बंद रखकर उसे मुंह में घुमाए और दांतो से खींचे और ऐसा 15-20 मिनट तक करें। अन्य शब्दों में, तेल को चबाने की क्रिया करे। चबाते समय ठोड़ी को हिलाएं (घोड़े द्वारा दाना खाने के समान)। इससे अच्छी लार बनती है और मुख की श्लैष्मिक झिल्ली के माध्यम से रक्तदोष और विष खींच लिए जाते हैं। मुंह में तेल भरकर इस क्रिया को करने से 15-20 मिनट में तेल दूषित, पतला और सफेद हो जाता हैं। इसके बाद दूषित तेल को थूक दीजिए।

कुछ सावधानियां रखें

किसी भी हालत में इस जहरीले तेल को निगलना नहीं हैं। इसके बाद मुंह को अच्छी तरह धो लीजिए और दातुन या दंत मंजन कर लीजिये। आइल पुलिंग के बाद शरीर के जहरीले तत्व तेल के साथ मुंह में आ जाते हैं। यह चिकित्सा रोगी को अपने रोग अनुसार दिन में दो या तीन बार करनी चाहिए। ध्यान रहे यह करने से पहले पेट खाली ही हो, अर्थात भोजन के पहले ही करना है।

ताजे और पुराने रोग

ताजे रोग और प्रारंभिक चिकित्सा काल के संक्रमण 2 से 4 दिन में शीघ्रता से ठीक हो जाते हैं परंतु पुरानी बीमारियां ठीक होने में अधिक समय लग जाता है। अतः चिकित्सा प्रक्रिया छोड़नी नहीं चाहिए। प्रयोग के प्रारंभ में खासकर एक से अधिक रोग वाले रोगी की तकलीफे बढ़ सकती हैं। जैसे शरीर का तापमान बढ़ जाना इत्यादि। ऐसी स्थिति में घबराकर चिकित्सा नहीं छोड़ें। बिना किसी दखल के अपने आप सब ठीक हो जाता है। ऐसे लक्षण इस बात का सूचक हैं के रोग खत्म हो रहा है और चय अपचय बढ़ने से रोगी का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

इन बीमारियों से छुटकारा

आइल पुलिंग से निरंतर स्वस्थ रहने को तो बल मिलता है। इसके इलावा जिन रोगो के ठीक होने का दावा विज्ञान भी करता है उनमें खास हैं दांतों की बीमारियां, मसूड़ों से खून का बहना, दांत दर्द, दांतो का पीलापन, पुराने रक्त रोग, झाइयां, झुर्रियां, सिरदर्द, श्वासनली की सूजन (ब्रोंकाइटिस), थ्रोम्बोसिस, हृदय रोग, गुर्दे और मूत्र संबंधी बीमारियां, पेट, फेफड़े और जिगर के रोग, अस्थिरोग, चर्मरोग, स्नायु रोग, पक्षाघात, अनिद्रा आदि। यह प्रक्रिया कैंसर में भी बहुत लाभदायक है।

ये हैं फायदे

आयल पुलिंग से विषैले ट्यूमर का बनना रुक जाता है और धीरे धीरे रोग समाप्त हो जाता है। इसके परिणाम से आंखों के नीचे काले घेरे मिट जाते हैं और ताजगी, स्फूर्ति, शक्ति, स्मरणशक्ति, बढ़ जाती है।

इंटरेस्टिंग फैक्ट

ब्रेन के हुनर की वजह से यात्रा के दौरान आती है मितली...

बस या कार में यात्रा करते हुए जी मचलना या उल्टी आना, ऐसी परेशानी बहुत लोगों को होती है। असल में ऐसा मस्तिष्क के जबरदस्त हुनर के चलते होता है। बस, कार, विमान या पानी के जहाज में यात्रा करने के दौरान शरीर और मस्तिष्क के बीच एक असमंजस की स्थिति बन जाती है। यात्रा के दौरान दिमाग को ऐसा लगता है जैसे शरीर में जहर फैल रहा है। जान बचाने के लिए मस्तिष्क हरकत में आता है। जी मचलने लगता है और उल्टी सी आने लगती है। इस तरह दिमाग शरीर से विषैले तत्वों को बाहर करने की कोशिश करता है। लेकिन दिमाग को ऐसे संकेत मिलते क्यों हैं? इसका कारण समझाते हुए डॉक्टर कहते हैं कि यात्रा के दौरान सीट पर बैठा इंसान स्थिर होता है लेकिन कान लगातार गति की आवाज मस्तिष्क तक पहुंचा रहे होते हैं। कान, दिमाग को बताते हैं कि हम गतिशील है। एक तरफ स्थिर शरीर होता है तो दूसरी तरफ गति से जुड़ी जानकारी। ऐसी परस्पर विरोधाभासी जानकारी मिलने पर मस्तिष्क को लगने लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

कान के भीतर बैलेंस सेंसर

अगर आप पानी के जहाज में बैठे हैं और बाहर सब एक समान है तो आपकी आंखें गति की जानकारी नहीं देती हैं, लेकिन हमारे कानों में द्रवीय पदार्थ होते हैं जो भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों पर चलते हैं। गति के दौरान ये द्रवीय पदार्थ गतिमान होते हैं। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क को कई तरह के सिग्नल मिलते हैं। मांसपेशियां और आंखें बता रही होती हैं कि हम स्थिर हैं और कान के बैलेंस सेंसर कह रहे होते हैं कि हम गतिमान हैं। ये दोनों विरोधाभासी संकेत सही नहीं हो सकते। दिमाग को पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लाखों साल के क्रमिक विकास के दौरान दिमाग यह सीख चुका है कि ऐसी गड़बड़ तभी होती है जब शरीर के भीतर विषैले तत्व आ जाएं। उनसे निपटने के लिए ब्रेन तुरंत हरकत में आता है और मितली सी आने लगती है या उल्टी होने लगती है।

कैसे बचें

यात्रा के दौरान आगे तरफ देखते हुए अगर आंखें खुली रखी जाएं तो काफी आराम मिलता है। असल में ऐसा करने से दिमाग को पता चलता है कि हम गतिमान हैं और वह इस तथ्य को स्वीकार कर लेता है और बचाव की मुद्रा में नहीं आता है। आम तौर पर बच्चों या कम सफर करने वालों को ऐसी समस्या सबसे ज्यादा होती है। बच्चों का दिमाग विकास कर रहा होता है, वह यात्रा करने का आदी नहीं होता, इसीलिए बचपन में ऐसी तकलीफ ज्यादा होती है लेकिन धीरे धीरे उम्र बढ़ने और यात्रा के बढ़ते अनुभव के साथ मस्तिष्क इसे समझ जाता है और तालमेल बैठा लेता है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए। इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं। इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

रेसिपी

मलाई कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ता सामग्री: 200 ग्राम उबले आलू, 200 ग्राम पनीर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 100 ग्राम मकई आटा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच धनिया, 1/2 चम्मच हरी मिर्च, काजू, **ग्रेवी सामग्री:** 50 मि.ली. जैतून तेल, 4 लौंग, 1 इलायची और दालचीनी, 3/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 150 ग्राम प्याज, गरम मसाला, 1 चम्मच लाल मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी, 100 ग्राम काजू, 100 ग्राम टमाटर, 50 मि.ली. जल, 50 मि.ली. दही, 1 चम्मच हरी मिर्च, 100 मि.ली. टमाटर, 50 मि.ली. क्रीम

विधि

एक बर्तन में उबले आलू,पनीर,लाल मिर्च पाउडर, मकई का आटा, गरम मसाला,नमक,धनिया, हरी मिर्च आदि को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। तैयार किए मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसकों कोफ्ते का आकार दें और सुनहरा भूरा होने तक भून लें। फिर इसे निकालकर कागज पर रख लें। अब एक पैन में जैतून का तेल डालकर गर्म कर लें और इसमें लौंग, बड़ी इलायची, दालचीनी, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर कर चलाएं। इन रंग सुनहरा होने तक इसमें अदरक और लहसुन का पेस्ट, प्याज डालें। फिर इसमें नमक, गरम मसाला,लाल शिमला मिर्च,चम्मच हल्दी पाउडर डाल कर मिक्स कर लें। इसके बाद काजू,टमाटर और पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। जब तक यह सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाएं इसको ब्लेंड कर दें। अब एक पैन लेकर उसमें जैतून का तेल डालकर हरी मिर्च, टमाटर प्यूरी को भूनें। इसके बाद पेन में पानी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकने दें। इसमें ताजा क्रीम और तले हुए कोफ्ते अच्छी तरह से मिश्रित करें। मलाई कोफ्ता तैयार होने के बाद इसको धनिया के साथ गार्निश करें।

मिनी अनियन समोसा

सामग्री

आटे के लिए: 1/2 कप मैदा, 1 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1 कप प्याज, 2 किलो तेल, 1/2 स्पून ज़ीरा, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून गरम मसाला, 1/2 स्पून अमचुर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून कटा हुआ हरा धनिया, 1 स्पून बेसन, **अन्य सामग्री:** तलने के लिए तेल , परोसने के लिए: टमैटो कैचप, हरी चटनी

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल मे डालकर ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज और नमक डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। आंच से हठाकर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचुर, हल्दी पाउडर, धनिया और बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। आटे को नरम होने तक गूथ लें और 20 भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को 75 मिमी। अंडाकार में बेल लें। गोले को चाकू से 2 भाग में तिरछा काट लें। एक भाग को निकालकर कोन के आकार में मोड़कर पानी से चिपका लें। कोन को 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण से भरे और किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर चिपका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 19 और मिनी समोसे बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई मे तेल गरम करें, समोसे डालकर, मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल ले। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमैटो कैचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**